@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
गुरूवार, 4 जून 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 210 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

6 मंजिला होटल में आग, 21 की मौत

• इनमें 11 विदेशी और 10 भारतीय नागरिक; बिना फायर NOC चल रहा था होटल

एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली के मालवीय नगर के फ्लरिश स्टे होटल में बुधवार को आग लगने से 21 लोगों की मौत हो गई। न्यूज एजेंसी एक्सढ्ढ के मुताबिक मरने वालों में 11 विदेशी नागरिक हैं। इनमें 9 अफ्रीकी और 2 तुर्कमेनिस्तान के हैं। एजेंसी ने पहले ये आंकड़ा 17 बताया था। जानकारी के मुताबिक, मृतक 10 भारतीयों में से 8 आपस में रिश्तेदार थे। इनमें 3 राजस्थान के और 5 हरियाणा के रहने वाले थे। हादसे में कुल 35 लोग घायल हुए हैं। इनमें से 19 लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है। दिल्ली फायर सर्विस और स्थानीय लोगों के मुताबिक, मालवीय नगर में मौजूद इस होटल के रेस्टोरेंट में सुबह 8.50 बजे आग लगी। आग ऊपरी मंजिलों पर बने कमरों और बेसमेंट

तक पहुंच गई। वहीं, हादसे के वीडियो में कुछ लोग जान बचाने के लिए जलती हुई इमारत की तीसरी-चौथी मंजिल से कूदते नजर आ रहे हैं। इन्हें बचाने के लिए स्थानीय लोगों ने जमीन पर गद्दे भी बिछाए थे। होटल से 40 लोगों का रेस्क्यू भी किया गया है। आग लगने की वजह का अब तक पता नहीं चल पाया है। पिछले 6 महीनों में दिल्ली में आग की अलग-अलग घटनाओं में 66 लोगों की मौत हो चुकी है।

राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति समेत कई नेताओं ने मालवीय नगर अग्निकांड पर दुख जताया

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह समेत कई नेताओं ने दिल्ली के मालवीय नगर के एक रेस्टोरेंट में आग लगने से 21 लोगों की मौत पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। राष्ट्रपति मुर्मु ने एक्स पर पोस्ट कर मालवीय नगर अग्निकांड पर दुख जताते हुए कहा कि इस घटना में लोगों की मृत्यु का समाचार बहुत पीड़ादायक है। उन्होंने शोकाकुल परिवारों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त की साथ ही घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने आग में लोगों की मृत्यु पर दुखद जताते हुए शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए ईश्वर से प्रार्थना की कि दुख की इस घड़ी में उन्हें शक्ति और साहस मिले। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि मालवीय नगर में आग लगने की घटना से मन अत्यंत व्यथित है। स्थानीय प्रशासन राहत एवं बचाव कार्य में जुटा हुआ है। घायलों को सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस घटना में घायल लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि कई अनमोल जिंदगियों के असामयिक निधन का समाचार अत्यंत दुःखद एवं हृदयविदारक है। केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ने मालवीय नगर अग्निकांड को हृदयविदारक बताते हुए इस कठिन समय में शोकाकुल परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। हादसे में घायल हुए सभी नागरिकों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

खान सर के कोचिंग सेंटर पर हमला मामले में तीन लोग गिरफ्तार

एजेंसी

पटना। बिहार की राजधानी पटना में चर्चित शिक्षक खान सर की कोचिंग पर हुए हमले के मामले में पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपितों में ज्ञान बिंदु कोचिंग के संचालक रोशन आनंद तथा उनके दो सहयोगी अभिषेक और गौरव शामिल हैं। पुलिस तीनों से लगातार पूछताछ कर रही है और मामले की गहन जांच जारी है।पुलिस के अनुसार, जांच के दौरान मिले महत्वपूर्ण सुरागों और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर ज्ञान बिंदु कोचिंग के डायरेक्टर रोशन आनंद तथा उनके दोनों सहयोगियों को हिरासत में लिया गया था। बाद में पूछताछ और साक्ष्यों की पुष्टि होने के बाद तीनों को औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया गया। टाउन अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ-1) राजेश रंजन ने बुधवार को गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए बताया कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था को चुनौती देने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस निष्पक्ष रूप से साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई कर रही है और घटना में शामिल अन्य लोगों की

पहचान भी की जा रही है।तीनों आरोपितों की गिरफ्तारी के बाद शहर में इस कार्रवाई को लेकर विभिन्न तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। हालांकि पुलिस अधिकारियों का स्पष्ट कहना है कि पूरी कार्रवाई उपलब्ध साक्ष्यों और जांच के आधार पर की गई है। पुलिस ने यह भी आश्वासन दिया है कि किसी निर्दोष व्यक्ति को परेशान नहीं किया जाएगा।

ममता की टीएमसी टूटी, 58 विधायकों ने अलग गुट बनाया

ऋतब्रत बनर्जी को विधायक दल का नेता चुना, स्पीकर ने मंजूरी भी दी

एजेंसी

चंडीगढ़ । ऋतब्रत बनर्जी को विधायक दल का नेता चुना, स्पीकर ने मंजूरी भी दी ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस (TMC) में 28 साल के इतिहास में पहली बार औपचारिक तौर पर टूट सामने आई है। बुधवार को 58 बागी विधायकों ने पार्टी से निकाले गए विधायक ऋतब्रत बनर्जी को अपना नेता चुना। विधानसभा स्पीकर रथींद्र बोस को समर्थन पत्र दिया। इसमें मांग की गई कि ऋतब्रत को नेता विपक्ष घोषित किया जाए। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, स्पीकर ने मंजूरी दे दी है। उन्हें विधानसभा में नेता विपक्ष का रूम भी अलॉट कर दिया गया है। जावेद खान, संदीपन साहा और सिउली साहा को उपनेता जबकि अखरुज्जमान को चीफ व्हिप बनाया गया है। हालांकि, इस पूरे घटनाक्रम पर अभी विधानसभा स्पीकर और ममता बनर्जी का कोई बयान नहीं आया है। ममता के पास अब 22

विधायकों का समर्थन है। TMC ने 294 सीटों में से 80 सीटें जीती थीं। यह विवाद उस समय शुरू हुआ, जब नेता विपक्ष चुनने के प्रस्ताव पर फर्जी साइन का आरोप लगाने के बाद ऋतब्रत बनर्जी और संदीपन साहा को पार्टी से बाहर कर दिया गया था। इसी बीच सीनियर लीडर कुणाल घोष ने बताया कि TMC विधायक फिरहाद हकीम ने कोलकाता के मेयर पद से इस्तीफा दे दिया है।

तृणमूल कांग्रेस की टूट पर बोले अधीर रंजन चौधरी - खेल वही है, सिर्फ अंपायर बदल गया है

कोलकाता। एक दौर में कांग्रेस को तोड़कर तृणमूल का गठन करने वाली पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की पार्टी में मची टूट पर पूर्व कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी ने तीखा तंज कसा है। उन्होंने कहा है कि अब वही खेल हो रहा है। इतिहास अपने आप को दोहरा रहा है। उन्होंने कहा कि जिस दल-बदल और राजनीतिक खेल की शुरुआत कभी ममता बनर्जी ने की थी, आज वही खेल उनके खिलाफ खेला जा रहा है। फर्क सिर्फ इतना है कि अब अंपायर और रेफरी बदल गए हैं। बहरमपुर में बुधवार को आयोजित संवाददाता सम्मेलन में अधीर रंजन चौधरी ने तृणमूल में जारी टूट को लेकर कहा कि इतिहास खुद को दोहरा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्ष 2016 में विधानसभा के भीतर कांग्रेस को विपक्ष की भूमिका निभाने से रोकने का प्रयास किया गया था और उस समय ममता बनर्जी स्वयं इस राजनीतिक खेल की निर्णायक थीं। पूर्व सांसद ने कहा कि जिस दल-बदल के खेल की शुरुआत एक दिन आपने की थी और कहा था कि खेला होगा।

डीके शिवकुमार कर्नाटक मुख्यमंत्री बने

• संविधान हाथ में लेकर शपथ, परमेश्वर उपमुख्यमंत्री बने

एजेंसी

बेंगलुरु । डीके शिवकुमार ने बुधवार को बेंगलुरु के लोक भवन में कर्नाटक के 24वें मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। इस दौरान वे हाथ में संविधान रखे हुए थे। उन्हें 30 मई को कांग्रेस विधायक दल का नेता चुना गया था। जी परमेश्वर ने नए डिप्टी चीफ मिनिस्टर पद की शपथ ली। इनके अलावा 12 अन्य विधायकों ने भी मंत्री पद की शपथ ली। इनमें पूर्व सीएम सिद्धारमैया के एमएलसी बेटे यतींद्र सिद्धारमैया भी शामिल हैं। शिवकुमार, सिद्धारमैया की जगह राज्य की कमान संभालेंगे। सिद्धारमैया ने 28 मई को सीएम पद से इस्तीफा दे दिया था। वे 20 मई 2023 से 28 मई 2026 तक मुख्यमंत्री रहे। उधर, बी के हरिप्रसाद कर्नाटक कांग्रेस के नए अध्यक्ष नियुक्त किए गए हैं।

शपथ में राहुल-खड़गे शामिल हुए - नई कैबिनेट में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे प्रियांक भी शामिल हैं।

मंत्रिमंडल का दूसरा विस्तार विधान परिषद और राज्यसभा चुनाव के बाद होने की संभावना है। शपथ ग्रहण समारोह में राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे के अलावा केरल, हिमाचल प्रदेश, तेलंगाना के कांग्रेस मुख्यमंत्री और अन्य कांग्रेस नेता शामिल हुए। शपथ ग्रहण से ठीक एक दिन पहले सिद्धारमैया को कांग्रेस कार्य समिति (CWC) का सदस्य नियुक्त किया गया।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री बनने पर पीएम मोदी ने डीके शिवकुमार को दी बधाई, केंद्र के सहयोग का दिया भरोसा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को डीके शिवकुमार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर बधाई दी और राज्य के विकास के लिए केंद्र सरकार के पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, 'डी.के. शिवकुमार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर हार्दिक बधाई। उनके कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं।' उन्होंने आगे कहा कि केंद्र सरकार कर्नाटक की जनता के कल्याण और राज्य के विकास के लिए राज्य सरकार के साथ मिलकर काम करेगी। वहीं, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी एक्स पर पोस्ट कर शिवकुमार को बधाई दी। उन्होंने लिखा, 'डी.के. शिवकुमार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर हार्दिक बधाई। कर्नाटक के लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए उन्हें मेरी शुभकामनाएं। ' इससे पहले बुधवार को डी.के. शिवकुमार ने बेंगलुरु स्थित लोक भवन परिसर के ग्लास हाउस में आयोजित समारोह में कर्नाटक के 25वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण की। राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने शाम 4:10 बजे उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। समर्थकों के नारों के बीच शिवकुमार मंच तक पहुंचे और आध्यात्मिक संत श्री वीर गंगाधर स्वामीजी, जिन्हें अज्जय्या या नोनाविनाकेरे अज्जा के नाम से भी जाना जाता है, के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।

सोनिया गांधी की डीके शिवकुमार को सलाह, सबको साथ लेकर चलो

एजेंसी

बेंगलुरु। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी ने बुधवार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद के लिए नामित डीके शिवकुमार से फोन पर बात की और उन्हें शुभकामनाएं देते हुए सभी को साथ लेकर चलने की सलाह भी दी। शिवकुमार के कार्यालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, सोनिया गांधी ने उन्हें शीर्ष पद ग्रहण करने पर बधाई दी और कर्नाटक का सफलतापूर्वक नेतृत्व करने की उनकी क्षमता पर विश्वास व्यक्त किया। उन्होंने शिवकुमार को सलाह दी है कि वे सभी को साथ लेकर चलें और पार्टी तथा सरकार को मजबूत करने की दिशा में काम करें। सोनिया गांधी ने भावी मुख्यमंत्री से कहा, 'सभी को साथ लेकर चलें। मुझे पूरा विश्वास है कि आप कर्नाटक का सफलतापूर्वक नेतृत्व करेंगे। अपनी नई जिम्मेदारियों को प्रभावी ढंग से निभाएं और और भी अधिक सफलता प्राप्त करते रहें, '

शिवकुमार ने पदभार ग्रहण करने की तैयारी के दौरान मार्गदर्शन और शुभकामनाओं के लिए पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष को धन्यवाद दिया।

यह फोन कॉल शिवकुमार के बेंगलुरु में अपने मंत्रिपरिषद के सदस्यों के साथ कर्नाटक के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने से कुछ घंटे पहले आया।

मीडिया से बात करते हुए शिवकुमार ने कहा, 'सोनिया गांधी ने आज सुबह मुझे फोन किया और अपनी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने लंबे समय से मुझ पर भरोसा जताया है। मैं उनके इस नेक काम को आगे बढ़ाने का प्रयास करूंगा। ' उन्होंने आगे कहा, 'मैं कर्नाटक की राजनीति के वरिष्ठ नेताओं से मार्गदर्शन लेना जारी रखूंगा, जिन्होंने राज्य के लोगों के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया है। ' डीके शिवकुमार ने लोक भवन में शपथ ग्रहण समारोह के लिए रवाना होने से पहले अपनी माता गौराम्मा का आशीर्वाद लिया। उन्होंने उनके पैर छुए और उनके साथ कुछ समय हल्के-फुल्के संवाद में बिताया।

पश्चिम बंगाल: कैबिनेट के विभागों का बंटवारा टला

5 जून को हो सकता है ऐलान

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली नई सरकार के विस्तारित मंत्रिमंडल में विभागों के बंटवारे की घोषणा फिलहाल टाल दी गई है। पहले यह फैसला बुधवार को होने की संभावना थी, लेकिन अब इसके 5 जून को घोषित किए जाने की उम्मीद है। मामले से जुड़े सूत्रों के अनुसार, मंत्रियों के बीच विभागों के आवंटन को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया बुधवार को आयोजित कैबिनेट की महत्वपूर्ण बैठक में पूरी नहीं हो सकी। यह नई सरकार की तीसरी कैबिनेट बैठक थी। कुछ तकनीकी कारणों से विभागों के बंटवारे पर अंतिम निर्णय नहीं हो पाया, जिसके बाद इसे दो दिन के लिए टाल दिया गया। गौरतलब है कि 1 जून को कोलकाता स्थित लोक भवन में आयोजित एक भव्य समारोह में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 35 विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली थी। इनमें 13 कैबिनेट मंत्री, तीन स्वतंत्र प्रभार वाले राज्य मंत्री और 19 राज्य मंत्री शामिल थे। इन 35 मंत्रियों के शपथ लेने के बाद पश्चिम बंगाल मंत्रिपरिषद की कुल संख्या 41 हो गई है। इससे पहले 9 मई को मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी सहित छह मंत्रियों ने शपथ ली थी। 13 नए कैबिनेट मंत्रियों के शामिल होने के बाद मुख्यमंत्री समेत कैबिनेट रैंक के मंत्रियों की संख्या बढ़कर 19 हो गई है। संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार, 294 सदस्यीय पश्चिम बंगाल विधानसभा में मंत्रिपरिषद की अधिकतम संख्या 44 हो सकती है। ऐसे में अभी तीन और मंत्रियों को शामिल किए जाने की गुंजाइश बनी हुई है। अब सबकी नजर इस बात पर है कि वित्त और उद्योग एवं वाणिज्य जैसे महत्वपूर्ण विभाग किसे सौंपे जाएंगे। मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने 9 मई को शपथ ग्रहण के तुरंत बाद स्पष्ट किया था ।

टीवीके ने तमिलनाडु की राज्यसभा सीट कांग्रेस को सौंपी

टीवीके ने तमिलनाडु की राज्यसभा सीट कांग्रेस को सौंपी

एजेंसी

चेन्नई। तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) के अध्यक्ष और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय ने बुधवार को घोषणा की कि 18 सितंबर को होने वाले राज्यसभा चुनाव के लिए तमिलनाडु की एकमात्र सीट गठबंधन सहयोगी कांग्रेस को आवंटित की गई है। टीवीके मुख्यालय से जारी एक संक्षिप्त बयान में विजय ने कहा कि तमिलनाडु में टीवीके के नेतृत्व वाले गठबंधन के तहत यह सीट कांग्रेस को दी गई है। राजनीतिक हलकों में इस फैसले को विपक्षी गठबंधन के भीतर तालमेल और एकजुटता मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। यह घोषणा ऐसे समय में हुई है जब एक दिन पहले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री पी. चिदंबरम ने चेन्नई में विजय से मुलाकात की थी। दोनों नेताओं के बीच हुई इस बैठक के बाद राज्यसभा सीटों के बंटवारे और दोनों दलों के बीच भविष्य की रणनीति को लेकर अटकलें तेज हो गई थीं। हालांकि, बैठक में हुई चर्चा के बारे में किसी भी पक्ष ने आधिकारिक जानकारी नहीं दी, लेकिन राजनीतिक

विश्लेषकों को राज्यसभा चुनाव को लेकर किसी बड़े फैसले की उम्मीद थी। गठबंधन सूत्रों के अनुसार, चिदंबरम और विजय के बीच हुई बातचीत में सहयोगी दलों के बीच समन्वय तथा राज्यसभा चुनाव के लिए सर्वसम्मति से उम्मीदवार तय करने जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई थी। माना जा रहा है कि कांग्रेस को सीट आवंटित करने का फैसला उसी बातचीत का परिणाम है।

योगासन, प्राणायाम के जरिए स्वास्थ्य व पर्यावरण जागरूकता का दिया संदेश

लेह। विश्व पर्यावरण दिवस 2026 के पूर्व आयोजित कार्यक्रमों की शृंखला के तहत नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सोवा रिग्पा (एनआईएसआर) साबू थांग (लद्दाख) में बुधवार को मिशन लाइफ के अंतर्गत कॉमन योग प्रोटोकॉल सत्र का आयोजन किया गया। विश्व पर्यावरण दिवस से पहले आयोजित की जा रही विभिन्न गतिविधियों का उद्देश्य लोगों में सतत जीवनशैली और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। इस कार्यक्रम का विषय 'योग अभ्यास को सजग और कम-उपभोग वाली जीवनशैली से जोड़ना' था।

अभिषेक का पार्टी से कोई संबंध नहीं, ममता बनर्जी सलाहकार के रूप में मार्गदर्शन दें : ऋतब्रत बनर्जी

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजनीति में तृणमूल कांग्रेस के भीतर जारी संघर्ष के बीच नवमान्यता प्राप्त विपक्ष के नेता ऋतब्रत बंद्योपाध्याय ने पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव व लोकसभा सांसद अभिषेक बनर्जी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि अभिषेक बनर्जी का उनकी पार्टी से कोई संबंध नहीं है, जबकि ममता बनर्जी को वह एक वरिष्ठ नेता के रूप में पार्टी की मुख्य सलाहकार की भूमिका में देखना चाहते हैं। विधानसभा में विपक्ष के नेता के रूप में मान्यता मिलने के बाद पत्रकारों से बातचीत में ऋतब्रत ने कहा कि अभिषेक बनर्जी की कोई भूमिका नहीं रहेगी। उनके साथ हमारी पार्टी का कोई संबंध नहीं है। जनता के साथ भी उनका कोई जुड़ाव नहीं है। यदि ऐसा होता तो चुनावी हार के बाद वह 26 दिनों तक सार्वजनिक रूप से गायब नहीं रहते, बल्कि लोगों के बीच आते। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव के बाद हुई घटनाओं के दौरान अभिषेक बनर्जी जनता के समर्थन का दावा करते रहे, लेकिन बाद में अपनी सुरक्षा बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार को पत्र लिखना पड़ा।

बंगाल स्कूल भर्ती घोटाला

अभिषेक बनर्जी को ईडी का नोटिस

• 15 जून को पूछताछ के लिए बुलाया

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के बहुचर्चित स्कूल भर्ती घोटाले की जांच कर रहे ईडी ने बुधवार को अभिषेक बनर्जी को पूछताछ के लिए समन जारी किया। तृणमूल कांग्रेस के महासचिव और लोकसभा सांसद अभिषेक बनर्जी को 15 जून को कोलकाता के साल्ट लेक स्थित सीजीओ कॉम्प्लेक्स में ईडी कार्यालय में उपस्थित होने के लिए कहा गया है। सूत्रों के मुताबिक, बुधवार को ईडी के दो अधिकारी दक्षिण कोलकाता के हरिश मुखर्जी रोड स्थित अभिषेक बनर्जी के आवास 'शांतिनिकेतन' पहुंचे थे, ताकि उन्हें व्यक्तिगत रूप से समन सौंपा जा सके। हालांकि, वहां मौजूद सुरक्षा कर्मियों ने अधिकारियों को बताया कि अभिषेक काफी समय से उस आवास में नहीं रह रहे हैं। इसके बाद ईडी अधिकारी कालीघाट रोड स्थित उनके दूसरे आवास पहुंचे, जो उनकी बुआ और पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के घर के निकट स्थित है, लेकिन अभिषेक वहां भी मौजूद नहीं थे, जिसके कारण ईडी अधिकारी उन्हें व्यक्तिगत रूप से समन नहीं दे सके। गौरतलब है कि स्कूल भर्ती मामले में समानांतर जांच कर रही सीबीआई की चार्जशीट में भी अभिषेक बनर्जी का नाम शामिल था, हालांकि उन्हें आरोपी नहीं बनाया गया था। इसी तरह ईडी की चार्जशीट में भी उनका उल्लेख किया गया है। ईडी सूत्रों के अनुसार, मामले में

उनकी कथित भूमिका को लेकर जांच को तार्किक निष्कर्ष तक पहुंचाने के लिए उन्हें दोबारा पूछताछ के लिए बुलाया गया है। 15 जून को उनका बयान दर्ज किया जाएगा। इस बीच, अभिषेक बनर्जी को पश्चिम बंगाल पुलिस की सीआईडी ने भी 8 जून को पूछताछ के लिए तलब किया है। यह मामला पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के लिए आरक्षित महत्वपूर्ण पदों से संबंधित एक प्रस्ताव पर तृणमूल विधायकों के हस्ताक्षरों में कथित विसंगतियों से जुड़ा है।

अहमदाबाद में अवैध बांग्लादेशी नागरिकों के खिलाफ बड़ा अभियान, 290 संदिग्ध हिरासत में

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात में अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत अहमदाबाद पुलिस और क्राइम ब्रांच ने बड़े पैमाने पर संयुक्त कार्रवाई की। चंदोला, गुलाबनगर, खोडियारनगर सहित शहर के कई इलाकों में देर रात चलाए गए विशेष तलाशी अभियान के दौरान बड़ी संख्या में संदिग्ध लोगों को हिरासत में लिया गया। क्राइम ब्रांच के संयुक्त पुलिस आयुक्त शरद सिंघल के अनुसार अभियान के दौरान कुल 290 संदिग्ध व्यक्तियों को हिरासत में लिया है। इसमें से 131 लोगों को विभिन्न स्थानों से गिरफ्तार किया, जबकि करीब 160 अन्य संदिग्धों से पूछताछ जारी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सभी व्यक्तियों के दस्तावेजों, पहचान और नागरिकता संबंधी रिकॉर्ड की गहन जांच हो रही है। जांच पूरी होने के बाद कानूनी प्रावधानों के तहत आगे की कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई पर प्रतिक्रिया देकर गुजरात के उपमुख्यमंत्री और गृह मंत्री हर्ष संघवी ने कहा कि राज्य सरकार अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों के खिलाफ सख्त रुख अपना रही है। उन्होंने बताया कि अहमदाबाद के अलावा सूरत, राजकोट और वडोदरा सहित राज्य के कई शहरों में भी विशेष अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस, क्राइम ब्रांच, स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) और अन्य सुरक्षा एजेंसियां मिलकर संदिग्ध इलाकों में लगातार निगरानी और तलाशी अभियान चला रही हैं। संघवी ने कहा कि रात्रिकालीन अभियान के दौरान बड़ी संख्या में इसतरह के लोगों की पहचान की गई, जिनके दस्तावेजों की जांच आवश्यक है। राज्य सरकार का उद्देश्य अवैध घुसपैठ और गैरकानूनी रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों की पहचान कर कानून के अनुसार कार्रवाई सुनिश्चित करना है। अधिकारियों के मुताबिक यह अभियान केवल एक दिन की कार्रवाई तक सीमित नहीं रहेगा। आने वाले दिनों में भी विभिन्न शहरों और संवेदनशील इलाकों में सत्यापन और जांच अभियान जारी रहेगा।

आजमगढ़ में पाक समर्थित संदिग्ध की गिरफ्तारी : राजभर का सपा पर सीधा हमला

आजमगढ़ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जिले से आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) द्वारा संदिग्ध पाक समर्थित आतंकी की गिरफ्तारी के बाद राज्य सियासी उबाल आ गया है। इस मामले पर सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के अध्यक्ष और पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने समाजवादी पार्टी (सपा) पर तीखा हमला बोलकर एटीएस की कार्रवाई की सराहना की है। यूपी एटीएस ने आजमगढ़ के खुदाददपुर गांव से मोहम्मद शेख नामक संदिग्ध को गिरफ्तार किया। शेख पर पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी और खुफिया एजेंसी आईएसआई (आईएसआई) से जुड़े आतंकी नेटवर्क के लिए काम करने का गंभीर आरोप है। एटीएस के मुताबिक, पाकिस्तान में बैठे आका सोशल मीडिया और मैसेजिंग एप के द्वारा मोहम्मद शेख को कट्टरपंथी बना रहे थे। वह आतंकी नेटवर्क के गुर्गों के संपर्क में था और लोकल युवाओं का ब्रेनवाश कर रहा था। जांच एजेंसी ने खुलासा किया कि शेख को दूसरे राज्य की एक महिला नेता को धमकी देने का एक टेस्ट मिशन भी सौंपा गया था। एटीएस ने संदिग्ध के पास से एक 9 एमएम पिस्टल, चार कारतूस और मोबाइल फोन बरामद किया है। शेख के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), शस्त्र अधिनियम और गैरकानूनी गतिविधि निवारण अधिनियम (यूएपीए) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। इस आंतकी की गिरफ्तारी को सपा से जोड़ते हुए राजभर ने आरोप लगाया, ''दुर्भाग्यपूर्ण है कि आतंकियों को उस क्षेत्र से पकड़ा जा रहा है, जो कि सपा का गढ़ कहा जाता है। इसका मतलब है कि सपा नेता आजमगढ़ में आतंकियों को संरक्षण देते हैं। हालांकि, मंत्री ने अपने दावे के समर्थन में कोई सबूत पेश नहीं किया। गौरतलब है कि आजमगढ़ पूर्वी उत्तर प्रदेश में सपा का एक प्रमुख गढ़ माना जाता है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव के चचेरे भाई धर्मेंद्र यादव वर्तमान में यहां से सांसद हैं और पिछले विधानसभा चुनाव में पार्टी ने जिले की सभी 10 सीटें जीती थीं। लखनऊ के वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि मामले की विस्तृत जांच की जा रही है और इसतरह के अंतरराष्ट्रीय मामलों में संवेदनशील दृष्टिकोण आवश्यक है। उनका कहना है कि गहन जांच के बाद ही किसी निष्कर्ष पर पहुंचा जा सकता है, क्योंकि कानूनी कार्रवाई जारी है।

सोनम वांगचुक कॉकरोच जनता पार्टी के समर्थन में

नई दिल्ली (एजेंसी)। जाने-माने सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) की मांगों और विचारधारा का समर्थन कर दिया है। उन्होंने घोषणा की है कि यदि 5 जून तक केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा नहीं दिया, तब वे 6 जून को जंतर-मंतर पर सीजेपी के प्रस्तावित प्रदर्शन में शामिल होऊंगा। वांगचुक ने वीडियो संदेश जारी कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उन्होंने सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दिपके से बात की है और बातचीत के बाद उन्हें लगा कि दिपके की मंशा गलत नहीं है, बल्कि वे एक देशप्रेमी हैं और व्यवस्था में बदलाव चाहते हैं। दिपके, जो इस समय अमेरिका में हैं, उन्होंने भी 1 जून को सोशल मीडिया के माध्यम से 6 जून को दिल्ली में केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन करने की घोषणा की थी। दिपके ने बताया है कि वे 6 जून को भारत लौटकर और एयरपोर्ट से सीधे पार्लियामेंट स्ट्रीट पुलिस स्टेशन जाकर प्रदर्शन की इजाजत मांगूगा। उन्होंने लोगों से एयरपोर्ट पर उनसे मिलने और प्रदर्शन में शामिल होने की अपील भी की है।

कश्मीर में आतंकी नेटवर्क पर बड़ा प्रहार, छह जिलों में एक साथ छापेमारी

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी नेटवर्क और उनके स्लीपर सेल के खिलाफ सुरक्षा एजेंसियों ने अभियान तेज कर दिया है। बुधवार को जम्मू-कश्मीर पुलिस की आतंकवाद-रोधी जांच इकाई काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर (सीआईके) ने घाटी के छह जिलों में एक साथ व्यापक छापेमारी कर संदिग्ध गतिविधियों की जांच को नई गति दी। यह कार्रवाई पाकिस्तान समर्थित आतंकवादी संगठनों और उनके स्थानीय नेटवर्क से जुड़े एक दशक पुराने मामले के सिलसिले में की गई। अधिकारियों के अनुसार हाल ही में प्राप्त खुफिया सूचनाओं, तकनीकी विश्लेषण और चल रही जांच के आधार पर आठ संदिग्ध ठिकानों की पहचान की गई थी। इन्हीं सूचनाओं के आधार पर बुधवार तड़के श्रीनगर और बांदीपोरा में दो-दो स्थानों तथा कुपवाड़ा, अनंतनाग, कुलगाम और बारामूला में एक-एक स्थान पर एक साथ छापेमारी की गई। सुरक्षा एजेंसियों के मुताबिक यह मामला वर्ष 2015 में दर्ज किया गया था और इसका संबंध पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादी संगठनों, उनके स्लीपर सेल नेटवर्क तथा जम्मू-कश्मीर में युवाओं की भर्ती, कट्टरपंथी विचारधारा के प्रसार और आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ावा देने से है। जांच में यह भी सामने आया है कि कुछ संदिग्ध गोपनीय संचार माध्यमों के जरिए पाकिस्तान में बैठे आतंकी संचालकों के संपर्क में थे।

केंद्रीय मंत्री शाह आज से त्रिपुरा दौरे पर, अवैध घुसपैठ पर होगा कड़ा प्रहार

बीएसएफ सहित अन्य एजेंसियों के साथ बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-बांग्लादेश सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के प्रयासों के बीच केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह 4 और 5 जून को त्रिपुरा के दौरे पर जा रहे है। प्रस्तावित कार्यक्रम के तहत वह सीमा सुरक्षा से जुड़े मुद्दों की समीक्षा करने और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) सहित अन्य एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर जमीनी हालात का आकलन करने वाले है। बताया जा रहा हैं कि दौरे के दौरान सीमा प्रबंधन, अवैध घुसपैठ, तस्करी और अन्य सीमा पार गतिविधियों को रोकने के उपायों पर विशेष चर्चा होगी।

इस बीच पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के कुलतली क्षेत्र में पुलिस ने 18 संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया है। इसमें छह बच्चे भी शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, गुप्त सूचना के आधार पर की गई कार्रवाई में इन लोगों को पकड़ा है। प्रारंभिक पूछताछ में उनके बांग्लादेशी नागरिक होने की जानकारी सामने आई है। अधिकारियों का कहना है कि सभी के दस्तावेजों और पहचान की विस्तृत जांच की जा रही है। कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बंगाल प्रशासन ने हाल के दिनों में अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों की पहचान और सत्यापन की प्रक्रिया तेज की है। इसके तहत विभिन्न जिलों में होल्डिंग सेंटर बनाए गए हैं, जहां आवश्यक कानूनी औपचारिकताओं के दौरान संबंधित लोगों को रखा जा सकता है। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार सीमावर्ती इलाकों में निगरानी बढ़ाने और स्थानीय स्तर पर सूचना तंत्र को मजबूत करने के निर्देश दिए गए हैं।

बात दें कि त्रिपुरा भारत के उन राज्यों में शामिल है जिसकी लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा बांग्लादेश से लगती है। राज्य की करीब 856 किलोमीटर सीमा सुरक्षा एजेंसियों के लिए हमेशा से महत्वपूर्ण रही है। हालांकि अधिकांश हिस्सों में सीमा पर बाड़ लगाई जा चुकी है, लेकिन कुछ क्षेत्रों की भौगोलिक परिस्थितियों के कारण सुरक्षा चुनौतियां बनी रहती हैं। इसी वजह से केंद्र सरकार सीमा निगरानी को और प्रभावी बनाने पर जोर दे रही है।

केंद्र सरकार ने सीमा सुरक्षा के लिए आधुनिक तकनीकों के उपयोग को भी प्राथमिकता दी है। ड्रोन, रडार, हाई-रिजॉल्यूशन कैमरे और अन्य इलेक्ट्रॉनिक निगरानी उपकरणों के माध्यम से सीमावर्ती क्षेत्रों की निगरानी क्षमता बढ़ाई जा रही है। सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि तकनीक आधारित निगरानी से अवैध घुसपैठ, तस्करी और अन्य गैरकानूनी गतिविधियों पर अधिक प्रभावी नियंत्रण संभव होगा।

इस बीच 8 से 11 जून के बीच नई दिल्ली में भारत और बांग्लादेश के अधिकारियों के बीच सीमा प्रबंधन से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर उच्च स्तरीय वार्ता प्रस्तावित है। बैठक में सीमा सुरक्षा, अवैध आव्रजन, मानव तस्करी, तस्करी रोकथाम और द्विपक्षीय सहयोग जैसे विषयों पर चर्चा होने की संभावना है। दोनों देशों के बीच सीमा प्रबंधन को और मजबूत बनाने तथा समन्वय बढ़ाने के प्रयासों को बैठक से नई गति मिलने की उम्मीद है।

दोस्तों के साथ ट्रैकिंग पर गई युवती 5 दिन से लापता

सेना व राहत टीमें कर रही तलाश

उत्तरकाशी (एजेंसी)। उत्तरकाशी में ट्रैकिंग के लिए गई नैनीताल की युवती का पांच दिन से कोई पता नहीं चला है। बबीता पांडे की तलाश के लिए सेना, पुलिस और वन विभाग की संयुक्त टीमें लगातार अभियान चला रही हैं। ड्रोन के जरिए दयारा बुग्याल ट्रेक के दुर्गम क्षेत्रों को छाना जा चुका है, लेकिन अब तक कोई सुराग हाथ नहीं मिला है। बबीता के भाई हर्षित पांडे ने बताया कि उसकी बहन दो दोस्तों हरमनपाल और हरमनप्रीत के साथ गढ़वाल घूमने निकली थी। पहले वे हर्षिल गए और फिर दयारा बुग्याल की ट्रैकिंग पर निकले। 29 मई की रात को वे सभी रास्ते में गोई नामक स्थान पर रुके थे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दोनों दोस्तों ने परिजनों को बताया कि अगली सुबह 4 बजे बबीता टेंट में नहीं थी और फोन करने पर उसका मोबाइल स्विच ऑफ आ रहा था। भाई का कहना है कि उसकी बहन उन दोनों के साथ गई थी, इसलिए सुरक्षा की पूरी जिम्मेदारी उन्हीं दोनों दोस्तों की थी। लापता बबिता नैनीताल जिले के रामनगर (चिल्किया) की रहने वाली है। वह अपने परिवार की सबसे बड़ी संतान और दो भाइयों हर्षित और तनुज की इकलौती बहन है। बबिता दिल्ली से एमबीए कर रही हैं और पढ़ाई के साथ-साथ पार्ट-टाइम नौकरी कर रही थी। उनके दोनों भाई रामनगर में पर्यटन व्यवसाय से जुड़े हैं। अभी उनकी मां और बड़ा भाई हर्षित उत्तरकाशी में खोजबीन के लिए गए हैं, जबकि घर पर उनके छोटे भाई तनुज, दादी और दिव्यांग पिता हैं।

योगी के मंत्री राजभर का विपक्ष पर निशाना.....इंडिया गठबंधन में नहीं है कोई दम

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने विपक्षी इंडिया गठबंधन पर तीखा हमला बोलकर कमजोर और प्रभावहीन बताया है। विपक्षी दलों की प्रस्तावित बैठक से पहले उन्होंने कहा कि गठबंधन में शामिल दल अपने-अपने राज्यों तक ही सीमित प्रभाव रखते हैं और राष्ट्रीय स्तर पर कोई मजबूत राजनीतिक ताकत खड़ी करने में सफल नहीं हुए हैं। योगी के मंत्री राजभर ने कहा कि इंडिया गठबंधन में शामिल नेताओं के पास अपने राज्यों में भले ही राजनीतिक आधार हो, लेकिन दूसरे राज्यों में उनका प्रभाव बेहद कम है। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी का प्रभाव पश्चिम बंगाल तक सीमित है, जबकि कांग्रेस भी कई राज्यों में अपना जनाधार खो चुकी है। इसके बाद में अलग-अलग राज्यों के क्षेत्रीय दलों के एक मंच पर आने मात्र से कोई मजबूत राजनीतिक विकल्प तैयार नहीं हो जाता। उनके अनुसार यही कारण है कि इंडिया गठबंधन अपेक्षित प्रभाव पैदा करने में असफल रहा है। राजभर की यह टिप्पणी तब आई है, जब सूत्रों के मुताबिक इंडिया ब्लॉक के नेता 8 जून को नई दिल्ली में गठबंधन की बैठक आयोजित करने की तैयारी कर रहे हैं। इस बैठक में विभिन्न विपक्षी दलों के वरिष्ठ नेताओं के शामिल होने की संभावना है।

बताया जा रहा है कि तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी और पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी भी बैठक में हिस्सा ले सकते हैं। इस बीच पश्चिम बंगाल की राजनीति भी लगातार चर्चा में बनी हुई है। हाल ही में तृणमूल कांग्रेस ने अपने नेताओं पर कथित हमलों के विरोध में कोलकाता में प्रदर्शन किया था। पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी ने विरोध कार्यक्रम का नेतृत्व किया। प्रदर्शन से पहले उन्होंने डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की और वरिष्ठ नेताओं के साथ मार्च में शामिल हुईं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि आगामी बैठकों और राज्यों में बदलते राजनीतिक समीकरणों के बीच विपक्षी एकता और गठबंधन की मजबूती आने वाले समय में राष्ट्रीय राजनीति का महत्वपूर्ण विषय बनी रहेगी।

ममता के विरोध प्रदर्शन पर दिलीप घोष का हमला, जनता और कार्यकर्ता साथ नहीं

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की राजनीति में फिर आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हुआ है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा पार्टी सांसदों पर कथित हमलों के विरोध में आयोजित प्रदर्शन को लेकर सुवेंदु सरकार के मंत्री दिलीप घोष ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने दावा किया कि इस प्रदर्शन को न आम जनता का समर्थन मिला और न ही पार्टी कार्यकर्ताओं ने इसमें अपेक्षित रुचि दिखाई। बीजेपी नेता घोष ने कहा कि जनता अपना जनादेश दे चुकी है और अब वह राजनीतिक प्रदर्शनों के बजाय विकास और प्रशासनिक कार्यों पर ध्यान चाहती है। उन्होंने आरोप लगाया कि लोगों में सरकार के प्रति असंतोष बढ़ रहा है, जिसका असर हालिया प्रदर्शन में भी देखने को मिला। उनके अनुसार प्रदर्शन में अपेक्षित भीड़ नहीं जुटी, जिससे यह स्पष्ट होता है कि जनता इस तरह की राजनीतिक गतिविधियों से दूरी बना रही है।

दूसरी ओर, ममता बनर्जी ने कोलकाता के रानी रश्मोनी एवेन्यू में विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया। प्रदर्शन से पहले उन्होंने डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस दौरान टीएमसी के कई वरिष्ठ नेता, जिनमें सांसद कल्याण बनर्जी और डोला सेन शामिल थे, उनके साथ मौजूद रहे। प्रदर्शन के दौरान नेताओं को संविधान की प्रति हाथ में लिए हुए भी देखा गया। यह विरोध प्रदर्शन टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी और कल्याण बनर्जी द्वारा लगाए गए हमले के आरोपों के बाद आयोजित किया गया। अभिषेक बनर्जी ने दावा किया था कि दक्षिण 24 परगना के दौरे के दौरान उन पर ईंट, पत्थर और अंडों से हमला किया गया, जिससे उन्हें चोट लगी। वहीं कल्याण बनर्जी ने आरोप लगाया कि चंदिताला थाना क्षेत्र के पास ज्ञापन सौंपने के दौरान उन पर जानलेवा हमला करने की कोशिश की गई और वह बाल-बाल बच गए। इन आरोपों के बाद राज्य में राजनीतिक माहौल और गर्म हो गया है। टीएमसी ने विपक्षी दलों पर अपने नेताओं को निशाना बनाने और डराने-धमकाने का आरोप

लगाया है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इन घटनाओं के बाद राज्य में सियासी टकराव और तेज हो सकता है, क्योंकि दोनों पक्ष एक-दूसरे पर लगातार आरोप लगा रहे हैं और आगामी राजनीतिक रणनीतियों को लेकर सक्रिय दिखाई दे रहे हैं।

खालिस्तानी संगठन ने दी अंबाला कोर्ट, नगर निगम, रेलवे स्टेशन उड़ाने की डेडलाइन

अंबाला (एजेंसी)। पिछले कुछ महीनों से अंबाला में भी सरकारी संस्थानों और स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकियां मिल रही हैं। अब खालिस्तान नेशनल आर्मी नाम के संगठन की तरफ से एक धमकी भरा ईमेल आया है, जिसमें अंबाला शहर नगर निगम, अंबाला कोर्ट और अंबाला कैंट रेलवे स्टेशन को बम से उड़ाने की बात कही है। इस मेल के बाद से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया।

बता दें जिले में एक बार फिर दहशत है। इस बार आतंकियों की तरफ से 6 जून को इन सरकारी और सार्वजनिक जगहों पर बम से उड़ाने की डेडलाइन दी गई है। धमकी मिलने के बाद से ही पुलिस पूरी तरह से मुस्तैद है। सुरक्षा व्यवस्था को कड़ा कर दिया गया है, लेकिन सवाल ये है कि आखिर ये मेल कहां से आ रहे हैं? इन्हें कौन भेज रहा है और इसके पीछे किसकी गहरी साजिश है?

अंबाला पुलिस अब तक इन ईमेल्स के पीछे के मास्टरमाइंड का पर्दाफाश करने में नाकाम रही है। हर बार की तरह इस बार भी पुलिस के पास सिर्फ एक ही जवाब है कि जांच चल रही है और आरोपी जल्द पकड़ लिए जाएंगे। पुलिस का कहना है कि कोर्ट परिसर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम हैं और नगर निगम में भी अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। वहीं रेलवे स्टेशन की सुरक्षा की जिम्मेदारी जीआरपी को सौंपी गई है। राज्य और केंद्रीय खुफिया एजेंसियों से लगातार संपर्क साधा जा रहा है, ?लेकिन लोगों के मन में सवाल है कि जब तक धमकी देने वाले सलाखों के पीछे नहीं पहुंच जाते, तब तक यह सुरक्षा के खोखले दावे कितने सुरक्षित हैं? 6 जून की तारीख नजदीक है, ऐसे में पुलिस की टेक्निकल टीम के लिए यह समय के खिलाफ एक बड़ी रेस है।

कोयला घोटाला मामला: कोर्ट ने नवीन जिंदल, पीसी पारेख के खिलाफ किया समन जारी

-अब कोर्ट में मामले की अगली सुनवाई 17 जुलाई को करेगी

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली की एक विशेष कोर्ट ने सोमवार को उद्योगपति नवीन जिंदल, पूर्व कोयला सचिव पी सी पारेख और अन्य आरोपियों के खिलाफ दायर आरोप-पत्र पर संज्ञान लेते हुए उन्हें समन जारी किया है। कोर्ट ने आपराधिक साजिश और धोखाधड़ी से जुड़ी धाराओं और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत आरोपों पर सुनवाई शुरू करने का फैसला किया है। स्पेशल जज सुनेना शर्मा ने नवीन जिंदल, जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड, पी सी पारेख, राकेश कुमार जिंदल, राम किशोर, एस के अग्रवाल और जिंदल स्ट्रिप्स लिमिटेड को 17 जुलाई को कोर्ट में मौजूद रहने का निर्देश दिया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि यह कोयला ब्लॉक आवंटन मामलों से जुड़ी सबसे विस्तृत और भारी-भरकम आरोप-पत्रों में से एक है। मामले की जांच सीबीआई ने की है, जिसने आरोप लगाया है कि कोयला ब्लॉक आवंटन और खनन पट्टे से जुड़े नियमों का उल्लंघन किया गया है। सीबीआई के मुताबिक 1996 में छत्तीसगढ़ के गारे पाल्मा 4/1 कोयला ब्लॉक का आवंटन जिंदल स्ट्रिप्स लिमिटेड को 0.6 मिलियन टन प्रतिवर्ष क्षमता वाले स्पंज आयरन प्लांट के लिए किया गया था। एजेंसी का आरोप है कि ब्लॉक में कोयले का भंडार निर्धारित जरुरत से काफी ज्यादा था, जिसके बावजूद आवंटन किया गया।

जांच एजेंसी ने आरोप लगाया कि खनन पट्टे के लिए केंद्र सरकार की ओर से 705 हेक्टेयर क्षेत्र को मंजूरी दी गई थी, लेकिन पट्टा मंजूरी सीमा से ज्यादा क्षेत्र में निष्पादित किया गया। बाद में 2005 में स्क्रीनिंग समिति ने कथित अनियमितता को नियमित करते हुए स्वीकृत क्षेत्र से अतिरिक्त भूमि शामिल करने का प्रस्ताव भी दिया। मामले के दस्तावेजों के मुताबिक मार्च 2004 में जेएसपीएल ने कोयला ब्लॉक से उत्पादन क्षमता 2 मिलियन टन प्रतिवर्ष से बढ़ाकर 6 मिलियन टन प्रतिवर्ष करने की अनुमति मांगी थी। इस दौरान कोयला मंत्रालय ने पट्टे की सीमाओं और अतिरिक्त उत्पादन से जुड़ी विसंगतियां पाई थीं और कंपनी से इस संबंध में स्पष्टीकरण मांगा था। अब कोर्ट में मामले की अगली सुनवाई 17 जुलाई को होगी।

दिल्ली-एनसीआर सहित कई राज्यों में आंधी-ओलावृष्टि की चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के कई हिस्सों में मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां लगातार अनुकूल बनी हुई हैं। हालांकि, इस बीच उत्तर, मध्य और पूर्वी भारत के राज्यों में अगले कुछ दिनों तक मौसम में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। मौसम विज्ञान विभाग ने दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर समेत कई राज्यों के लिए आंधी-तूफान, तेज हवाओं और ओलावृष्टि की गंभीर चेतावनी जारी की है। इसके विपरीत, बिहार के लोगों को आने वाले दिनों में भीषण गर्मी और लू का प्रकोप झेलना पड़ सकता है।

मौसम विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक, दिल्ली, एनसीआर और हरियाणा में मौसम काफी खराब रहने की आशंका है। यहां 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से भीषण आंधी-तूफान आने की संभावना है, जिसकी स्पीड बढ़कर 70 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। इसके साथ ही हल्की से मध्यम बारिश और बिजली कड़कने के आसार हैं। उत्तर प्रदेश में भी गरज-चमक और 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली तेज हवाओं के साथ बारिश होने का अनुमान है। पहाड़ी राज्यों की बात करें तो जम्मू-कश्मीर में मौसम का रौद्र रूप देखने को मिल सकता है। यहां 50-60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार वाली आंधी के साथ ओलावृष्टि की चेतावनी जारी की गई है और अगले कुछ दिनों तक बारिश का दौर जारी रहेगा। हिमाचल प्रदेश में भी गरज-चमक और तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई गई है। इसके उलट बिहार के विभिन्न इलाकों में लू चलने की गंभीर चेतावनी जारी की गई है। हालांकि, कुछ दिनों बाद यहां बारिश से राहत मिलने की उम्मीद है। वहीं झारखंड और ओडिशा में गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना है, लेकिन इस दौरान मौसम काफी गर्म और उमस भरा रहेगा।

मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भी अगले पांच दिनों तक आंधी-बारिश का दौर जारी रहने वाला है। मध्य प्रदेश में ओलावृष्टि के साथ ही 50-60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज आंधी चलने का अनुमान है। छत्तीसगढ़ में भी आंधी-तूफान और गरज-चमक के साथ हल्की बौछारें पड़ने की चेतावनी दी गई है। उधर, पश्चिम बंगाल और सिक्किम में भारी बारिश होने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग के अनुसार, दिल्ली, यूपी, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों में पहले अधिकतम तापमान में बढ़ोतरी होगी, जिसके बाद आंधी और बारिश के कारण तापमान में गिरावट दर्ज की जाएगी और लोगों को गर्मी से राहत मिलेगी। हालांकि, इसके बाद पारा एक बार फिर चढ़ने की उम्मीद है।

भारत ने कहा- सीमा विवाद सुलझाने में किसी तीसरे की जरुरत नहीं

-नेपाली पीएम के सीमा विवाद वाले बयान पर भारत का सख्त रुख

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह के एक विवादास्पद बयान ने भारत-नेपाल सीमा विवाद को एक बार फिर गरमा दिया है। नेपाल के नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री ने संसद में दावा किया कि केवल भारत ने ही नहीं, बल्कि नेपाल ने भी भारतीय जमीन पर अतिक्रमण किया है। इसके साथ ही उन्होंने इस ऐतिहासिक विवाद को सुलझाने के लिए भारत और नेपाल के अलावा चीन और ब्रिटेन जैसे तीसरे पक्षों की मध्यस्थता का सुझाव भी दे डाला। भारत के विदेश मंत्रालय ने इस पर तुरंत और कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए किसी भी बाहरी हस्तक्षेप को सिरे से खारिज कर दिया है।

भारतीय विदेश मंत्रालय ने साफ किया कि भारत और नेपाल के बीच की सीमा एक संवेदनशील और पूरी तरह से द्विपक्षीय मुद्दा है। इसमें चीन या ब्रिटेन जैसे किसी तीसरे देश की कोई भूमिका नहीं हो सकती और सभी अनसुलझे मामलों को केवल आपसी कूटनीतिक बातचीत से ही सुलझाया जाएगा। भारत के अनुसार, दोनों देशों के बीच लगभग 98 प्रतिशत सीमा का सीमांकन पहले ही सफलतापूर्वक पूरा हो चुका है। शेष बचे हिस्सों और नो-मैन्स लैंड पर अतिक्रमण की समस्याओं को हल करने के लिए दोनों देशों के पास पहले से ही मजबूत द्विपक्षीय तंत्र मौजूद हैं।

इस पूरे विवाद की असल जड़ कोई राजनीतिक या सैन्य कब्जा नहीं, बल्कि गंडक नदी का भौगोलिक व्यवहार है, जिसे नेपाल में नारायणी नदी कहा जाता है। यह नदी बिहार के पश्चिम चंपारण और नेपाल के सुस्ता क्षेत्र के बीच प्राकृतिक सीमा तय करती है। समय के साथ गंडक नदी अपना बहाव और रास्ता बदलती रहती है, जिससे जमीनी सीमाएं प्रभावित होती हैं। नदी के इस रुख के कारण स्थानीय नागरिकों में जमीन को लेकर भ्रम पैदा होता है और कई बार एक देश के लोग अनजाने में दूसरे देश की सीमा में खेती करने लगते हैं।

प्रधानमंत्री बालेन शाह के इस बयान पर खुद नेपाल के भीतर विपक्षी दलों और पूर्व राजनयिकों ने भारी आपत्ति जताई, जिसके बाद नेपाली विदेश मंत्रालय को सफाई देनी पड़ी। नेपाल ने स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री का इरादा किसी जानबूझकर किए गए सैन्य कब्जे से नहीं था, बल्कि उनका इशारा नदी के रास्ता बदलने के कारण नो-मैन्स लैंड यानी दशगजा क्षेत्र में उपजी तकनीकी और व्यावहारिक विसंगतियों की तरफ था। वर्तमान में नेपाल-भारत सीमा कार्य समूह संयुक्त रूप से इन क्षेत्रों की मैपिंग और जांच कर रहा है। भारत ने दृढ़ता से स्पष्ट किया है कि इस तकनीकी समस्या का स्थाई समाधान किसी अंतरराष्ट्रीय मंच पर नहीं, बल्कि दोनों देशों के संयुक्त कूटनीतिक प्रयासों से ही संभव है।

बिट्टू त्यागी ने खुद को बताया गवाह, हत्या को लेकर किया बड़ा दावा

मेरठ। तुषार त्यागी हत्याकांड में नया मोड़ सामने आया है। मृतक की पत्नी शिखा त्यागी द्वारा नामजद किए गए अरविंद उर्फ बिट्टू त्यागी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में अरविंद ने खुद को घटना का प्रत्यक्षदर्शी बताते हुए कई गंभीर दावे किए हैं। साथ ही उसने अपनी और अपने परिवार की जान को खतरा होने की बात भी कही है। वायरल वीडियो में अरविंद उर्फ बिट्टू त्यागी ने कहा कि तुषार त्यागी उसकी पार्टी में मीडिया प्रभारी के पद पर कार्यरत था। उसने दावा किया कि तुषार की हत्या पारिवारिक और जमीन से जुड़े विवाद के चलते हुई। वीडियो में अरविंद ने कहा कि वह पुलिस और प्रशासन की हर संभव मदद करना चाहता है, लेकिन उसे जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। अरविंद ने वीडियो में दावा किया कि घटना वाले दिन तुषार ने उसे स्वयं फोन कर बुलाया था। उसके अनुसार वह तुषार के साथ वाहन में गया, जहां बाद में तुषार के पिता भी पहुंचे। अरविंद का आरोप है कि बातचीत के दौरान अचानक गोली चलाई गई और उसके बाद उसे भी धमकाया गया। उसने दावा किया कि उसे हथियार के बल पर साथ ले जाया गया और बाद में रास्ते में छोड़ दिया गया। वीडियो में अरविंद ने कहा कि यदि वह घटना के बारे में पुलिस को जानकारी देगा या गवाही देगा तो उसे और उसके बच्चों को नुकसान पहुंचाया जा सकता है। उसने प्रशासन से सुरक्षा की मांग करते हुए कहा कि वह जांच में सहयोग करना चाहता है। वायरल वीडियो सामने आने के बाद मामले को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। हालांकि वीडियो में किए गए दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। मामले की जांच पुलिस कर रही है और जांच पूरी होने के बाद ही तथ्यों की आधिकारिक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। पुलिस अधिकारियों की ओर से अभी तक वायरल वीडियो को लेकर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। मामले में आगे की कार्रवाई और जांच रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है।

ढाई लाख की नकदी समेत लाखों का माल पार

बरेली। बरेली के हाफिजगंज थाना क्षेत्र के गांव बकैनिया में मंगलवार रात चोरों ने दो घरों को निशाना बनाकर नकदी व जेवरात समेत लाखों रुपये का सामान चोरी कर लिया। पीड़ितों ने थाने में तहरीर देकर अज्ञात चोरों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। गांव बकैनिया निवासी शमशाद अली ने बताया कि वह मंगलवार को अपने परिवार के साथ रिश्तेदारी में गए हुए थे। इसी दौरान रात में चोर उनके घर का ताला तोड़कर अंदर घुस गए। चोरों ने कमरे का ताला खोलकर संदूक में रखी करीब ढाई लाख रुपये की नकदी तथा सोने-चांदी के आभूषण चोरी कर लिए। सुबह घर लौटने पर उन्हें घटना की जानकारी हुई। इसी गांव के निवासी शेखावत हुसैन ने बताया कि चोर उनके घर के पीछे की दीवार काटकर अंदर घुसे और अलमारी का ताला तोड़ दिया। चोर अलमारी में रखे 20,500 रुपये की नकदी तथा उनके भांजी के करीब दो तोला सोने के कंगन चोरी कर ले गए। दो चोरी की घटनाओं से गांव में दहशत का माहौल है।

25 साल में लुटेरे से बना शूटिंग कोच, एआई की मदद से चालान ने पहुंचाया जेल

कौमी पत्रिका

आगरा। आगरा में युवती के अपहरण और लूट के मामलों में नामजद आरोपी 25 साल से पुलिस से छिपकर रह रहा था। पुलिस ने एआई से उसकी फोटो बनाकर मिलान कराया। दिल्ली में हुए कार के चालान से उसका फोटो मैच हो गया। छह माह तक रेकी करने के बाद पुलिस आखिरकार 50 हजार के इनामी आरोपी सैमुअल तक पहुंच गई और उसे गिरफ्तार कर लिया। वेस्ट अर्जुन नगर निवासी सैमुअल के दो साथी इसी लूटकांड में न्यायालय से सजा पा चुके हैं। थाना नाई की मंडी में 2001 में युवती के अपहरण के मामले में सैमुअल नामजद था। पुलिस से बचते हुए उसने दो साथियों के साथ हथियारों के बल पर वर्ष 2002 में लोहामंडी क्षेत्र में मलपुरा निवासी चंदन सिंह से 1.75 लाख रुपये लूट लिए थे। इसके बाद वह आगरा से भाग गया। अपनी संपत्ति भी चोरी-छिपे रिश्तेदारों को बेच दी। परिवार के किसी सदस्य से कभी कोई संपर्क नहीं किया। तत्कालीन एसएसपी ने उसके ऊपर 2500 रुपये का इनाम घोषित किया, जो वर्ष 2018 तक बढ़ते-बढ़ते 18 हजार हो गया। पुलिस आयुक्त दीपक कुमार ने वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान शुरू किया। सैमुअल के साथ लूट की वारदात को अंजाम देने वाले दो साथियों को सजा हो गई थी पर सैमुअल पुलिस के हत्थे नहीं चढ़ा। पुलिस आयुक्त ने सैमुअल पर इनाम की राशि बढ़ाकर 50 हजार कर दी। पुलिस के पास आरोपी का 25 वर्ष से ज्यादा पुराने फोटो के अलावा कोई दस्तावेज नहीं था। डीसीपी सिटी सय्यद अली अब्बास ने एआई की मदद से आरोपी का वर्तमान में दिखने जैसा फोटो बनवाया। उस फोटो को यूपी समेत आसपास के राज्यों की पुलिस को ऑनलाइन भेजा। पूरे देश के अपराधियों के फोटो से मिलान कराया गया। इस दरम्यान दिल्ली में हुए एक कार के चालान में लगे फोटो से उसके चेहरे का मिलान हुआ मगर चालान सहदेव यादव के नाम से कटा हुआ था। इस ड्राइविंग लाइसेंस पर 3 चालान हो चुके थे। पुलिस ने जांच शुरू की तो कार पूनम नामक महिला के नाम पंजीकृत मिली। जिस युवती के अपहरण के मामले में वह नाई की मंडी थाने में नामजद था, उसका नाम भी पूनम था। यहां से पुलिस को शक हुआ। वर्तमान थानाध्यक्ष नाई की मंडी रोहित ने पूर्व में 10 वर्ष से वांछित अपराधी पकड़ा था। इसलिए थानाध्यक्ष नाई की मंडी को ऑपरेशन की जिम्मेदारी दी गई। पुलिस ने छह माह तक दिल्ली में जाकर रेकी करने के बाद सोमवार को आरोपी को दिल्ली के नागलोई थाने के प्रेमनगर इलाके से गिरफ्तार कर लिया। डीसीपी सिटी ने बताया कि आरोपी लूट की रकम लेकर कई जिलों में छिपकर रहा। उसने सहदेव यादव, अमित मिश्रा जैसे कई नाम बदले। इस दौरान उसने पिस्टल चलाना सीखा और कोर्स कर शूटिंग कोच बन गया। जिस युवती के अपहरण में वह नामजद हुआ था, उससे शादी कर ली थी। युवती ताइक्कांडो कोच है। पुलिस ने बताया कि आरोपी घटना करने के 25 साल बाद भी बेहद सजगता बरतता था। 150 फोटो से उसके चेहरे को मैच किया गया था। सैमुअल बेहद चालाक है, वह इतने साल बाद भी बेहद सावधानी से रहता था। एक गाड़ी का इस्तेमाल नहीं करता था। उसने कभी किसी पुराने परिचित से संपर्क नहीं किया। किसी पार्टी में फोटो नहीं खिंचवाता था। सोशल मीडिया पर अपने और अपनी पत्नी के फोटो कभी अपलोड नहीं करता था। अपने असली दस्तावेज कहीं भी इस्तेमाल नहीं किए और किसी दस्तावेज को कभी अपडेट भी नहीं कराया। कार को भी वह खुद नहीं चलाता था। किसी जरूरत पर कार लेकर जाने पर उसका चालान हो गया और वह पकड़ में आ गया।

डेंगू से मौत पर सियासत गरमाई, भाजपा शासित एमसीडी को ठहराया जिम्मेदार

नई दिल्ली। दिल्ली में डेंगू से दो मौतों की पुष्टि के बाद राजनीतिक सियासत तेज हो गई है। आम आदमी पार्टी ने भाजपा शासित एमसीडी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसे मौसमी रोगों पर काबू पाने में भाजपा पूरी तरह नाकाम रही है। वहीं महापौर राजा इकबाल सिंह ने इन आरोपों को भ्रामक, निराधार और राजनीतिक रूप से प्रेरित बताया है। आम आदमी पार्टी के नेता व एमसीडी में प्रतिपक्ष अंकुश नारंग ने कहा कि भाजपा के चारों इंजन की सरकार दिल्ली को प्रदूषण और बीमारियों से नहीं बचा पा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि एमसीडी ने डेंगू की रिपोर्ट तीन हफ्ते तक छिपाई और तीन नवंबर को जारी की, जबकि इसमें 300 डेंगू, 200 मलेरिया और 60 चिकनगुनिया के नए मामले दर्ज हुए हैं। नारंग ने कहा कि अगर एमटीएस कर्मचारियों की हड़ताल समय रहते खत्म कराई जाती तो दिल्ली में इतनी बड़ी संख्या में डेंगू के मामले नहीं बढ़ते। उन्होंने मेयर से इस्तीफे की मांग करते हुए कहा कि जनता भाजपा की नाकामी का खामियाजा भुगत रही है। वहीं, जवाब में महापौर राजा इकबाल सिंह ने कहा कि आम आदमी पार्टी जानबूझकर झूठे आंकड़े पेश कर नागरिकों को गुमराह कर रही है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष अक्तूबर में केवल 377 डेंगू के मामले दर्ज हुए हैं, जबकि जब दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार थी, जब अक्तूबर 2024 में 2,431 और अक्तूबर 2023 में 2,003 मामले सामने आए थे।

जिस बेटे को शरीफ मानते थे लोग, उसी ने माता-पिता और बहन का किया कत्ल, खुद भी मारा गया

प्रयागराज। शहर के साउथ मलाका में हुए कारोबारी, उनकी पत्नी, बेटी और बेटे के सामूहिक हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। हत्या को अंजाम कारोबारी के बेटे ने ही दिया था, जो बाद में खुद भी बंटवारे के विवाद दोस्त के हाथों मारा गया। पुलिस के अनुसार कारोबारी के बेटे अभिषेक ने ही अपने एक दोस्त की मदद से अपने माता-पिता, बहन की हत्या कर दी। इसके बाद घर में रखे सारे जेवरात लूट लिए। बंटवारे को लेकर विवाद होने के बाद दोस्त ने अभिषेक को भी मौत के घाट उतार दिया। पुलिस कमिश्नर जोगेंद्र कुमार ने बुधवार को घटना का खुलासा कर दिया। पुलिस के अनुसार रविवार को हत्याकांड को अंजाम दिया गया था, जबकि बदबू आने पर मंगलवार को घटना का पता चला था। इस मामले में चौकी इंचार्ज समेत दो पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। अभिषेक वैश्य ने अपने दोस्त शनि गुप्ता के साथ मिलकर अपने ही घर में लूटपाट और माता-पिता और बहन के सफाए की योजना बनाई। उसके बुलावे पर शनि गुप्ता रविवार की रात को लोहे की पाइप लेकर आ गया। पहले दोनों ने बैठकर बीयर पी। इसके बाद दोनों ने मिलकर कारोबारी, उनकी पत्नी और बेटी की हत्या कर दी। इसके बाद पूरे घर में लूटपाट कर जेवरात और नकदी को एकत्र किया। मौके पर ही दोनों के बीच लूट के माल के बंटवारे को लेकर विवाद हो गया। इसके बाद शनि गुप्ता ने अभिषेक की भी हत्या कर दी। बहुत ही शातिर तरीके से उसने गत्ते पर लिख दिया, बंटी और बबली ने मारा है। ताकि हत्या का आरोप कारोबारी के छोटे बेटे और बहू पर लगे। छोटा बेटा फिलहाल जेल में बंद है। एसओजी, सर्विलांस और कोतवाली पुलिस की संयुक्त टीम ने सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण किया। जांच में एक व्यक्ति मृतक वीरेंद्र वैश्य के कपड़े और जूते पहनकर परिसर से निकलता दिखाई दिया। स्थानीय लोगों से पूछताछ में उसकी पहचान शनि गुप्ता के रूप में हुई। इसके बाद पुलिस ने मटियारा क्षेत्र स्थित उसके घर से उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस पूछताछ में आरोपी शनि गुप्ता ने बताया कि उसकी दोस्ती अभिषेक वैश्य से थी। अभिषेक आर्थिक तंगी और संपत्ति विवाद से परेशान था। दोनों ने मिलकर परिवार की हत्या और जेवर लूटने की योजना बनाई। 31 मई की शाम सबसे पहले बहन मीनाक्षी की हत्या की गई। इसके बाद माता-पिता वीरेन्द्र और अनीता वैश्य को लोहे की रॉड से मार डाला गया। वारदात के बाद दोनों ने हत्या को दूसरे लोगों पर थोपने की कोशिश भी की। परिवार के तीन सदस्यों की हत्या के बाद जब जेवरों के बंटवारे की बात आई तो शनि और अभिषेक के बीच विवाद हो गया। पुलिस के अनुसार लालच में आकर शनि ने अभिषेक की भी लोहे के पाइप से हत्या कर दी। इसके बाद उसने सबूत मिटाने के लिए शवों पर डिटर्जेंट, हार्पिक, ब्लीचिंग पाउडर, हल्दी और सरसों का तेल डाला और घटनास्थल की सफाई की। हत्याकांड का महज 12 घंटे में सफल अनावरण करने वाली एसओजी, सर्विलांस और कोतवाली पुलिस की संयुक्त टीम को पुलिस विभाग की ओर से 50 हजार रुपये के पुरस्कार की घोषणा की गई है। पुलिस आयुक्त ने टीम की सराहना करते हुए इसे तकनीकी जांच और त्वरित कार्रवाई का उत्कृष्ट उदाहरण बताया है।

प्रेम विवाह के सात महीने बाद कर दी पत्नी की हत्या

बरेली। बरेली के सुभाषनगर इलाके में प्रेम विवाह करने के सात महीने बाद पति ने अपने परिजनों के साथ मिलकर पत्नी की हत्या कर दी। सुभाषनगर थाना पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर खुलासे में जुटी थी। अब पुलिस ने हत्यारोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है। कोर्ट ने बुधवार को उसे जेल भेज दिया है। सुभाषनगर इंस्पेक्टर सतीश कुमार नैन ने बताया कि शांति विहार निवासी अमित की मुलाकात कोमल मिश्रा से पढ़ाई के दौरान हुई थी। नवंबर 2025 में अमित ने कोमल से प्रेम विवाह कर लिया और दोनों साथ में रहने लगे। आरोप है कि अमित और उसके परिजन कोमल को दहेज के लिए प्रताड़ित करने लगे। 18 मई को संदिग्ध परिस्थितियों में कोमल मिश्रा की मौत हो गई थी। कोमल मिश्रा के पिता ने सुभाषनगर थाने में अमित और उसके परिजनों के खिलाफ दहेज हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

तीन दिन से लापता स्कूल संचालक का शव मिला

पीलीभीत। पीलीभीत के जहानाबाद इलाके में तीन दिन से लापता युवक का शव बृहस्पतिवार सुबह पुल के नीचे मिला। मृतक की पहचान गांव निजाम डांडी निवासी महेंद्रपाल के रूप में हुई है, जो एक निजी स्कूल के संचालक थे। परिजनों ने महेंद्रपाल की हत्या का आरोप लगाया है। उनके बरेली की एक महिला से प्रेम संबंध होने की बात भी सामने आई है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक के चाचा लालाराम ने बताया कि महेंद्रपाल 25 मई को दोपहर में धान का बीज लेने शहर गए थे। वह बीज लेकर घर नहीं लौटे। काफी इंतजार के बाद परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। बुधवार को परिजनों ने जहानाबाद थाने में महेंद्रपाल की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। इसके बाद पुलिस ने भी जांच पड़ताल शुरू की। बृहस्पतिवार सुबह गांव के दो बच्चों ने पुल के नीचे एक शव पड़ा देखा। इसकी जानकारी मिलते ही परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे। परिजनों ने शव की शिनाख्त महेंद्रपाल के रूप में की। महेंद्रपाल के चाचा लालाराम ने बताया कि महेंद्रपाल निजी स्कूल संचालित करते थे। उनकी पत्नी की पहले ही मौत हो चुकी है और उनके तीन बच्चे हैं। लालाराम ने यह भी बताया कि महेंद्रपाल के बरेली की एक महिला से संबंध थे। दोनों की मुलाकात ऋषिकेश में हुई थी। परिजनों को आशंका है कि इन्हीं प्रेम संबंधों के चलते महेंद्रपाल की हत्या की गई है। पुलिस फिलहाल मामले

शूटिंग पर 3 करोड़ तक सब्सिडी, एवीजीसी और एआई पर खास फोकस

नई दिल्ली। दिल्ली को मीडिया और एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री का बड़ा केंद्र बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। आईएफएफडी में दिल्ली पर्यटन और प्रसार भारती के बीच समझौता हुआ, जिससे फिल्म, टीवी और डिजिटल कंटेंट के लिए एक बड़े हब के रूप में विकसित किया जाएगा। शुक्रवार को भारत मंडपम में फिल्म फेस्टिवल के दौरान अहम एमओयू साइन हुआ। समझौता दिल्ली पर्यटन एवं परिवहन विकास निगम और प्रसार भारती के बीच हुआ है। पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि इस पहल के तहत दिल्ली में एक इंटीग्रेटेड फिल्म, टेलीविजन और मीडिया हब बनेगा, जहां फिल्म, एनीमेशन, वीएफएक्स, गेमिंग और डिजिटल कंटेंट से जुड़े सभी काम एक ही जगह हो सकेंगे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि ये पहल मेक इन इंडिया और क्रिएटिव इकोनॉमी को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएगी। इससे दिल्ली को ग्लोबल मीडिया हब बनाने में मदद मिलेगी और युवाओं के लिए नए रोजगार के मौके पैदा होंगे। इस प्रोजेक्ट के तहत आधुनिक स्टूडियो, पोस्ट-प्रोडक्शन सुविधाएं और एवीजीसी (एनीमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग, कॉमिक्स) हब तैयार किया जाएगा। जल्द आ रही नई फिल्म पॉलिसी = आईएफएफडी इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में कपिल मिश्रा ने दिल्ली एज क्रिएटिव कैपिटल का विजन पेश करते हुए कहा कि राजधानी में फिल्म शूटिंग को बढ़ावा देने के लिए नई फिल्म पॉलिसी लाई जा रही है। इसके तहत शूटिंग करने वालों को 3 करोड़ रुपये तक की सब्सिडी दी जाएगी।

NAME CHANGE

I, LAXMAN SINGH S/o KISHAN SINGH, Residing at H. No. 312, Padrath Panna, Mitroan Village, Miltraon, South West Delhi, Delhi - 110043 have change the name of my minor Son NIPUN aged 13 Years and he shall hereafter be known as NIPUN GAHLOT.

NAME CHANGE

It is for general information that I ANSHUMAN VERMA S/o DEEPAK VERMA R/o 1/1954 F/F , Morden Shahdara Part - 1 , Near Ram Nagar ,PO : Shahdara Delhi - 110032 declare that the name of my Father and my Mother has been wrongly written as DEEPAK and SHIVANI in my 10th and 12th class Educational Documents and in my Birth Certificate No. MCDOLIR – 2108 - 002941908. The actual name of my Father and my Mother are DEEPAK VERMA and SHIVANI VERMA respectively, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large on behalf of my client **Mrs. Vimla Devi W/o Mr. Rakesh Kumarin** respect of **Residential House No. 41, area measuring 150 Sq. Yds., i.e. 125.41 Sq. Mtrs., out of Khasra No. 2036, Situated at Mahendra Enclave, in the area of Village Razapur, Pargana Dasna, Tehsil & District Ghaziabad, U.P.** claiming to have dual name i.e. Mrs. Vimla Devi W/o Mr. Rakesh Kumar and Mrs. Vimlesh Devi W/o Mr. Rakesh Kumar (Aadhar Card No. 842597192032) AND (PAN Card No. AUFPV6730P) and both are same. As different name appear in Sale Deed dated 29.03.2010 it is written as Mrs. Vimla Devi W/o Mr. Rakesh Kumar and in the Aadhar Card and Pan Card it is written as Mrs. Vimlesh Devi W/o Mr. Rakesh Kumar .Now my client intends to sell the property in which **PIRAMAL Finance Limited** will provide the financial assistance If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within Seven days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE

I, MUKESH KUMAR SHARMA S/o MAHENDER SHARMA, Residing at House No. 91, First Floor, Pocket 6, Near Prince Public School, Sector 24, Rohini, PO: Rohini Sector – 7, North West Delhi, Delhi - 110085 have change the name of my minor Daughter AAISH alias PRAKHYATI BHARDWAJ aged 13 Years and she shall hereafter be known as PRAKHYATI BHARDWAJ.

NAME CHANGE

I hitherto Known as DESH RAJ S/o PRABHU DAYAL R/o House No. - 120, Gali No. 2, Village Garmi, Delhi, North East Delhi , Delhi - 110053 have changed my name and shall hereafter be known as DESH RAJ YADAV.

NAME CHANGE

I, Arbans Kor W/o Kultar Singh R/o 1932/19, Gali No.19, Govindpuri Extn., Kalkaji, Delhi-110019 have changed my name to Harbans Kaur.

NAME CHANGE

I, Mohammad Viqar S/o Fahimuddin R/o H.No.C-83, Street No.9, North Ghonda, Delhi-110053 have changed my name to Mohd. Viqar Hashmi.

NAME CHANGE

I KM RENU TYAGI W/O GAURAV TYAGI R/O H NO. MCF398, GALI NO.12, NEAR HARI MANDIR, VIJAY NAGAR BALLABGARH FARIDABAD 121004 have changed my name to RENU TYAGI Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

It is for general information that I WASIQ HUSAIN S/O ZAHID HUSAIN R/o M-21/13A, Ground Floor, Lane – 2, Near Khalilullah Masjid, Batla House, Jamia Nagar, Okhla, New Friends Colony , South East Delhi, Delhi - 110025 declare that name of mine and my Father has been wrongly written as WASIQ HUSSAIN and SH. JAHID HUSSAIN in my Driving License No. MP06N-2009-0043583. The actual name of mine and my Father are WASIQ HUSAIN and ZAHID HUSAIN , which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I MUKTABAI legally mother of Army no - JC461722W, Rank - Subedar, Name - Sapkal Sachin Bhaurao, Presently Residing At - KELEWADI, Post- KADAVE(Br), Teh - PATAN, Dist - SATARA, State- MAHARASHTRA, Pin - 415014 have changed my name from MUKTABAI to MUKTABAI BHAURAO SAPKAL for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 08/07/1965 instead of my correct date of birth as 01/06/1960 Vide Affidavit dated 03/06/2026 before Notary Public Delhi.

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किलों श्रद्वानन्द कुशवाहा पुत्र स्व: रामधारी कुशवाहा व श्रीमती राजकुमारी देवी पत्नी श्री श्रद्वानन्द कुशवाहा पता मकान नं0 ई-191/5. कुतुब विहार फेस-1, गोयला डेयरी साउथ वैस्ट दिल्ली, दिल्ली-110071 ने अपने पुत्र रंजीत कुशवाहा आयु करीब 28 वर्ष को उसके अभद्र व्यवहार व नियंत्रण में नहीं होने के कारण अपनी चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है और अपने सारे सम्बन्ध विच्छेद कर लिये है अगर भविष्य में उपरोक्त पुत्र कोई अनैतिक व गैर कानूनी कार्य या किसी प्रकार का लेन-देन करता है तो वह उसका स्वयं का जोखिम होगा इसमें मेरे मुविक्कलों का कोई लेना देना नहीं होगा।

रवि प्रकाश मिश्र अधिवक्ता
चैम्बर नं0 402. जिला न्यायालय,
द्वारका कोर्ट, द्वारका, नई दिल्ली 110075

NAME CHANGE

I, SUSHILA NEGI W/o Rajender Singh Negi R/o C-137, Pocket-3, DDA Flats, Bindapur, D.K Mohan Garden, Delhi-110059, have changed my name from SUSHILA NEGI to SUSHILA permanently

NAME CHANGE

I, VIJAY S/o AMAR SINGH R/o H.NO.50, Village Mohammad Pur, Ali Pur,Delhi-36, have changed my name from VIJAY to VIJAY TOMAR permanently

NAME CHANGE

I, MANI BHUSHAN CHOPRA S/O SATPAL R/O J-23, GROUND FLOOR MALKA GANJ DELHI 110007, CHANGED MY NAME TO MANI BHUSHAN.

NAME CHANGE

I, JAG BHUSHAN S/O RAGHUBIR SINGH R/O 25-C MIG FLATS, J-BLOCK ASHOK VIHAR PHASE 1 DELHI 110052, CHANGED MY NAME TO JAG BHUSHAN MINHAS.

NAME CHANGE

I ARTI TANDAN W/O RAMAN TANDON R/O 48 UB JAWAHAR NAGAR KAMLA NAGAR DELHI-110007 have changed my name to minor daughter name JYANTIKA TO JYANTIKA TANDON Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I TUSHAR NAYAR S/O VIPIN NAYAR R/O- A 21,1 ST FLOOR VIPUL WORLD SECTOR 48 GURGAON 122018 HARYANA have changed my name to TUSHAR NAYYAR Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I DILIP KUMAR JHA S/O GANGA PRASAD JHA R/O B-4/1,2,3 , 2 ND FLOOR FRONT SIDE NAWADA EXTENSION UTTAM NAGAR DELHI- 110059 have changed my name to DILIP JHA Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I, KAMAL, is legally mother of Army No. JC 461546K, Rank - Sub, Name - CHAVAN UMESH RAMESH, presently residing at Vill - Ambewadi, Post - Shirashi, Teh - Shirala, Dist - Sangli, State - Maharashtra, Pin - 415408, have changed my name from KAMAL to KAMAL RAMESH CHAVAN and date of birth from 12/07/1959 to 01/06/1954 for all future purposes. Vide affidavit dated 03/06/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, JAYSHRI, is legally mother of Army No. 2814232X, Rank - Sep, Name - SHELKE SHANKAR BALASAHEB, presently residing at Vill - Sadesangvi, Post - Chinchpur (Dhage), Teh - Bhoom, Dist - Dharashiv, State - Maharashtra, Pin - 413504, have changed my name from JAYSHRI to JAYASHRI BALASAHEB SHELKE for all future purposes. Vide affidavit dated 03/06/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, VASANT, is legally father of Army No. 2820745H, Rank - Nk, Name - NALAWADE RANJIT VASANT, presently residing at Vill - Pangeri (B), Post - Pangeri (B), Teh - Chikkodi, Dist - Belgaum, State - Karnataka, Pin - 591237, have changed my name from VASANT to VASANT MARUTI NALAWADE for all future purposes. Vide affidavit dated 03/06/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

DATE OF BIRTH CORRECTION
I, AVHAD SURESH RAMDAS, father and natural guardian of minor ABHIJEET SURESH AVHAD, Army No. 2810217L, Rank – Hav, Name – AVHAD SURESH RAMDAS, presently residing at Vill – Chapadgaon, Post – Dapur, Teh – Sinner, Dist – Nashik, State – Maharashtra, Pin – 422606, have corrected the date of birth of my minor son ABHIJEET SURESH AVHAD from 17/12/2017 to 07/12/2017 for all future purposes. Vide affidavit dated 03/06/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I BHAURAO legally father of Army no - JC461722W, Rank - Subedar, Name - Sapkal Sachin Bhaurao, Presently Residing At - KELEWADI, Post- KADAVE(Br), Teh - PATAN, Dist - SATARA, State- MAHARASHTRA, Pin - 415014 have changed my name from BHAURAO to BHAURAO PATLU SAPKAL for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 08/07/1959 instead of my correct date of birth as 01/06/1951 Vide Affidavit dated 03/06/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I, hitherto known as SHRI VEGHRAJ SINGH S/o SHRI GYANCHAND R/o H No-52, Nasaratabad Kharkhari, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201102, have changed my name and shall hereafter be known as VEGHRAJ SINGH.

NAME CHANGE

I, PRADEEP KUMAR S/O RAJ PAL SINGH R/O House No259, Jai Prakash Nagar, Daulat Pura, Ghaziabad , Uttar Pradesh-201001have changed the name of my minor son JHILMIT aged 8 years and he shall hereafter be known as AAYANSH SINGH.

NAME CHANGE

I, SUNIL S/O PRAKASH, R/o ADARSH COLONY, BIHARIPURA VIJAY NAGAR, Ghaziabad, PO: Dundahera, DIST: Ghaziabad, Uttar Pradesh -201009, have changed the name of my minor son NIKIL aged 10 years and he shall hereafter be known as NIKHIL KUMAR.

NAME CHANGE

I, PAPPU S/O PYARE LAL R/O Gaon Gijod, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201301, have changed the name of my minor HIMANSHU KUMAR aged 16 years and he shall hereafter be known as SHIVAM KUMAR.

NAME CHANGE

It is for general information that I, PREET GILL SIDHU D/O HARNINDER SINGH GILL W/O ANANT DEEP SINGH R/O A-130, Defence Colony Mawana Road Meerut, PO: Defence Colony, District Meerut, Uttar Pradesh-250001, declare that name of mine and my husband's has been wrongly written as PREET GILL and ANANT SINGH in my service records and name of mine has been wrongly written as PREET GILL in my 10th class educational documents and my Driving License No. UP15-20070014746. The actual name of mine and husband are PREET GILL SIDHU and ANANT DEEP SINGH respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I Piyush Bansal S/o Ram Avtar R/o F-14, Sucheta Puri, Govind puri, Modinagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201204 have changed the name of my minor son Kiyansh Bansal aged 3 years and he shall hereafter be known as Chaitanya Bansal.

NAME CHANGE

I hitherto known as Buti Sinha W/O: Ranjit Kumar, residing at Nagla Charandas,, phase 2 Noida Gautam Buddha Nagar,Uttar Pradesh 201305, Permanent Address-Thana No-62, Bagodar, Nawada, Bihar - 805103, have changed my name and shall hereafter be known as BEAUTY DEVI.

NAME CHANGE

I, SANJEEV KUMAR AGRAWAL S/o Late TRILOKI NATH AGRAWAL R/o A-605, NPSC SOCIETY, SECTOR-02, DWARKA, NEW DLEHI-110075, legally father of SHAURYA AGRAWAL, have changed my minor son's name from SHAURYA AGARWAL to SHAURYA AGRAWAL for all future purposes.

NAME CHANGE

I, SHAHANSHAH S/O MAZHAR HUSSAIN residing at BLOCK C, HOUSE NO 53, ANOOP NAGAR, BINDAPUR, UTTAM NAGAR, NEW DELHI 110059 . have changed my name to SHAHENSHAH HUSSAIN for all future purposes.

NAME CHANGE

I, PANDAV NT S/o PANDAV TRAMBAK JAYAVANTA permanent residing at- MANGRUL PR KHERDA, BULDANA, MAHARASHTRA-443201, have changed my minor son's name from AAYANSH PANDAV to AAYANSH NITEEN PANDAV for all future purposes vide Affidavit dated 03/06/2026 before Executive Magistrate, Delhi.

NAME CHANGE

I, ANSHU D/o PAWAN KUMAR R/o FLAT NO-701, TOWER-B4, VARDHMAN FLORA, SECTOR-90, WAZIRPUR, FARRUKHNAGAR, GURGAON, HARYANA-122505, declare that in my 10th (Matriculation) Marksheet, my mother's name is wrongly mentioned as SHIKHA MISHRA, whereas in all other documents, her name is mentioned as SITA. That my mother shall be known as SITA for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Arbans Kor W/o Kultar Singh R/o 1932/19, Govindpuri Extn., Kalkaji, Delhi-110019 have changed my name to Harbans Kaur.

NAME CHANGE

I FARHA ABBASI W/O SHABAB UL HAQ R/O 34 K, QAZI ESTATE MULLANA AMROHA UTTAR PRADESH -244221 have changed my name to FARHAN BEGUM ABBASI Permanently for all Future purpose

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि श्रीमती बबली, संपत्ति संख्या 1/5467-A की स्वामिनी हैं, जिसका क्षेत्रफल 19 वर्ग गज (अर्थात 15.88 वर्ग मीटर / 171 वर्ग फुट) है तथा जिसका निर्मित/प्लिंथ क्षेत्रफल 63.52 वर्ग मीटर है। उक्त संपत्ति खसरा संख्या 154 का हिस्सा है तथा ग्राम सिकदरपुर, गली संख्या 16, बलबीर नगर एक्सटेंशन, इलाका शाहदरा, दिल्ली की आबादी में स्थित है। उक्त संपूर्ण संपत्ति के मूल स्वामी श्री तारा चंद जिंदल एवं श्रीमती उर्मिला गुप्ता थे, जिन्होंने दिनांक 14.01.1994 को निष्पादित ल्क्क एग्रीमेंट टू सेल एवं वसीयत के माध्यम से उक्त संपत्ति श्री मोहन लाल को हस्तांतरित की थी। तत्पश्चात श्री मोहन लाल ने दिनांक 07.12.1995 को निष्पादित GPA, एग्रीमेंट टू सेल एवं वसीयत के माध्यम से उक्त संपत्ति श्री हरि शंकर को हस्तांतरित की। बाद में श्री हरि शंकर ने दिनांक 08.05.2013 की पंजीकृत विक्रय विलेख (Sale Deed) के माध्यम से उक्त संपत्ति श्री परवीन कुमार वर्मा को विक्रय कर दी। इसके पश्चात श्री परवीन कुमार वर्मा ने दिनांक 24.09.2024 को अपने पिता श्री सुरेन्द्र पाल वर्मा के पक्ष में एक वसीयत निष्पादित की। दुर्भाग्यवश, श्री परवीन कुमार वर्मा का निधन दिनांक 07.09.2025 को हो गया। तत्पश्चात श्री सुरेन्द्र पाल वर्मा ने दिनांक 28.01.2026 की विक्रय विलेख (Sale Deed) के माध्यम से उक्त संपत्ति श्रीमती बबली को विक्रय कर दी। श्रीमती बबली ने हमें सूचित किया है कि उक्त संपत्ति से संबंधित मूल विक्रय विलेख, जिसका पंजीकरण संख्या 1988, पुस्तक संख्या 1, वॉल्यूम संख्या 1482, पृष्ठ संख्या 49 से 58 तथा दिनांक 08.05.2013 है, गुम/खो गया है। उक्त दस्तावेज को खोजने के पर्याप्त प्रयास किए गए, किन्तु वह प्राप्त नहीं हो सका। उक्त दस्तावेज के गुम होने के संबंध में ऑनलाइन एफआईआर (स्क्र ह्श. 338575/2026) दिनांक 30.05.2026 को दर्ज कराई गई है। इसके अतिरिक्त, दिनांक 24.09.2024 की पंजीकृत वसीयत के संबंध में प्रोबेट आदेश (Probate Order) उपलब्ध नहीं है। कृपया यह भी नोट किया जाए कि उक्त संपत्ति को DCB Bank Limited, करोल बाग शाखा, नई दिल्ली के द्वारा वित्तपोषित (financed) द्वारा किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

NAME CHANGE

I Parul Khadaria W/o Rajesh kumar R/o House No B-30 Ahinsa Vihar Apartment Rohini Sector 9 North West Delhi 110085 have changed my name to Parul Mittal for all future purpose.

NAME CHANGE

I Parmod Gupta S/o Ishwar Gupta R/ o B-35 Tagore Road Adarsh Nagar Shanjar pur North West Delhi have changed my name to Pramod Gupta for all future purpose

NAME CHANGE

I ,Vansh S/o Parmod kumar R/o A-13 Street No 22 Mahendra Park Adarsh Nagar Delhi 110033 , have changed my name to Vansh Singla S/o Parmod Kumar Singla for all future purpose

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि श्री नदीम पुत्र श्री मोबिन अली, श्रीमती कमला से फ्रीहोल्ड आवासीय प्लॉट संख्या 10, क्षेत्रफल 100 वर्ग गज, जो खसरा संख्या 96/5 का भाग है तथा आर्य नगर, प्रीत विहार कॉलोनी, ग्राम धरौती खुर्द, परगना लोनी, तहसील एवं जनपद गाज़ियाबाद, उत्तर प्रदेश में स्थित है, क्रय करने का प्रस्ताव रखते हैं। उक्त संपत्ति की प्रारंभिक स्वामिनी श्रीमती निर्मला देवी थीं, जिन्होंने दिनांक 21.05.1991 को निष्पादित एवं पंजीकृत जी.पी.ए., एग्रीमेंट टू सेल (ATS) एवं वसीयत (Will) के माध्यम से उक्त संपत्ति श्री राम लाल के पक्ष में हस्तांतरित की थी। तत्पश्चात, श्री राम लाल ने दिनांक 18.06.1991 को निष्पादित एवं पंजीकृत जी.पी.ए., एग्रीमेंट टू सेल (ATS) एवं वसीयत (Will) के माध्यम से उक्त संपत्ति श्री अली जान के पक्ष में हस्तांतरित की। इसके बाद, श्री अली जान ने दिनांक 20.04.1996 को निष्पादित एवं पंजीकृत जी.पी.ए., एग्रीमेंट टू सेल (ATS) एवं वसीयत (Will) के माध्यम से उक्त संपत्ति श्रीमती कमला के पक्ष में हस्तांतरित की। फलस्वरूप, श्रीमती कमला उपरोक्त संपत्ति की स्वामिनी बनीं। उक्त संपत्ति किसी भी प्रकार के वाद-विवाद, बंधक, भार, ऋष्ण या दावों से मुक्त है। साथ ही, यह भी सूचित किया जाता है कि उक्त संपत्ति को वास्तु हाउसिंग फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड, नोएडा शाखा, उत्तर प्रदेश द्वारा वित्तपोषित किया जाना प्रस्तावित है। यदि किसी व्यक्ति को इस संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति है, तो कृपया नोटिस की तिथि से 7 दिनों के भीतर लिखित में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति को कृपया नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक द्वारा और ईमेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजें। ऐसा न करने पर, उक्त दावा संबंधित संपत्ति के संबंध में अमान्य माना जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

कार्यालय लौह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल सहकारी शक्कर कारखाना मर्यादित,
पण्डरिया, जिला-कबीरधाम (छ.ग.) Email: Lspsskm@gmail.com

// ई-निविदा सूचना // Contact No. 07987900070, 09907575796

ई-निविदा सूचना कमांक- 192044, 192045, 192046, 192047, 192048, 192049, 192051, 192053, 192058

दिनांक- 02.06.2026

2500 टी.सी.डी. शक्कर कारखाना पण्डरिया में ई-निविदा सूचना कमांक- 192044 बॉयलर का वाल्व रिपेरिंग/मैन्टनेन्स कार्य, कमांक- 192045 इंजीनिरिंग सामग्री कय, कमांक- 192046 इलेक्ट्रिकल सामग्री कय 192047- इन्स्ट्रुमेन्ट सामग्री कय, कमांक- 192048 इलेक्ट्रिकल सामग्री कय (मेन्युफेक्चरर/एथोराईज्ड डीलर), कमांक- 192049 एएमसी/जॉब वर्क (मेन्युफेक्चरर/एथोराईज्ड डीलर), कमांक- 192051 इंजीनिरिंग सामग्री कय (मेन्युफेक्चरर/एथोराईज्ड डीलर), कमांक- 192053 लैब इक्युपमेंट सामग्री कय एवं कमांक- 192058 कारखाने का बीमा कराये जाने हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा हेतु इच्छुक फर्मो/निविदाकार द्वारा भाग लेने के लिए ई-टेण्डर के वेबसाईट में जाकर ई-निविदा हेतु फार्म राशि 1311/- रू. (1000/-रू. + 311/-रू. चिप्स के द्वारा ली जाने वाली सर्विस चार्ज) ऑनलाईन के माध्यम से जमा कर शासकीय ऑनलाईन वेबसाईट (E-Procurement Portal: http://eproc.cgstate.gov.in) में फार्म Upload किया जाना हैं।

निविदा की शर्तें व नियम निविदा प्रपत्र कारखाने के वेब साइट WWW.Lspssk.in में भी अवलोकन कर सकते हैं।

महाप्रबंधक (प्रशा.)

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

सरकारी अस्पतालों में सुरक्षा और सफाई का नया मॉडल, पीपीपी मोड पर होगा प्रबंधन

एजेंसी

चंडीगढ़। प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में साफ-सफाई और सुरक्षा व्यवस्था को पीपीपी मोड पर संचालित किया जाएगा, ताकि मरीजों, विशेषकर महिलाओं, डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों की सुरक्षा को और मजबूत बनाया जा सके। चंडीगढ़ में पत्रकारों से बातचीत करते हुए स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुरक्षित, आधुनिक और जनहितैषी बनाने की दिशा में नायब सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। स्वास्थ्य मंत्री ने महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों पर कड़ा रुख अपनाते हुए स्पष्ट किया कि दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। इसी कड़ी में उन्होंने कुरुक्षेत्र के लोक नायक जयप्रकाश नागरिक अस्पताल में एक नाबालिग लड़की के साथ हुए यौन उत्पीड़न के मामले का जिक्र करते हुए बताया कि आरोपी कंसलटेंट के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और सरकार ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उसकी सेवाएं समाप्त कर दी हैं। आरती सिंह राव ने जानकारी दी कि चरखी दादरी जिले में निर्माणाधीन गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज का नाम देश के महान स्वतंत्रता सेनानी राव तुलाराम के नाम पर रखा जाएगा। इस नामकरण के लिए उन्होंने केंद्र सरकार और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने विशेष रूप से उल्लेख किया कि केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह इस नामकरण के लिए लगातार प्रयास कर रहे थे।

भाखड़ा पाइपलाइन उखाड़ने पर 31 किसान नेताओं के खिलाफ केस दर्ज

हांसी। हांसी शहर में पेयजल सप्लाई आपूर्ति के लिए डाली जा रही भाखड़ा पाइप लाइन को चानौत गांव में उखाड़ने का प्रयास करने तथा पाइपलाइन को नुकसान पहुंचाने पर 31 किसान नेताओं पर मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने इस संबंध में प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दो अलग-अलग मुकदमे दर्ज किए हैं। पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार ने मंगलवार दोपहर अपने कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में पुलिस की कार्रवाई और मामले की स्थिति की जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि कानून व्यवस्था भंग करने और सरकारी कार्य में बाधा डालने के मामलों में नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। एसपी ने बताया कि एसडीओ एवं ड्यूटी मजिस्ट्रेट शीला देवी की शिकायत पर पुलिस ने 31 नामजद किसान नेताओं और कई अन्य अज्ञात पुरुषों व महिलाओं के खिलाफ बीएनएस की विभिन्न धाराओं के अलावा सार्वजनिक संपत्ति नुकसान निवारण अधिनियम (पीडीपीपी) की धारा 3 और नेशनल हाइवे एक्ट की धारा 8बी के तहत मामला दर्ज किया है। दर्ज मामले में भारतीय किसान यूनियन (बीकेयू) के कई प्रदेश स्तरीय व स्थानीय पदाधिकारी शामिल हैं। पुलिस को दी गई शिकायत में एसडीओ शीला देवी ने बताया कि उन्हें गांव चानौत में पानी की समस्या को लेकर चल रहे धरने के मद्देनजर ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया था।

नारनौल की नई अनाज मंडी में लगेगी सरसों जांच लैब, प्रस्ताव पारित

नारनौल। नारनौल के मार्केट कमेटी कार्यालय में मंगलवार को चेयरमैन बाबूलाल यादव की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में नई अनाज मंडी में किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सरसों की गुणवत्ता जांच के लिए सरकारी पोर्टेबल लैब स्थापित करने का महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किया गया। इस संबंध में मुख्य प्रशासक को पत्र भेजकर आवश्यक कार्रवाई करने का अनुरोध किया गया है।बैठक में मौजूद कमेटी सदस्यों ने कहा कि वर्तमान में किसानों को अपनी सरसों फसल की गुणवत्ता जांच के लिए विभिन्न स्थानों पर जाना पड़ता है, जिससे समय और धन दोनों की बर्बादी होती है। नई अनाज मंडी में सरकारी पोर्टेबल लैब स्थापित होने से किसानों को एक ही स्थान पर जांच सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। इससे उन्हें फसल की गुणवत्ता के अनुरूप उचित मूल्य मिलने में भी मदद मिलेगी और आर्थिक लाभ होगा। बैठक के दौरान नई अनाज मंडी स्थित जल महल की दीवार से सटी जमीन पर एक सार्वजनिक पार्क विकसित करने का प्रस्ताव भी रखा गया। इस संबंध में कार्यकारी अभियंताए रेवाड़ी को आवश्यक सूचना भेजी गई है।

गेस्ट टीचर्स यूनियन ने डिप्टी स्पीकर को सौंपा ज्ञापन

जींद। गेस्ट टीचर्स यूनियन के आह्वान पर जिले के गेस्ट टीचर्स ने जिला प्रधान नरेंद्र श्योकंद व प्रदेश मीडिया प्रभारी राममेहर भौंसले के नेतृत्व में हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा से मुलाकात कर नियमितीकरण की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। शिक्षकों ने हाई कोर्ट द्वारा गेस्ट शिक्षकों के नियमितीकरण संबंधित दिए गए निर्णय को शीघ्र लागू करने की मांग उठाई। जिला प्रधान नरेंद्र श्योकंद ने कहा कि प्रदेश के हजारों गेस्ट टीचर्स पिछले लगभग 20 वर्षों से शिक्षा विभाग में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। सीमित वेतन और अस्थायी व्यवस्था के बावजूद उन्होंने शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है लेकिन आज तक उन्हें स्थायी रोजगार का लाभ नहीं मिल सका है। यूनियन पदाधिकारियों ने कहा कि गेस्ट टीचर्स ने अपने अधिकारों के लिए लगातार लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष किया और न्यायालय में भी अपनी लड़ाई लड़ी।

'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य की प्राप्ति में तेलंगाना और हरियाणा की महत्वपूर्ण भूमिका : राज्यपाल घोष

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने तेलंगाना राज्य के स्थापना दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई देते हुए कहा कि 'विकसित भारत 2047' के संकल्प को साकार करने की दिशा में तेलंगाना और हरियाणा दोनों राज्य महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। राज्यपाल हरियाणा लोक भवन में तेलंगाना स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में अधिकारियों एवं तेलंगाना समुदाय के सदस्यों को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर वरिष्ठ अधिकारियों सहित हरियाणा में निवास कर रहे तेलंगाना समुदाय के सदस्य उपस्थित रहे। प्रो. असीम कुमार घोष ने कहा कि 2 जून, 2014 को तेलंगाना राज्य का गठन लाखों लोगों की लोकतांत्रिक आकांक्षाओं की पूर्ति का ऐतिहासिक क्षण था। स्थापना के बाद से तेलंगाना देश के सबसे गतिशील और प्रगतिशील राज्यों में से एक के रूप में उभरा है

तथा कृषि, सूचना प्रौद्योगिकी, आधारभूत संरचना, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और औद्योगिक विकास के क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के लोगों की मेहनत, नवाचार और दृढ़ संकल्प ने राज्य को देश की आर्थिक प्रगति और तकनीकी विकास में अग्रणी योगदानकर्ताओं में शामिल कर दिया है। तेलंगाना की विकास यात्रा न केवल प्रेरणादायक है, बल्कि यह भारत की लोकतांत्रिक एवं संघीय व्यवस्था की मजबूती को भी दर्शाती है। हरियाणा और तेलंगाना के बीच मजबूत संबंधों का उल्लेख करते हुए राज्यपाल ने कहा कि भौगोलिक दूरी के बावजूद दोनों राज्य समावेशी विकास, किसानों और युवाओं के कल्याण तथा प्रत्येक नागरिक की उन्नति एवं प्रगति के साझा उद्देश्य से जुड़े हैं। प्रो. असीम कुमार घोष ने विश्वास व्यक्त किया कि तेलंगाना के लोग भविष्य में भी नई उपलब्धियां हासिल करते रहेंगे और राष्ट्र की प्रगति, समृद्धि तथा गौरव में अपना अमूल्य योगदान देते रहेंगे। इस अवसर पर हरियाणा के मुख्य सूचना आयुक्त टी.वी.एस.एन. प्रसाद, अतिरिक्त मुख्य सचिव राजा शेखर वुंद्रू, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (मानवाधिकार एवं वाद-विवाद) डॉ. सी.एस. राव, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, डॉ. एम. रवि किरण, राज्यपाल के सचिव विजयकुमार भाविकट्टी, राज्यपाल के एडीसी धीरज सेतिया व पी. भरत, अन्य वरिष्ठ अधिकारी तथा हरियाणा में निवास कर रहे तेलंगाना समुदाय के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

एक साल में घाटे से मुनाफे में आएंगी हरियाणा की चीनी मिलें,सरकार की योजना

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा विजन-2047 के तहत सहकारिता विभाग की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सहकारी चीनी मिलों को अगले एक वर्ष में घाटे से निकालकर लाभ की स्थिति में लाने का लक्ष्य तय किया। उन्होंने मिलों के आधुनिकीकरण, एथेनॉल और कम्प्रेस्ड बायोगैस प्लांट स्थापित करने, कार्यकुशल मानव संसाधन विकसित करने तथा जवाबदेही तय करने के निर्देश दिए। साथ ही डेयरी सहकारी समितियों के विस्तार, महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने, सहकारी बैंकों के डिजिटलीकरण, ऋण वितरण बढ़ाने और ईडब्ल्यूएस परिवारों के लिए आवास ऋण पर ब्याज दर घटाने जैसे महत्वपूर्ण निर्णयों के माध्यम से सहकारिता क्षेत्र में व्यापक सुधारों का रोडमैप प्रस्तुत किया।मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा सिविल सचिवालय में हरियाणा विजन-2047 के तहत सहकारिता विभाग के अगले 5 साल के रोडमैप व कार्ययोजना की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वे तीन माह बाद विभाग की कार्य योजना की पुनः समीक्षा करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा की सहकारी चीनी मिलों से किसानों के हित जुड़े हैं इसलिए इनका लाभकारी स्थिति में होना बहुत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जब हरियाणा में निजी चीनी मिले लाभ की स्थिति में चल रही हैं तो फिर सहकारी चीनी मिलें घाटे में क्यों चल रही हैं। सरकार ने इस साल चीनी मिलों को 632 करोड़ रुपये की सहायता दी है। उन्होंने सहकारिता विभाग के प्रधान सचिव पंकज यादव को सहकारिता विभाग की कार्यप्रणाली और मानव संसाधन का गहन विश्लेषण करते हुए विभाग का पूर्ण रूप से कायाकल्प करने को कहा। उन्होंने सख्त निर्देश दिए कि सहकारी चीनी मिलों में बैठे निठल्ले अधिकारियों-कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

शिक्षकों को राहत की तैयारी, ट्रांसफर से लेकर सीसीएल तक बदलेंगे नियम

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के शिक्षकों के लिए जल्द ही कई महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिल सकते हैं। पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के निर्देशों के बाद राज्य सरकार ने नई शिक्षक स्थानांतरण नीति तैयार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। प्रस्तावित नीति का उद्देश्य शिक्षकों को अधिक पारदर्शी और सुविधाजनक ट्रांसफर व्यवस्था उपलब्ध कराना है, ताकि उन्हें अपनी पसंद और आवश्यकता के अनुरूप स्कूलों में नियुक्ति का अवसर मिल सके। हरियाणा स्कूल लेक्चरर एसोसिएशन (हसला) के प्रतिनिधिमंडल ने शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा और शिक्षा निदेशालय के अधिकारियों के साथ विस्तृत बैठक की। बैठक में शिक्षकों से जुड़े कई लंबे समय से लंबित मुद्दों पर सकारात्मक चर्चा हुई और कई मांगों पर सहमति भी बनी।बैठक में सबसे बड़ी राहत शिशु देखभाल अवकाश (चाइल्ड केयर लीव-सीसीएल) को लेकर सामने आई। शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने आश्वासन दिया कि 15 जून के बाद सीसीएल फाइलों को उपायुक्त कार्यालय के माध्यम से भेजने की व्यवस्था समाप्त कर दी जाएगी। इसके स्थान पर जिला शिक्षा अधिकारी सीधे फाइलें निदेशालय को भेज सकेंगे। इससे शिक्षकों को छुट्टी स्वीकृति के लिए अनावश्यक प्रशासनिक प्रक्रिया से राहत मिलेगी।हसला के राज्य प्रधान सतपाल सिंधु ने बैठक में पीजीटी से प्रिंसिपल पदोन्नति सूची के लंबित मामलों को उठाया। इस पर शिक्षा मंत्री ने पदोन्नति प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का भरोसा दिया। साथ ही दिव्यांग कोटे के तहत आरक्षित चार प्रतिशत पदों से संबंधित मामलों को 30 जून तक मंगाने के निर्देश भी दिए गए हैं।

इस वर्ष हरियाणा में अनाज भंडारण के लिए 20 लाख मीट्रिक टन क्षमता के नए गोदाम बनाए जाएंगे: मुख्यमंत्री सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि किसान द्वारा मेहनत से उगाए गए अनाज को खराब होने से बचाने के लिए हरियाणा में अनाज भंडारण की समुचित व्यवस्था की जाएगी। इसके अंतर्गत इस साल हरियाणा में 20 लाख मीट्रिक टन क्षमता के नए गोदाम बनाए जाएंगे जिसके लिए अधिकारी पूरी तैयारी करके लक्ष्य प्राप्ति की दिशा में जुट जाएं। मुख्यमंत्री ने यह निर्देश हरियाणा सिविल सचिवालय में हरियाणा विजन-2047 के तहत खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के अगले 5 साल के रोडमैप व कार्ययोजना की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए दिए। खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के आयुक्त एवं सचिव जे गणेशन ने बताया कि अनाज का खुले में भंडारण अथवा उचित भंडारण के अभाव के कारण प्रदेश में अनाज का 4 से 5 प्रतिशत तक नुकसान हो जाता है। इस नुकसान से बचने के लिए कवर्ड एमटी, फल व सब्जियों का 110 लाख एमटी तथा दूध व अन्य डेयरी उत्पादों का 115 लाख एमटी उत्पादन होता है। राष्ट्रीय खाद्यान्न सुरक्षा में हरियाणा का योगदान

लगभग 25 प्रतिशत है। इस समय हरियाणा में 66 लाख मीट्रिक टन अनाज भंडारण की क्षमता है जिसे 130 लाख एमटी तक बढ़ाने की आवश्यकता है।

इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि खाद्यान्न के नुकसान पर रोक लगाने के लिए कवर्ड स्टोरेज के निर्माण, कोल्ड स्टोरेज की क्षमता बढ़ाने और उपलब्ध संसाधनों का उचित इस्तेमाल करने की कार्ययोजना बनाई जाए। सभी संबंधित विभागों के आपसी समन्वय के साथ इस वर्ष पीपीपी मोड में 20 लाख मीट्रिक टन क्षमता के गोदाम बनाने का लक्ष्य पूरा किया जाए ताकि अनाज को खराब होने से बचाया जा सके। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अनाज, बागवानी फसलों, सब्जियों तथा फलों के उचित भंडारण के लिए अगले 5 साल के भीतर एक ऐसी कार्ययोजना को मूर्त रूप दिया जाएगा जिससे उत्पादित खाद्यान्न का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित हो सके।

हरियाणा में 16,552 मेगावाट से अधिक बिजली उपलब्ध, उपभोक्ताओं को मिलेगी निर्बाध आपूर्ति : अनिल विज

एजेंसी

चंडीगढ़। केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि देश और राज्यों में बढ़ती बिजली मांग को पूरा करने के साथ-साथ बिजली क्षेत्र में होने वाले घाटे को कम करना समय की आवश्यकता है। इसके लिए बिजली निगमों को नई तकनीकों को अपनाते हुए लक्ष्य आधारित योजनाओं एवं परियोजनाओं पर तेजी से कार्य करना होगा, ताकि उपभोक्ताओं को निर्बाध, गुणवत्तापूर्ण और विश्वसनीय बिजली उपलब्ध कराई जा सके। उन्होंने कहा कि बिजली एक महत्वपूर्ण सेवा होने के साथ-साथ एक आर्थिक संसाधन भी है, जिसके उत्पादन और वितरण में भारी लागत आती है। इसलिए वितरण व्यवस्था को अधिक सक्षम और आधुनिक बनाना आवश्यक है। केंद्रीय मंत्री गत देर सायं को चंडीगढ़ स्थित हरियाणा निवास में हरियाणा के बिजली निगमों तथा केंद्र सरकार द्वारा प्रायोजित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में हरियाणा के ऊर्जा मंत्री

अनिल विज भी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान मनोहर लाल ने बिजली आपूर्ति व्यवस्था में सुधार, तकनीकी एवं वाणिज्यिक हानियों में कमी, राजस्व वृद्धि तथा वितरण प्रणाली के आधुनिकीकरण पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि हरियाणा बिजली क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति कर रहा है और राज्य को बिजली घाटे को शून्य करने की दिशा में और अधिक प्रयास करने चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बिजली बिलिंग और वास्तविक आपूर्ति के बीच के अंतर को न्यूनतम करने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि वर्ष 2013-14 में हरियाणा के बिजली निगमों का कुल लाइन लॉस लगभग 34 प्रतिशत था, जिसमें अब उल्लेखनीय कमी आई है। इस पर केंद्रीय मंत्री ने संतोष व्यक्त करते हुए सुधार की गति को और तेज करने के निर्देश दिए। केंद्रीय ऊर्जा मंत्री ने राज्य में प्रीपेड मीटरिंग प्रणाली के क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि इसे चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाए। उन्होंने सुझाव दिया कि प्रथम चरण में सरकारी कार्यालयों, सरकारी भवनों और सरकारी कर्मचारियों के परिसरों में इसे लागू किया जाए। इसके पश्चात 10 किलोवाट से अधिक भार वाले उपभोक्ताओं तथा अन्य श्रेणियों के उपभोक्ताओं को इस प्रणाली से जोड़ा जाए। उन्होंने इस दिशा में निर्धारित समयसीमा के भीतर कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिए। स्मार्ट मीटरिंग योजना की समीक्षा के दौरान मनोहर लाल ने कहा कि स्मार्ट मीटरों का शीघ्र विस्तार बिजली क्षेत्र में पारदर्शिता और दक्षता बढ़ाने के साथ-साथ बिजली हानियों को कम करने में सहायक होगा।

कुरुक्षेत्र में 100 करोड़ से बनेगी राजस्व प्रशिक्षण अकादमी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने राजस्व प्रशासन को अधिक दक्ष, पारदर्शी और तकनीक-सक्षम बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए कुरुक्षेत्र के गांव उमरी में 100 करोड़ रुपये की लागत से हरियाणा राजस्व प्रशिक्षण अकादमी स्थापित करने को मंजूरी दी है। 14 एकड़ भूमि पर बनने वाली यह अत्याधुनिक अकादमी राजस्व अधिकारियों, पटवारियों और फील्ड कर्मचारियों को भूमि प्रशासन, डिजिटलीकरण, आपदा प्रबंधन और सार्वजनिक सेवा वितरण के आधुनिक प्रशिक्षण से सशक्त बनाते हुए राज्य में सुशासन को नई मजबूती प्रदान करेगी। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की वित्तीय आयुक्त डॉ. सुमिता मिश्रा ने मंलगवार को बताया कि यह अकादमी राजस्व अधिकारियों की पेशेवर क्षमताओं को बढ़ाने और उन्हें भूमि प्रशासन, आपदा प्रबंधन तथा सार्वजनिक सेवा वितरण की बदलती चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। यह निर्णय राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा अकादमी के लिए एक उपयुक्त स्थान की पहचान करने हेतु की गई विस्तृत चर्चा के बाद लिया गया है, जिसकी घोषणा हरियाणा बजट 2026-27 में की गई थी। कुरुक्षेत्र जिले से प्राप्त कई प्रस्तावों का मूल्यांकन करने के बाद सरकार ने इस परियोजना के लिए ग्राम पंचायत उमरी को सबसे उपयुक्त स्थान के रूप में चुना है।

डॉ. मिश्रा ने बताया कि उमरी में प्रस्तावित स्थल के कई राजनीतिक और प्रशासनिक लाभ हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर स्थित होने के कारण, यह भूमि हरियाणा के सभी हिस्सों के साथ-साथ पड़ोसी राज्यों से भी बेहतरीन कनेक्टिविटी प्रदान करती है। यह स्थल मिनी सचिवालय और तहसील परिसर से लगभग दो किलोमीटर की दूरी पर है, जिससे प्रमुख प्रशासनिक कार्यालयों और सरकारी विभागों तक आसानी से पहुँचा जा सकता है।

जल प्रबंधन पर साल 2051 तक की जरूरतों का रखें ध्यानः राव इंद्रजीत सिंह

एजेंसी

गुरुग्राम। गुरुग्राम को विश्वस्तरीय आधारभूत सुविधाओं से सुसज्जित करने की दिशा में चल रही प्रमुख विकास परियोजनाओं की प्रगति की केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने समीक्षा की। उन्होंने स्थानीय लघु सचिवालय में जीएमडीए, नगर निगम तथा अन्य संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में विभिन्न परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति, उनके निर्धारित समय में पूरा होने की संभावनाओं तथा कार्यों में तेजी लाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में पलवल-सोहना-मानेसर-सोनीपत ऑर्बिटल रेल कॉरिडोर, पुराना गुरुग्राम मेट्रो प्रोजेक्ट, दिल्ली-बावल आरआरटीएस कॉरिडोर, ग्रेटर एसपीआर रोड, खेड़की दौला से वाटिका चौक तथा वाटिका चौक से घाटा चौक तक एलिवेटेड एसपीआर रोड, नए राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण, एनसीआर वाटर चैनल से भूमिगत पाइपलाइन परियोजना, निजी बिल्डर सोसायटियों में एसटीपी निर्माण तथा वर्षा जल निकासी से जुड़ी योजनाओं की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में विभागवार अधिकारियों ने अपनी-अपनी परियोजनाओं की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए केंद्रीय मंत्री को

विभिन्न कार्यों की वर्तमान स्थिति से अवगत कराया। अधिकारियों ने बताया कि गुरुग्राम मेट्रो परियोजना का लगभग आठ प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। मिलेनियम सिटी सेंटर से सेक्टर-9 तक का कॉरिडोर अगस्त 2028 तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

जलापूर्ति से जुड़े विषयों की समीक्षा करते हुए केंद्रीय मंत्री ने एनसीआर वाटर चैनल तथा गुरुग्राम वाटर सप्लाई सिस्टम की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वर्ष 2051 तक की संभावित जनसंख्या वृद्धि को ध्यान में रखते हुए दीर्घकालिक जल प्रबंधन योजना तैयार की जाए, ताकि भविष्य में पानी की उपलब्धता को लेकर किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न न हो। सदर्न पेरिफेरल रोड (एसपीआर) परियोजना की समीक्षा के दौरान अधिकारियों ने बताया कि एनएच-48 से वाटिका चौक तक का निर्माण कार्य अक्टूबर माह में शुरू होने की संभावना है। वाटिका चौक का डिजाइन अंतिम चरण में है। उन्होंने बताया कि निर्माण कार्य शुरू होने के बाद इसे 30 माह के भीतर पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। बैठक के दौरान केंद्रीय मंत्री ने गुरुग्राम-पटौदी-रेवाड़ी राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण कार्यों की धीमी प्रगति पर नाराजगी जताई।

सीपीए सम्मेलन की सुरक्षा को हरियाणा-चंडीगढ़ पुलिस अलर्ट

एजेंसी

चंडीगढ़। राष्ट्रमंडल संसदीय संघ के जोन-2 सम्मेलन में सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता रहेगी। विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने हरियाणा और चंडीगढ़ पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर वीआईपी सुरक्षा, यातायात प्रबंधन, पार्किंग, एस्कॉर्ट और विभिन्न आयोजन स्थलों पर सुरक्षा इंतजामों की समीक्षा की। हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए) के उत्तर भारत क्षेत्र के जोन-2 सम्मेलन के मद्देनजर हरियाणा और यूटी चंडीगढ़ के शीर्ष पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में तय हुआ कि 8 से 10 जून तक होने वाली कॉन्फ्रेंस के दौरान हरियाणा और चंडीगढ़ पुलिस का हरियाणा विधान सभा के साथ बेहतर समन्वय के लिए राजपत्रित रैंक के अधिकारी को नोडल ऑफिसर बनाया जाएगा। कॉन्फ्रेंस के शुभारंभ मौके पर लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला को हरियाणा पुलिस की ओर से गार्ड ऑफ ऑनर दिया जाएगा। इसके लिए समुचित प्रबंध करने के निर्देश दिए गए हैं। सुरक्षा के एहतियाती उपायों के अंतर्गत दो मार्शल और सिविल ड्रेस में 25 सुरक्षा अधिकारी मुस्तैद रहेंगे। सुरक्षा कर्मियों के लिए वॉकी-टॉकी व दूसरे संचार उपकरणों के भी प्रबंध करने के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस अधिकारियों को बताया गया है कि कॉफ्रेंस से जुड़े आयोजन हरियाणा विधान सभा भवन, द ललित होटल, टैगोर थिएटर, सुखना लेक और पिंजौर स्थित यादविंद्रा गार्डन में होने हैं। इसलिए इन सभी स्थानों पर सुरक्षा और पार्किंग के समुचित प्रबंध किए जाएंगे। इन सभी स्थानों पर वाहनों की गहन जांच भी होगी। यह भी तय हुआ कि कॉन्फ्रेंस में भाग लेने वाले सभी पीठासीन अधिकारियों, उप-पीठासीन अधिकारियों, विधायकों को राज्यवार पीएसओ, समुचित वाहन व सुरक्षा उपलब्ध करवायी जाएगी। पीठासीन अधिकारियों, उप-पीठासीन अधिकारियों के लिए उचित सुरक्षा व्यवस्था प्रदान की जाएगी। कॉन्फ्रेंस के बाद हरियाणा, पंजाब और हिमाचल के दर्शनीय स्थलों के भ्रमण का भी कार्यक्रम है। इसके लिए भी एस्कॉर्ट और पायलेट की समुचित व्यवस्था करने पर विचार हुआ।

न्याय का अधिकार हर नागरिक तक पहुंचाना हमारा संकल्पः वाणी गोपाल शर्मा

एजेंसी

पानीपत। पानीपत, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) द्वारा जिला न्यायालय परिसर में मेगा लीगल सर्विसेज कैंप का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं डीएलएसए चेयरपर्सन वाणी गोपाल शर्मा ने की। इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं डीएलएसए चेयरपर्सन वाणी गोपाल शर्मा ने कहा कि न्याय केवल अदालतों तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय की पहुंच सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता है। कोई भी नागरिक आर्थिक, सामाजिक या अन्य किसी कारण से न्याय से वंचित न रहे, यही जिला विधिक सेवा प्राधिकरण का उद्देश्य है। इस तरह के मेगा लीगल सर्विसेज कैंप इसी सोच का परिणाम हैं, जहां लोगों को विभिन्न कार्यालयों के चक्कर लगाए बिना एक ही स्थान पर कानूनी सहायता और सरकारी सेवाओं की जानकारी उपलब्ध करवाई जाती है। उन्होंने कहा कि एक जागरूक नागरिक ही अपने अधिकारों की रक्षा कर सकता है। इसलिए कानूनी जागरूकता अभियान

और जनहित कार्यक्रम समाज को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने लोगों से निःशुल्क कानूनी सहायता योजनाओं का लाभ उठाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान चेयरपर्सन वाणी गोपाल शर्मा ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी और स्टॉलों का अवलोकन किया तथा अधिकारियों से विभागीय योजनाओं और जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण पर जोर देते हुए कहा कि प्रकृति का संरक्षण हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। प्रत्येक नागरिक को अधिक से अधिक पेड़ लगाने के साथ-साथ उनकी देखभाल भी करनी चाहिए, तभी आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और सुरक्षित पर्यावरण मिल सकेगा। मेगा लीगल सर्विसेज कैंप ने न केवल लोगों को कानूनी सहायता और सरकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की।

चंडीगढ़ की तर्ज पर विकसित होंगे मानेसर नगर निगम क्षेत्र के गोल चक्कर

एजेंसी

गुरुग्राम। नगर निगम मानेसर निगम क्षेत्र में एचएसवीपी की सडक़ों पर स्थित बड़े गोल चक्करों को चंडीगढ़ की तर्ज पर डिजाइन करेगा। इन सडक़ों पर करीब 35 किलोमीटर लंबी ग्रीन बेल्ट, सेंट्रल वर्ज को भी एनजीओ, कंपनियों, सोसाइटियों आदि से सीएसआर के तहत विकसित करवाया जाएगा। इन सडक़ों को डस्ट फ्री बनाने के लिए एंटी स्मोक टावर लगाए जाएंगें। एंटी स्मोक गन से इन सडक़ों पर नियमित पानी का छिडक़ाव करने की योजना बनाई गई है। नगर निगम आयुक्त प्रदीप सिंह ने निगम क्षेत्र की विभिन्न सडक़ों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने निगम अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि नगर निगम जरूरत के अनुसार एंटी स्मोक गन खरीदेगा। इनसे सडक़ों पर नियमित रूप से पानी का छिडक़ाव किया जाएगा। ग्रीन बेल्ट, सेंटर वर्ज को हरा-भरा और धूल मुक्त बनाने के लिए एसटीपी का संशोधित पानी का इस्तेमाल किया जाएगा। ज्यादा धूल वाले इलाकों में एंटी स्मोक टावर भी लगाने के आदेश आयुक्त ने दिए। उन्होंने कहा कि वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग के नियमानुसार सडक़ों को विकसित किया जाना चाहिए। आयुक्त प्रदीप सिंह ने निगम क्षेत्र में एचएसवीपी, जीएमडीए की विभिन्न सडक़ों को दौरा करते हुए कहा कि गांव रामपुरा से पटौदी रोड, वाटिका चैक से पटौदी रोड, एमथ्रीएम गैलरी सोसाइटी से गांव नौरंगपुर वाया शिकोहपुर रोड़ की ग्रीन बेल्ट, सेंट्रल वर्ज की एचएसवीपी, जीएमडीए से एनओसी लेकर नगर निगम अपने स्तर पर विकसित करेगा। इसके लिए निजी कंपनियों, एनजीओ, सोसाइटियों या बिल्डरों से सीएसआर फंड में विकसित करने का आग्रह किया जाएगा। इसके अलावा दादी सती चौक, जय सिंह चौक, बाबा कनाला चौक और राव हुकम चंद चौक को चण्डीगढ़ की तर्ज पर डिजाइन करके विकसित किया जाएगा।

बैंकों की कर्ज देने की रफ्तार से मुनाफा बढ़ा और बैड लोन का दबाव भी घटा

एक्सिस बैंक, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और आरबीएल बैंक ने अच्छी लोन ग्रोथ दिखाई

नई दिल्ली।

बैंकों के लिए मार्च तिमाही अच्छी रही है। पिछले कुछ समय से माइक्रोफाइनेंस और बिना गारंटी वाले कर्ज को लेकर जो चिंता बनी हुई थी, वह अब कम होती दिख रही है। बैंकों की कर्ज देने की रफ्तार भी अच्छी रही, मुनाफा बढ़ा और बैड लोन का दबाव भी घटा है। कुल मिलाकर बैंकिंग सेक्टर की तस्वीर पहले से काफी बेहतर नजर आ रही है। सेंट्रम की रिपोर्ट के मुताबिक, ज्यादातर बैंकों ने उम्मीद से अच्छे नतीजे दिए हैं। एक्सिस बैंक, एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और आरबीएल बैंक ने अच्छी लोन ग्रोथ दिखाई। वहीं उज्जीवन और सूर्योदय जैसे स्मॉल फाइनेंस बैंकों को माइक्रोफाइनेंस कारोबार में सुधार का फायदा मिला है।

मार्च तिमाही में कर्ज की मांग मजबूत रही। छोटे कारोबार, सर्विस सेक्टर, गोल्ड लोन, वाहन लोन और होम लोन में अच्छी बढ़ोतरी देखने को मिली। यही वजह रही कि बैंकों की लोन बुक तेजी से बढ़ी। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक की लोन बुक 21 फीसदी बढ़ी, उज्जीवन एसएफबी की 22 फीसदी और एयू एसएफबी की 19 फीसदी बढ़ी। बैंकों में जमा राशि यानी डिपॉजिट भी अच्छी रफ्तार से बढ़े, जिससे उनकी फंडिंग की स्थिति मजबूत हुई। आमतौर पर ब्याज दरें घटने पर बैंकों की कमाई पर दबाव आता है, लेकिन इस बार ऐसा नहीं हुआ। बैंकों को जमा पर कम ब्याज देना पड़ा, जिससे उनकी कमाई बेहतर रही। फेडरल बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और एयू बैंक के मार्जिन में सुधार देखने को मिला। स्मॉल फाइनेंस बैंकों में इक्विटास, उज्जीवन और सूर्योदय ने सबसे ज्यादा सुधार दिखाया। रिपोर्ट का मानना है कि अगर ब्याज दरों में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ तो आने वाले समय में भी बैंकों की कमाई अच्छी रह सकती है। सबसे राहत वाली बात यह है कि बैड लोन बढ़ने की रफ्तार थम गई है। नए फंसे कर्ज कम हुए हैं और बैंकों को बैड लोन के लिए कम पैसा अलग रखना पड़ा है। एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और फेडरल बैंक की एसेट क्वालिटी मजबूत बनी हुई है। वहीं आईडीएफसी फर्स्ट बैंक, आरबीएल बैंक, इक्विटास और उज्जीवन में भी हालात सुधरे हैं। रिपोर्ट का कहना है कि माइक्रोफाइनेंस सेक्टर में जो संकट पिछले कुछ समय से बना हुआ था, उसका सबसे मुश्किल दौर अब पीछे छूटता दिख रहा है। इससे आने वाले महीनों में बैंकों की कमाई और बेहतर हो सकती है।

मारुति सुजुकी और टोयोटा मिलकर कई नए मॉडल करेंगी लॉन्च

नई दिल्ली ।

भारतीय बाजार में मारुति सुजुकी और टोयोटा मिलकर कई नए मॉडल लॉन्च करने की तैयारी कर रही हैं। अपकमिंग मॉडलों में इलेक्ट्रिक और पेट्रोल दोनों तरह के विकल्प शामिल होंगे। इनमें लंबी रेंज वाली इलेक्ट्रिक कारों के साथ एक नई माइक्रो एसयूवी भी पेश की जाएगी। मारुति सुजुकी अपनी पहली सात-सीटर इलेक्ट्रिक एमपीवी पर काम कर रही है, जिसे फिलहाल वाईएमसी कोडनेम दिया गया है। इस मॉडल को वर्ष 2026 के अंत तक लॉन्च किए जाने की संभावना है। इसमें वेंटिलेटेड सीट्स, 360 डिग्री कैमरा, पैनोरमिक सनरूफ और लेवल-2 एडास जैसी आधुनिक सुविधाएं मिल सकती हैं। वाहन में 49 किलोवाट-घंटा और 61 किलोवाट-घंटा बैटरी पैक के विकल्प मिलने की उम्मीद है, जो क्रमशः लगभग 440 और 543 किलोमीटर की रेंज प्रदान कर सकते हैं। मारुति के इस मॉडल के बाद टोयोटा भी इसी प्लेटफॉर्म पर आधारित अपना संस्करण बाजार में उतारेगी। हालांकि तकनीकी रूप से दोनों वाहन काफी हद तक समान होंगे, लेकिन डिजाइन और बाहरी स्टाइलिंग में अंतर देखने को मिलेगा। इसके अलावा मारुति सुजुकी ने हाल ही में इग्निस को बंद किया है और उसकी जगह एक नई माइक्रो एसयूवी विकसित की जा रही है। वाई43 कोडनेम वाली यह गाड़ी टाटा पंच और हुंडई एक्सटर जैसी कारों को चुनौती देगी। इसमें नई स्विफ्ट वाला 1.2 लीटर तीन सिलेंडर पेट्रोल इंजन मिलने की संभावना है।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 303, निफ्टी 77 अंक नीचे आया

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार बुधवार को गिरावट पर बंद हुए।

सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट ईरान-अमेरिका तनाव के कारण दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही आईटी शेयरों में विकवाली हावी रहने से आई है।आज दिग्गज आईटी कंपनी इन्फोसिस, टीसीएस के अलावा टेक महिंद्रा और एचसीएल टेक के शेयर टूट गये। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 303.67 अंक फिसलकर 74,346.17 अंकों पर बंद हुआ। जबकि, एनएसई का निफ्टी 50 इंडेक्स भी 77.95 अंक नीचे आकर 23,405.60 अंकों पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की 30 में से केवल 11 कंपनियों के शेयर ही ऊपर आये। वहीं अन्य सभी 19 कंपनियों के शेयरों में गिरावट रही। दूसरी ओर निफ्टी की केवल 19 कंपनियों के शेयर ही तेजी के साथ बंद हुए। वहीं 30 शेयर गिरे। सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल इंडिगो के शेयर आज सबसे ज्यादा 1.57 फीसदी उछले जबकि, टीसीएस के शेयर सबसे ज्यादा 8.43 फीसदी गिरे। वहीं सेंसेक्स की अन्य कंपनियों की बात करें तो आज आईसीआईसीआई बैंक , ट्रेंट , पावर ग्रिड 1.01 प्रतिशत, कोटक महिंद्रा बैंक , एचडीएफसी बैंक , एक्सिस बैंक , भारती एयरटेल , टाटा स्टील के शेयर तेजी के साथ बंद हुए। दूसरी ओर टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक समेत ये नीचे आये। इसके अलावा इन्फोसिस, आईटीसी, एलएंडटी , बजाज फाइनेंस, अडाणी पोर्ट्स , एशियन पेंट्स , बजाज फिनसर्व , टाइटन , बीईएल 0.31, रिलायंस इंडस्ट्रीज, अल्ट्राटेक सीमेंट , एनटीपीसी , हिंदुस्तान यूनिलीवर, मारुति सुजुकी के शेयर गिरे। इससे पहले आज सुबह बाजार बुधवार को गिरावट के साथ खुला।

आज सुबह सेंसेक्स 800 अंक गिरा, वहीं निफ्टी 23,300 के नीचे खुला।

डॉलर मजबूत, रुपया कमजोर

मुम्बई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपये में गिरावट दर्ज की गयी। आज सुबह दुनिया की 6 प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को दिखाने वाला डॉलर इंडेक्स बढ़कर 99.24 के स्तर पर पहुंच गया। डॉलर की इस मजबूती का प्रभाव भारतीय मुद्रा पर भी पड़ा, वहीं पिछले कारोबारी सत्र में रुपया 0.28 फीसदी की गिरावट के साथ डॉलर के मुकाबले रुपया 95.27 के स्तर पर बंद हुआ था।

सोने में तेजी, चांदी में नरमी

नई दिल्ली ।

घरेलू बाजार में बुधवार सुबह जहां सोने की वायदा कीमतों में तेजी आई। वहीं चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गयी। घरेलू बाजार में आज सुबह सोने के वायदा भाव 1,59,350 रुपये, जबकि चांदी के भाव 2,66,250 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी की कीमतें नीचे आयी हैं। सोने के वायदा भाव की शुरुआत आज बढ़त के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्सा) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त अनुबंध 101 रुपये बढ़कर 1,59,447 रुपये के स्तर पर खुला। वहीं इसका पिछला बंद भाव 1,59,346 रुपये था। सोने के वायदा भाव इस साल 1,80,779 रुपये के सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे। वहीं चांदी के वायदा भाव की शुरुआत कमजोर रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई अनुबंध आज 39 रुपये टूटकर 2,66,668 रुपये पर खुला। वहीं इसका पिछला बंद भाव 2,66,707 रुपये था। ये 2,66,672 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 2,66,066 रुपये के भाव पर दिन के निचला स्तर पर पहुंचा। चांदी के भाव 3 लाख रुपये पार कर चुके हैं। चांदी के वायदा भाव इस साल 4,20,048 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे थे। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने चांदी के वायदा भाव में कमी रही। कॉमेक्स पर पर सोना आज 4,520 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। वहीं इसका पिछला बंद भाव 4,519.90 डॉलर प्रति औंस था। एक समय पर ये 12.80 डॉलर की गिरावट के साथ 4,507.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के भाव ने इस साल 5,586.20 डॉलर के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 75.49 डॉलर के भाव पर खुले। पिछला बंद भाव 75.55 डॉलर था।

कपास आयात शुल्क हटने से भारतीय बाजार में गिरावट, कपड़ा उद्योग को राहत

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने हाल ही में विदेशी कपास पर लगने वाले आयात शुल्क को हटाया है, जिसका उद्देश्य टेक्सटाइल और गारमेंट उद्योग पर बढ़ते दबाव को कम करना था। एक ओर जहां फैसले से कपड़ा उद्योग को राहत मिली है, वहीं दूसरी ओर घरेलू बाजार में भारतीय कपास की मांग और कीमतों में गिरावट दर्ज की गई है। आयात शुल्क हटने के बाद भारतीय कपास की कीमतें तेजी से गिरी हैं। मिल मालिक अब विदेश से सस्ता कपास मंगाना पसंद कर रहे हैं। ताजा जानकारी के अनुसार, कॉटन कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (सीसीआई) ने अपनी नई फसल के कपास की कीमत में प्रति गांठ 700 रुपये की कटौती की है। इसके बावजूद, केवल 700 गांठ खरीदने की मांग आई, जो मुख्य रूप से मिल मालिकों की ओर से थी, जो दिखाता है कि घरेलू कपास की खरीदारी काफी धीमी हो गई है।

अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में कपास के वायदा भाव में कुछ उतार-चढ़ाव देखा गया है। आईसीई पर कपास के वायदा भाव में 1.68 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, जो लगभग 77.44 सेंट प्रति पाउंड पर रहा। फरवरी की शुरुआत से इसमें 47 फीसदी की तेजी देखी गई थी, हालांकि हाल के दिनों में इसमें थोड़ी गिरावट आई है, लेकिन यह अभी भी भारतीय मिलों के लिए एक आकर्षक विकल्प बना हुआ है।

केंद्र सरकार ने 11 प्रतिशत के आयात शुल्क को 1 जून से 31 अक्टूबर तक के लिए अस्थायी रूप से हटाया है। सरकार का कहना है कि इस फैसले से भारतीय किसानों के हितों का ध्यान रखा गया है, क्योंकि यह नई खरीफ फसल आने तक ही प्रभावी

रहेगा। हालांकि, इस फैसले से घरेलू कीमतों में आई कमी ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है, जो अपनी उपज के उचित दाम को लेकर आशंकित हैं। इस कदम से टेक्सटाइल और गारमेंट इंडस्ट्री को सीधा फायदा मिल रहा है। उद्योग से जुड़े संगठनों ने लगातार मांग की थी कि आयात शुल्क के कारण कच्चा माल महंगा हो रहा है, जिससे वे वैश्विक प्रतिस्पर्धा में पिछड़ रहे हैं। भारत में कपड़ा उद्योग 4.5 करोड़ लोगों को रोजगार देता है, और सरकार का यह अस्थाई फैसला उन्हें कुछ हद तक राहत प्रदान कर सकता है।

भारत समेत 60 देशों से आने वाले सामान पर अतिरिक्त शुल्क लगाएगा अमेरिका!

-अमेरिका के प्रस्ताव से भारत की चिंता बढ़ी, व्यापार समझौते पर पड़ेगा असर

नई दिल्ली।

भारत-अमेरिका के बीच व्यापार समझौते को लेकर चल रही बातचीत में अमेरिका ने एक ऐसा प्रस्ताव रखा है जिससे भारत की चिंता बढ़ सकती है। अमेरिका ने भारत समेत 60 देशों से आने वाले सामान पर अतिरिक्त शुल्क लगाने की बात कही है। अमेरिका का कहना है कि इन देशों ने ऐसे सामान के आयात को रोकने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठाए हैं, जो जबरन मजदूरी से बनाए गए हो। इसी वजह से इन देशों से आने वाले उत्पादों पर अतिरिक्त टैक्स लगाने का प्रस्ताव रखा है। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि ने कहा है कि भारत उन 54 देशों में शामिल है जिन्होंने ऐसे उत्पादों के आयात पर प्रभावी रोक नहीं लगाई है। इस सूची में चीन, बांग्लादेश, जापान, दक्षिण कोरिया, ब्रिटेन, वियतनाम और ऑस्ट्रेलिया जैसे कई बड़े देश शामिल हैं।यह प्रस्ताव ऐसे समय आया है जब भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने की कोशिश जारी है। अमेरिका के मुख्य वार्ताकार ब्रेंडन लिंच इन दिनों नई दिल्ली में भारतीय अधिकारियों के साथ बातचीत कर रहे हैं। ऐसे में अगर यह प्रस्ताव आगे बढ़ता है तो दोनों देशों के बीच चल रही बातचीत मुश्किल में पड़ सकती है। अब सिर्फ आयात शुल्क और बाजार पहुंच ही नहीं, बल्कि श्रम कानूनों और सप्लाई चेन से जुड़े मुद्दे भी बातचीत का हिस्सा बन सकते हैं।अमेरिका ने कहा है कि जिन देशों में जबरन मजदूरी से बने सामान पर कोई प्रभावी रोक नहीं है, वहां से आने वाले उत्पादों पर 12.5 फीसदी अतिरिक्त शुल्क लगाया जा सकता है। अमेरिका का कहना है कि अगर कुछ देशों में जबरन मजदूरी से बने सामान आसानी से बाजार में पहुंच जाते हैं, तो वहां की कंपनियों की लागत कम हो जाती है।

इससे उन कंपनियों को नुकसान होता है जो श्रम नियमों का पालन करती हैं। अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि जैमिसन ग्रीयर ने कहा कि दुनिया के बड़े व्यापारिक साझेदारों का इस मुद्दे पर कार्रवाई नहीं करना स्वीकार नहीं किया जा सकता। इससे अमेरिकी कंपनियों और कामगारों को नुकसान होता है।

टाटा की किफायती कारें है 360 डिग्री कैमरा से लैस

नई दिल्ली ।

ग्राहकों की बढ़ती मांग को देखते हुए वाहन निर्माता कंपनियां अब बजट कारों में भी 360 डिग्री कैमरा की सुविधा उपलब्ध करा रही हैं। कारों में यह फीचर ड्राइविंग को सुरक्षित और आसान बनाता है, खासकर पार्किंग, रिवर्सिंग और भीड़भाड़ वाले इलाकों में वाहन चलाते समय। हाल ही में टाटा मोटर्स ने अपनी लोकप्रिय हैचबैक टियागो में 360 डिग्री कैमरा शामिल कर इसे इस सुविधा वाली देश की सबसे सस्ती कारों में शामिल कर दिया है। टाटा टियागो की कीमत 6.99 लाख रुपये से शुरू होती है और इसके क्रिएटिव वेरिएंट से 360 डिग्री कैमरा मिलता है। इसके बाद टाटा पंच का नाम आता है, जिसकी शुरुआती कीमत 7.65 लाख रुपये है। इसमें एडवेंचर वेरिएंट से यह सुविधा उपलब्ध है। पंच का कैमरा सिस्टम शहरों में आसान ड्राइविंग और पार्किंग के लिए उपयोगी माना जाता है। टाटा टिगोर भी इस सूची में शामिल है। इसकी कीमत 7.83 लाख रुपये से शुरू होती है और टॉप वेरिएंट एक्सजेड प्लस लक्स में 360 डिग्री कैमरा दिया गया है। वहीं टाटा अल्ट्रोज के क्रिएटिव वेरिएंट में एचडी 360 डिग्री कैमरा उपलब्ध कराया गया है। इसकी कीमत 8.02 लाख रुपये से शुरू होती है और बेहतर कैमरा क्वालिटी इसकी खासियत मानी जा रही है।

ट्रकों और निर्माण उपकरणों की मांग में सुधार के संकेत, कार-ट्रैक्टर सेगमेंट मजबूत नहीं

नई दिल्ली।

दुनिया भर के ऑटो बाजार में 2026 की शुरुआत मिली-जुली रही है। ट्रकों और निर्माण उपकरणों की मांग में सुधार के संकेत दिख रहे हैं, लेकिन कार और ट्रैक्टर सेगमेंट में तस्वीर उतनी मजबूत नहीं है। ऐसे में जिन भारतीय कंपनियों का कारोबार विदेशों में भी फैला हुआ है, उन्हें इसका फायदा मिल सकता है। नुवामा की रिपोर्ट के मुताबिक समवर्धना मदरसन, बालकृष्ण इंडस्ट्रीज और कुछ अन्य ऑटो कंपोनेंट कंपनियां आने वाले समय में उद्योग की औसत वृद्धि से बेहतर प्रदर्शन कर सकती हैं। इसकी वजह इनकी मजबूत ऑर्डर बुक और अलग-अलग बाजारों में मौजूदगी है। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका और यूरोप में भारी ट्रकों की मांग 2026 में बढ़ सकती है। अमेरिका में पुराने ट्रकों को बदलने की जरूरत, माल ढुलाई कारोबार में सुधार और इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स इस मांग को बढ़ावा दे सकते हैं। वहीं यूरोप में भी मजबूत ऑर्डर बुक से बिक्री को सहारा मिलने की उम्मीद है। भारत में हालांकि मध्यम और भारी वाणिज्यिक वाहन बाजार बहुत तेज रफ्तार से बढ़ता नहीं दिख रहा। यहां मांग लगभग स्थिर रह सकती है। अमेरिका में इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च, डेटा सेंटर निर्माण और किराए पर मशीनों की मजबूत मांग निर्माण उपकरण उद्योग के लिए अच्छी खबर है। रिपोर्ट के मुताबिक छोटे ट्रैक्टरों की मांग में कुछ सुधार आ सकता है, लेकिन बड़े ट्रैक्टरों की बिक्री दबाव में रह सकती है। भारत में ट्रैक्टर उद्योग के सामने ऊंचे आधार, कमजोर मानसून की आशंका और सरकारी सब्सिडी की कमी जैसी चुनौतियां बनी हैं। इसलिए यहां बहुत तेज ग्रोथ की उम्मीद नहीं है। कार कंपनियों के लिए 2026 आसान नहीं दिख रहा। यूरोप में बिक्री बढ़ी है, लेकिन अमेरिका और चीन जैसे बड़े बाजारों में कमजोरी देखने को मिली है। बीएमडब्ल्यू, फॉक्सवैगन, ऑडी, जेएलआर और मर्सिडीज जैसी कई बड़ी कंपनियों की बिक्री पर दबाव रहा। हालांकि भारत में तस्वीर थोड़ी बेहतर है। टाटा मोटर्स का अनुमान है कि घरेलू यात्री वाहन उद्योग इस साल करीब 10 फीसदी की बढ़ोतरी हो सकती है।

पश्चिम एशिया में युद्ध जैसे हालात से महंगे हुए ड्राई फ्रूट्स, 25फीसदी तक बढ़ीं कीमतें

ईरान-अफगानिस्तान से होने वाली ड्राई फ्रूट्स सप्लाई पर पड़ा असर

नई दिल्ली।

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और युद्ध जैसे हालात के कारण भारत के ड्राई फ्रूट बाजार पर गहरा असर पड़ा है। ईरान और अफगानिस्तान से होने वाली पिस्ता, अंजीर, खजूर और दूसरे ड्राई फ्रूट्स की सप्लाई पर असर हुआ है। इसके चलते कीमतें तेजी से बढ़ रही हैं। कारोबारियों का कहना है कि यदि यही हालात रहे तो त्योहारों के सीजन में ग्राहकों को ड्राई फ्रूट काफी महंगे दाम पर खरीदने पड़ सकते हैं। पिस्ता की कीमतों में 20 से 25 फीसदी और अंजीर में करीब 10 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। कई प्रमुख ड्राई फ्रूट्स की कीमतें 10 से 25 फीसदी तक बढ़ गई हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक युद्ध के कारण शिपिंग, बीमा और फ्रेट चार्ज बढ़ गए हैं, जो माल पहले कुछ ही दिनों में पहुंच जाता था, अब उसे आने में बहुत ज्यादा समय लग रहा है क्योंकि कई समुद्री रास्ते और बंदरगाह प्रभावित हैं। माल के लंबे समय तक रास्तों में फंसे रहने के कारण ड्राई फ्रूट्स की गुणवत्ता खराब होने का भी डर बना है, क्योंकि इन्हें विशेष स्टोरेज और तापमान की जरुरत होती है।

राहत की बात यह है कि काजू और किशमिश की कीमतों में फिलहाल बड़ी तेजी की संभावना नहीं है, क्योंकि भारत में इनका उत्पादन होता है और इनकी स्थिति फिलहाल संतुलित है। विशेषज्ञों का मानना है कि असली चुनौती अगस्त-सितंबर से शुरू होने वाले त्योहारी सीजन में आएगी।

यदि तब तक सप्लाई सामान्य नहीं हुई, तो बढ़ती मांग के कारण कीमतें और भी बढ़ सकती हैं, जिससे मांग में 10 से 15 फीसदी की गिरावट आ सकती है। कारोबारियों के मुताबिक यदि तनाव आज समाप्त भी हो जाए, तो सप्लाई चेन को पूरी तरह सामान्य होने में 3 से 6 महीने का समय लग सकता है।

लॉन्च से पहले जांचे जाएंगे एआई मॉडल, टेक कंपनियों में मची हलचल

ट्रंप ने एआई से जुड़े राष्ट्रीय सुरक्षा जोखिमों पर नजर रखने जारी किया आदेश

नई दिल्ली।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एआई से जुड़े राष्ट्रीय सुरक्षा जोखिमों पर नजर रखने के लिए एक नया एग्जीक्यूटिव ऑर्डर जारी किया है। इस आदेश के तहत संघीय सरकार को सबसे उन्नत एआई सिस्टम के सार्वजनिक लॉन्च से पहले उनकी समीक्षा करने का ढांचा मिलेगा। इस प्रक्रिया में भाग लेना एआई कंपनियों के लिए स्वैच्छिक रहेगा। नए आदेश में कहा गया है कि एआई की उन्नत क्षमताएं अमेरिका को और मजबूत बना सकती हैं, लेकिन इसके साथ कुछ नए राष्ट्रीय सुरक्षा संबंधी जोखिम भी हैं। ऐसे जोखिमों से निपटने के लिए कई सरकारी विभागों और एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय की जरुरत है।

मीडिया रिपोर्ट में आदेश के मुताबिक सरकार किसी भी उन्नत एआई मॉडल या सिस्टम की सार्वजनिक रिलीज से पहले अधिकतम 30 दिनों तक समीक्षा कर सकेगी। यह समयसीमा तकनीकी क्षेत्र की अपेक्षाओं से कम मानी जा रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि लंबी समीक्षा प्रक्रिया तेजी से बदलते और प्रतिस्पर्धी एआई उद्योग पर अतिरिक्त बोझ डाल सकती थी। यह आदेश ऐसे समय में आया है जब ट्रंप ने 21 मई को एक समान प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया था। उस समय उनकी चिंता थी कि अत्यधिक नियमन से अमेरिका की तकनीकी प्रतिस्पर्धा और नवाचार की गति पर असर पड़ा सकता है।

हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि नया आदेश पहले प्रस्तावित नीति से कितना अलग है। ट्रंप ने एक नए कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके तहत अत्याधुनिक एआई सिस्टम विकसित करने वाली कंपनियों को स्वेच्छा से अपने उन्नत साइबर मॉडल सरकार के साथ साझा करने का अवसर दिया जाएगा। इसका उद्देश्य देश के अहम बुनियादी ढांचे की सुरक्षा मजबूत करना और सरकारी साइबर रक्षा क्षमताओं को बेहतर बनाना है। रिपोर्ट्स के मुताबिक ट्रंप ने पिछले महीने टेक उद्योग के शीर्ष अधिकारियों के साथ होने वाला एक ओवल ऑफिस कार्यक्रम रद्द कर दिया था क्योंकि उन्हें आदेश के शुरुआती मसौदे पर आपत्ति थी। इस कार्यक्रम में कई प्रमुख एआई कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल होने वाले थे, लेकिन अंततः ट्रंप ने बिना किसी औपचारिक समारोह के आदेश पर हस्ताक्षर कर दिए।

एमपीसी बैठक में ब्याज दरों में बदलाव की संभावना कम, रेपो रेट 5.25 फीसदी ही रहेगी?

रुपए के कमजोर होने से आयात महंगा हुआ, घरेलू महंगाई पर पड़ सकता है असर

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक की आगामी मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) बैठक में ब्याज दरों में बदलाव की संभावना कम है। बढ़ती महंगाई और वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद आरबीआई रेपो रेट को 5.25 फीसदी पर बरकरार रख सकता है। हालांकि बाजार की नजर इस बात पर रहेगी कि आरबीआई आगे ब्याज दरों को लेकर क्या संकेत देता है। ब्रोकरेज फर्म नुवामा का कहना है कि हाल के दिनों में महंगाई का दबाव बढ़ा है। ईरान और अमेरिका के बीच बढ़े तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतें चढ़ी हैं, जिससे वैश्विक सप्लाई चेन पर असर पड़ा है। वहीं रुपए में कमजोरी आने से आयात महंगा हुआ है, जिसका असर घरेलू महंगाई पर पड़ सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक कई कंपनियों ने कीमतें बढ़ा दी हैं। इसके अलावा इस साल मानसून सामान्य से कमजोर रह सकता है। अनुमान है कि बारिश दीर्घकालिक औसत का करीब 90 फीसदी रह सकती है, जो 2015 के बाद सबसे कम स्तर होगा। अगर ऐसा होता है तो खाद्य महंगाई बढ़ सकती है। देश के बाहरी क्षेत्र की स्थिति भी सहज नहीं है। निर्यात में खास तेजी नहीं दिख रही, जबकि तेल, सोना और इलेक्ट्रॉनिक्स के आयात लगातार बढ़ रहे हैं। दूसरी ओर विदेशी निवेशकों की बिकवाली जारी है और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश कमजोर है। इससे भुगतान संतुलन (बीओपी) पर दबाव बना रह सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक महंगाई बढ़ने के बावजूद अर्थव्यवस्था की रफ्तार को लेकर चिंता बनी हुई है। आर्थिक सुधार अभी सभी क्षेत्रों में समान रूप से नहीं दिख रहा है। निजी निवेश में तेजी नहीं आई है और पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव कंपनियों की लागत बढ़ा सकता है।

दो टूक- टूटते भरोसे के वेंटिलेटर पर देश की परीक्षा व्यवस्था

योगेश कुमार गोयल

बसे महत्वपूर्ण है राजनीतिक और प्रशासनिक इच्छाशक्ति। जब तक सरकार इस समस्या को 'राष्ट्रीय आपदा' की तरह नहीं देखेगी, तब तक आधे-अधूरे समाधान ही सामने आएंगे। नीट-यूजी 2026, सीबीएसई ओएसएम विवाद और एसएससी परीक्षा धांधली, ये घटनाएं चेतावनी हैं। यदि अब भी कठोर और स्थायी सुधार नहीं किए गए तो आने वाले समय में हर परीक्षा संदेह के घेरे में होगी। तब सबसे बड़ी त्रासदी यह नहीं होगी कि पेपर लीक हुआ बल्कि यह होगी कि देश के युवाओं का विश्वास पूरी तरह टूट जाएगा।

भारत में परीक्षा अब केवल योग्यता का आकलन नहीं रह गई है बल्कि यह करोड़ों सपनों की निर्णायक कसौटी बन चुकी है लेकिन जब यही कसौटी बार-बार संदिग्ध हो जाए, जब मेहनत और ईमानदारी की जगह 'जुगाड़' और 'माफिया नेटवर्क' हावी हो जाएं, तब यह केवल परीक्षा का संकट नहीं बल्कि राष्ट्र के भविष्य का संकट बन जाता है। पेपर लीक के चलते नीट-यूजी 2026 परीक्षा का रद्द होना, सीबीएसई की ऑन स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) प्रणाली पर उठे गंभीर सवाल और एसएससी जीडी परीक्षा में धांधली, ये घटनाएं मिलकर यह साबित करती हैं कि भारत की परीक्षा प्रणाली अब गहरे संस्थागत संकट में फंस चुकी है और भारत की परीक्षा प्रणाली अब वेंटिलेटर पर है। नीट-यूजी 2026 का घटनाक्रम तो इस विफलता की सबसे भयावह तस्वीर पेश करता है। लगभग 22.79 लाख छात्रों की मेहनत, उनके परिवारों के त्याग और वर्षों की तैयारी एक झटके में शून्य हो गई। यह केवल एक परीक्षा का रद्द होना नहीं था बल्कि उस विश्वास का टूटना था, जिस पर पूरी शिक्षा व्यवस्था टिकी हुई है। इससे भी अधिक चिंताजनक तथ्य यह है कि इस बार मामला केवल बाहरी गिरोहों तक सीमित नहीं रहा बल्कि जांच में राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के भीतर तक मिलीभगत के आरोप सामने आए। सीबीआई की जांच और संसदीय समिति की पूछताछ में यह संकेत मिले हैं कि प्रश्नपत्र तैयार करने और परीक्षा प्रबंधन से जुड़े कुछ अधिकारियों ने मोटी रकम लेकर चुनिंदा छात्रों तक प्रश्नपत्र पहुंचाने का काम किया। यदि ये आरोप सही हैं तो यह केवल भ्रष्टाचार नहीं बल्कि संस्थागत विश्वासघात है। जिस संस्था को निष्पक्षता की गारंटी देनी थी, वही यदि धांधली का हिस्सा बन जाए तो पूरी व्यवस्था का नैतिक आधार ही खत्म हो जाता है। नीट पेपर लीक की प्रकृति भी सामान्य नहीं थी। 'गेस पेपर' के नाम पर लगभग 150 से अधिक प्रश्नों का हूबहू मिल जाना, परीक्षा से पहले 600 अंकों तक के सवालों का प्रसार, व्हाट्सएप और टेलीग्राम जैसे प्लेटफॉर्म्स पर खुलेआम प्रश्नपत्र का घूमना, ये सब किसी संयोग का परिणाम नहीं हो सकते। यह एक संगठित, बहुस्तरीय और तकनीकी रूप से सक्षम नेटवर्क का संकेत है, जो परीक्षा प्रणाली की हर कमजोर कड़ी को भेद चुका है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि 2024 में पेपर लीक के बाद भी कोई ठोस सुधार क्यों नहीं हुआ? सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों, जांच समितियों और सिफारिशों के बावजूद 2026 में स्थिति और बदतर कैसे हो गई? इसका सीधा अर्थ है कि समस्या तकनीकी कम और इच्छाशक्ति की अधिक है।

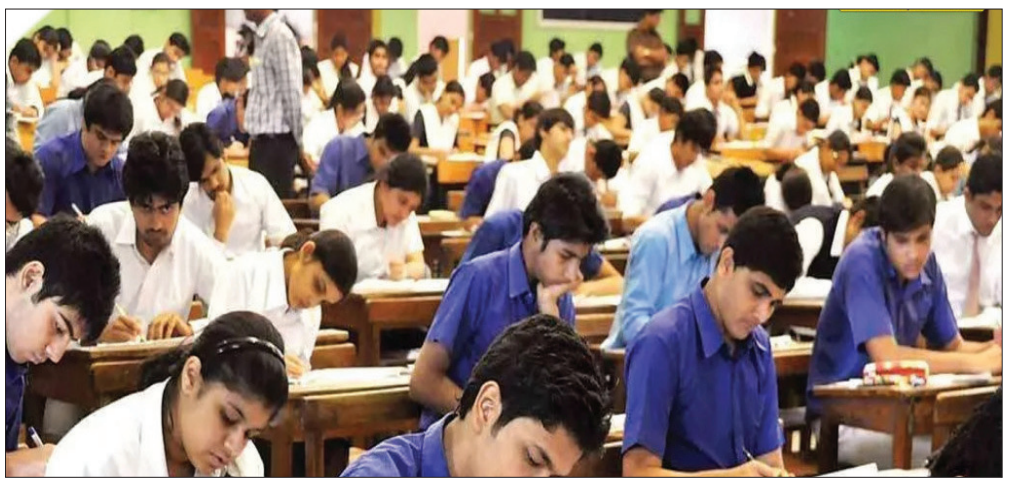

भारत की परीक्षा प्रणाली का ढ़ांचा ही कई स्तरों पर कमजोर है। प्रश्नपत्रों की छपाई से लेकर वितरण तक की प्रक्रिया में निजी एजेंसियों और आउटसोर्स कर्मचारियों की बड़ी भूमिका रहती है। यही वह जगह है, जहां से माफिया नेटवर्क अपनी जड़ें जमाता है। जब प्रश्नपत्र परीक्षा केंद्र तक पहुंचने से पहले ही स्कैन होकर डिजिटल रूप में फैल सकता है तो यह स्पष्ट संकेत है कि सुरक्षा तंत्र केवल कागजों पर मजबूत है, जमीन पर नहीं। दूसरी ओर, कोचिंग उद्योग का अनियंत्रित विस्तार इस संकट को और गहरा कर रहा है। मेडिकल और इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षाएं अब हजारों करोड़ रुपये का बाजार बन चुकी हैं। इस बाजार में 'सफलता' एक उत्पाद है, जिसे खरीदने के लिए छात्र और अभिभावक किसी भी हद तक जाने को मजबूर हैं। इसी मानसिकता का फायदा उठाकर एजुकेशन माफिया 'सीक्रेट पेपर', '100 प्रतिशत सलेक्शन गारंटी' और ह्यइनसाइडर एक्सेसह्न जैसे झूठे वादों के जरिए पूरे सिस्टम को खोखला कर रहा है।

यदि नीट प्रकरण परीक्षा प्रणाली की सुरक्षा पर सवाल खड़ा करता है तो सीबीएसई का ओएसएम विवाद मूल्यांकन प्रणाली की विश्वसनीयता पर गंभीर चोट करता है। डिजिटल मूल्यांकन को पारदर्शिता और दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से लागू किया गया था लेकिन इसके परिणाम उलटे दिखाई दिए। पास प्रतिशत में गिरावट, मेधावी छात्रों को अपेक्षा से कम अंक मिलना और स्कैन की गई कॉपियों में भारी गड़बड़ियां, ये सब इस बात के संकेत हैं कि तकनीक को बिना पर्याप्त तैयारी और परीक्षण के लागू किया गया। कई छात्रों ने शिकायत की कि उनकी कॉपियां धुंधली थी, कुछ को गलत उत्तर पुस्तिकाएं मिली और कुछ मामलों में तो पूरी कॉपी ही किसी और की थी। यह स्थिति केवल तकनीकी त्रुटि नहीं मानी जा सकती बल्कि यह सरासर गंभीर प्रशासनिक लापरवाही है। यदि एक छात्र की मेहनत को किसी दूसरे की कॉपी से बदल दिया जाए तो यह केवल गलती नहीं है बल्कि उस छात्र के भविष्य के साथ सीधा खिलवाड़ है। शिक्षा मंत्रालय और बोर्ड भले ही इन खामियों को सीमित मामलों तक बताकर पल्ला झाड़ने की कोशिश करें लेकिन छात्रों में बढ़ता असंतोष इस बात का प्रमाण है कि समस्या व्यापक है।

तीसरी बड़ी घटना, एसएससी कांस्टेबल जीडी परीक्षा में धांधली, इस बात को और स्पष्ट करती है कि यह संकट किसी एक परीक्षा या संस्था तक सीमित नहीं है। उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड जैसे राज्यों में पेपर लीक, तकनीकी खराबी और प्रशासनिक अव्यवस्था के कारण परीक्षा रद्द करनी पड़ी। ग्रेटर नोएडा में यूपी एसटीएफ द्वारा पकड़े गए रैकेट ने इस धांधली के आधुनिक रूप को उजागर किया। प्रॉक्सी सर्वर, स्क्रीन शेयरिंग ऐप्स और डमी कैंडिडेट्स के जरिए परीक्षा में हेरफेर किया जा रहा था। यह पारंपरिक नकल या पेपर लीक से कहीं अधिक खतरनाक है क्योंकि इसमें तकनीक का इस्तेमाल कर पूरी प्रणाली को भीतर से हैक किया जा रहा है। इन तीनों घटनाओं को एक साथ देखें तो एक भयावह तस्वीर उभरती है, एक ऐसी व्यवस्था, जहां प्रश्नपत्र सुरक्षित नहीं, मूल्यांकन विश्वसनीय नहीं और परीक्षा प्रक्रिया पारदर्शी नहीं है। सबसे अधिक पीड़ित वह छात्र है, जो ईमानदारी से मेहनत करता है। ग्रामीण क्षेत्रों के हजारों छात्र, जिनके माता-पिता ने कर्ज लेकर या जमीन गिरवी रखकर उन्हें कोचिंग दिलाई, आज सबसे ज्यादा निराश हैं। एक परीक्षा रद्द होने का मतलब केवल दोबारा परीक्षा देना नहीं होता बल्कि यह मानसिक तनाव, आर्थिक बोझ और आत्मविश्वास के टूटने का कारण बनता है।

इस पूरे संकट का एक और खतरनाक पहलू है व्यवस्था के प्रति बढ़ता अविश्वास। जब छात्र यह मानने लगें कि सफलता मेहनत से नहीं बल्कि 'सेटिंग' से मिलती है तो यह केवल शिक्षा का नहीं बल्कि सामाजिक नैतिकता का भी पतन है। अब सवाल यह है कि समाधान क्या है? क्या हर बार जांच, गिरफ्तारी और बयानबाजी से काम चल जाएगा? स्पष्ट है कि नहीं। सबसे पहले परीक्षा प्रणाली में पूर्ण डिजिटल और एन्क्रिप्टेड मॉडल लागू करना होगा। प्रश्नपत्रों को परीक्षा से कुछ मिनट पहले तक सुरक्षित सर्वर में रखा जाए और सीधे केंद्रों पर डिजिटल रूप में उपलब्ध कराया जाए। इससे छपाई और परिवहन से जुड़ी कमजोरियां समाप्त होंगी। दूसरा, आउटसोर्सिंग व्यवस्था को सीमित करना होगा। संवेदनशील कार्यों में केवल प्रशिक्षित और जवाबदेह सरकारी कर्मचारियों की नियुक्ति होनी चाहिए। तीसरा, पेपर लीक को संगठित आर्थिक अपराध घोषित कर इसके लिए गैर-जमानती कठोर कानून बनाए जाएं। जब तक अपराधियों को कठोर सजा नहीं मिलेगी, तब तक यह धंधा बंद नहीं होगा। चौथा, साइबर निगरानी को मजबूत करना होगा। टेलीग्राम, डार्क वेब और एन्क्रिप्टेड प्लेटफॉर्म्स पर सक्रिय नेटवर्क को ट्रैक करने के लिए विशेष एजेंसियां बनाई जानी चाहिए। पांचवां, तकनीक को लागू करने से पहले उसका व्यापक परीक्षण और प्रशिक्षण सुनिश्चित किया जाए। सीबीएसई ओएसएम विवाद ने यह स्पष्ट कर दिया है कि बिना तैयारी के लागू की गई तकनीक समाधान नहीं बल्कि नई समस्या बन सकती है।

सबसे महत्वपूर्ण है राजनीतिक और प्रशासनिक इच्छाशक्ति। जब तक सरकार इस समस्या को 'राष्ट्रीय आपदा' की तरह नहीं देखेगी, तब तक आधे-अधूरे समाधान ही सामने आएंगे। नीट-यूजी 2026, सीबीएसई ओएसएम विवाद और एसएससी परीक्षा धांधली, ये घटनाएं चेतावनी हैं। यदि अब भी कठोर और स्थायी सुधार नहीं किए गए तो आने वाले समय में हर परीक्षा संदेह के घेरे में होगी। तब सबसे बड़ी त्रासदी यह नहीं होगी कि पेपर लीक हुआ बल्कि यह होगी कि देश के युवाओं का विश्वास पूरी तरह टूट जाएगा। और जिस राष्ट्र के युवा ही अपनी व्यवस्था पर विश्वास खो दें, उसके भविष्य की नींव कितनी कमजोर हो जाती है, यह समझना मुश्किल नहीं है।

संपादकीय

नशे पर शिकंजा

निस्संदेह, नशे का निरंतर फैलता काला कारोबार एक राष्ट्रीय संकट है। देश के विभिन्न भागों में करोड़ों-अरबों रुपये मूल्य के विदेशों से आने वाले नशीले पदार्थों की बरामदगी भयावह संकट की तसवीर उकेरती है। संगठित विदेशी अपराधियों की साजिशें और देश में फैले नशा तस्करों का गठजोड़, इस नशीले जहर के कारोबार को चला रहा है। आज जरूरत इस बात की है कि देश की तमाम खुफिया एजेंसियां व राज्य के विशेष पुलिस बल योजनाबद्ध ढंग से नशा कारोबारियों की कमर तोड़ें। लेकिन फिर भी कई राज्यों द्वारा चलाये जा रहे नशा विरोधी अभियान बिगड़ते हालात सुधारने में किसी हद तक मददगार साबित हो सकते हैं। पिछले दिनों पंजाब में भी ऐसा अभियान चलाया गया। अब सीमावर्ती जम्मू-कश्मीर में वर्षों से गहराते नशे के संकट के खिलाफ अभियान शुरू किया जा रहा है। सवाल यह है कि राज्य में नशे के कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई शुरू करने में इतना वक्त क्यों लगा? अब भले ही देर से ही सही, यह पहल शुरू करना वक्त की जरूरत है। नशे के नश्तर से हमारी युवा पीढ़ी बर्बाद हो रही है और कई घरों के चिराग असमय बुझ रहे हैं। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, बीस जिलों का दौरा करके सौ दिवसीय नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर मार्च का नेतृत्व कर रहे हैं। वहीं इस अभियान का सुखद पहलू यह है कि दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले में, इस कोशिश को प्रतिबंधित संगठन जमाते-ए-इस्लामी के एक गुट का भी समर्थन मिला है। कहना कठिन है कि इस समर्थन का हकीकत में असर कितना होगा। लेकिन इस घोषणा ने सकारात्मक संदेश जरूर दिया है कि समाज के विभिन्न वर्गों के सामूहिक प्रयासों से ही इस भयावह होते संकट का मुकाबला किया जा सकता है। सही मायने में समाज में व्याप्त तमाम वैचारिक मतभेदों को दरकिनार करते हुए, सामूहिक व निरंतर प्रयासों से ही नशा मुक्ति की लड़ाई को अंजाम तक पहुंचाया जा सकता है। वास्तव में नशा विरोधी अभियान के मार्ग में बाधा पैदा करने वाली जटिलताओं के मुकाबले के लिये कुछ दिन, कुछ माह के अभियान के बजाय साल में 365 दिन चलने वाली रणनीति अपनाने की जरूरत है। कभी-कभार चलाए जाने वाले अभियान इसके लक्ष्य को पाने में ज्यादा मददगार साबित नहीं हो सकते। इस संकट के समाधान के लिये नशे की लत के सामाजिक पहलुओं की भी व्यापक पड़ताल जरूरी है। कारगर समाधान हेतु सामाजिक स्तर पर रणनीति बनाने की जरूरत होती है। निस्संदेह, नशे की लत के तमाम कारण हमारे समाज में विद्यमान हैं। जिनके निराकरण की दिशा में भी कदम उठाने की जरूरत है। मसलन इस व्यसन के मूल में समाज में व्याप्त बेरोजगारी, निराशा, सामाजिक व आर्थिक असमानताएं, बुरी संगत का असर तथा मादक पदार्थों की समाज में आसान उपलब्धता आदि कारक निहित हैं। चिंताजनक है कि नशा अब स्कूल-कालेजों तक को अपनी गिरफ्त में ले रहा है। कई राज्यों में नशे की आपूर्ति में बच्चों को इस्तेमाल करने के चिंताजनक उदाहरण सामने आए हैं। वहीं यदि नशा मुक्ति के लिये चलाये जा रहे पुनर्वास कार्यक्रमों में शिथिलता अपनायी जाती है तो सख्ती से हासिल होने वाली उपलब्धियां व्यर्थ हो जाती हैं। यह सत्य है कि नशा एक ऐसा रोग है, जिसका कोई आसान इलाज उपलब्ध नहीं है। जहां एक ओर नशीले पदार्थों की आपूर्ति पर अंकुश लगाना जरूरी है, तो दूसरी ओर इसकी तलब को काबू करने के लिये भी प्रयास जरूरी हैं।

चिंतन-मनन

भलाई का भाव होता है यज्ञ

एक भाव होता है मेरा दूसरा है मेरे लिए और तीसरा है सबके लिए। मेरा में इंसान केवल अपने बारे में ही सोचता रहता है और ये पक्का कर लेता है कि मेरे पास जो है, वो केवल मेरा है, मैंने कमाया है, मुझे मिला है और इस पर केवल मेरा ही अधिकार है। यह सोच अज्ञानी लोगों की होती है, जो हमारे अहंकार को बनाये रखती है। मेरे लिए अर्थात इंसान सोचता है कि जो भी मेरे पास है, ये मेरा नहीं बल्कि मेरे लिए है। इसका स्वामी मैं नहीं बल्कि ये सब मुझे इस्तेमाल करने के लिए मिला है। वो इसी भाव को मन में रखता है। यह सोच मध्यम दर्जे के लोगों की होती हैं।

तीसरा भाव है सबके लिए मतलब जो मेरे पास है, वो मेरा ही नहीं और मेरे लिए नहीं, बल्कि सबके लिए है। यह विचार उत्तम दर्जे के इंसानों का होता हैं। इसी को यज्ञ कहा जाता है। जब मन में सबकी भलाई का भाव हो वही यज्ञ है। जो सबका ध्यान रखकर बाद में अपना सोचता है वही श्रेष्ठ इंसान है। इस तरह का यज्ञ अहंकार को गला देता है। ऐसी भावना के साथ साधना करने वाला ब्रह्म को पा लेता है। जो मनुष्य केवल मेरा-मेरा में ही फंसा रहता है, वो ना तो इस जन्म में सुख पाता न ही मरने के बाद परलोक में।

डिजिटल आक्रामकता के जाल में फंसा बचपन

दिलीप कुमार पाठक

आजकल घरों में शाम के वक्त एक खामोश नजारा दिखाई देता है। पूरा परिवार एक ही कमरे में, एक ही सोफे पर साथ बैठा होता है, लेकिन आपस में कोई बातचीत नहीं होती। सब के सब चुपचाप अपने-अपने मोबाइल की स्क्रीन में खोए रहते हैं। माता-पिता भी इस बात से बड़े खुश और बेफिक्र रहते हैं कि उनका बच्चा बाहर धूप या धूल-मिट्टी में नहीं घूम रहा है, बल्कि घर के अंदर आराम से सुरक्षित बैठा है। लेकिन क्या कभी हमने ठंडे दिमाग से बैठकर यह सोचने की कोशिश की है कि स्क्रीन में अपनी आंखें गड़ाए बैठा हमारा यह मासूम बच्चा अंदर ही अंदर किस मानसिक दौर से गुजर रहा है? कहीं उसके नन्हें दिमाग पर नकारात्मक असर तो नहीं हो रहा?

हर साल 4 जून को पूरी दुनिया में आक्रामकता के शिकार मासूम बच्चों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है। पुराने जमाने में जब इस दिन की चर्चा होती थी, तो बच्चों पर अत्याचार का सीधा सा मतलब लड़ाई-झगड़े, युद्ध, दंगे या फिर फैक्ट्रियों में होने वाली बाल-मजदूरी से लगाया जाता था। लेकिन आज के इस आधुनिक और डिजिटल युग में मासूमों के खिलाफ होने वाली हिंसा का पूरा चेहरा ही बदल चुका है। अब यह आक्रामकता सड़क पर शोर नहीं मचाती। अब यह हिंसा बिना किसी आवाज के, इंटरनेट के महीन रास्तों से रेंगती हुई सीधे हमारे घरों के भीतर और हमारे बच्चों के दिमाग पर सीधा हमला कर रही है। जरा रुककर गंभीरता से सोचिए। आपका बच्चा आपके ठीक सामने बैठा हो सकता है, लेकिन मुमकिन है कि ठीक उसी वक्त उसका कोमल मन किसी बहुत गहरे तनाव या डर में डूब रहा हो। ऑनलाइन गेम खेलते समय किसी अनजान शख्स द्वारा दी गई गंदी गालियां, सोशल मीडिया पर दोस्तों द्वारा उड़ाया गया उसका कोई भद्दा मजाक, या फिर इंटरनेट के समंदर में छिपे किसी अपराधी की गंदी नजर। यह डिजिटल आक्रामकता ऐसी होती है जो बाहर से शरीर पर दिखाई नहीं देती, इसलिए इसके जख्म और भी ज्यादा गहरे होते हैं। यह अदृश्य हमला बच्चे के आत्मविश्वास को भीतर ही भीतर खोखला कर देता है। सबसे ज्यादा डरावना तो यह है कि इंटरनेट के इस गंदे खेल में कोई तीसरा देखने वाला गवाह नहीं होता, सिवाय उस एक सहमे हुए और अकेले पड़ चुके बच्चे के।

वैश्विक संस्था यूनिसेफ की एक हालिया रिपोर्ट साफ कहती है कि दुनिया में इंटरनेट इस्तेमाल करने वाला हर तीसरा इंसान असल में एक बच्चा है। और इससे भी ज्यादा चौंकाने वाली बात यह है कि इनमें से एक बहुत बड़ी आबादी ऑनलाइन किसी न किसी रूप में मानसिक या भावनात्मक प्रताड़ना का शिकार होती है। हम अपनी व्यस्त जिंदगी में बच्चों को रोने से रोकने या उन्हें शांत बैठाने के लिए खिलौने की जगह मोबाइल थमा देते हैं। यह डिजिटल झुनझुना शुरू-शुरू में तो हमें बड़ी राहत देता है, लेकिन धीरे-धीरे यही मोबाइल बच्चे और माता-पिता के बीच बातचीत का रास्ता हमेशा के लिए बंद कर देता है। जब बच्चा इंटरनेट की किसी बड़ी मुसीबत या ब्लैकमेलिंग में फंसता है, तो वह लोक-लाज और डर के मारे अपने मम्मी-पापा को कुछ नहीं बता पाता। वह अंदर ही अंदर घुटता रहता है, उसका स्वभाव चिड़चिड़ा हो जाता है और वह खुद को एक अंधेरे कमरे में बंद कर लेता है। अब वह समय आ गया है जब हमें इस बढ़ते हुए खतरे को गहराई से समझना होगा। यह कोई ऐसी सामाजिक समस्या नहीं है जो केवल पुलिस की मुस्तैदी या सरकार के कड़े कानून बना देने भर से ठीक हो जाएगी। इस बीमारी के इलाज की शुरूआत हमारे अपने घर के भीतर से ही होगी। बच्चों को महंगे स्मार्टफोन या गैजेट्स लाकर देने से कहीं ज्यादा जरूरी है उन्हें अपना कीमती वक्त देना। अपने बच्चों के बदलते हुए बर्ताव पर हमेशा नजर रखिए। अगर आपका हंसता-खेलता बच्चा अचानक गुमसुम रहने लगा है, बात-बात पर गुस्सा कर रहा है या आपसे अपना फोन छिपाने लगा है, तो उसे डांटने या मारने की गलती बिल्कुल मत कीजिए। उसके पास बैठिए, प्यार से हाथ थामिए, उससे खुलकर बातें कीजिए और उसे यह भरोसा दिलाइए कि दुनिया की चाहे जो भी मुसीबत हो, उसके मम्मी-पापा हमेशा उसके साथ खड़े हैं। इस देश के बचपन को सुरक्षित और सुंदर बनाने की जिम्मेदारी हम सबकी है। आइए, इस डिजिटल दौर में अपने बच्चों के सबसे अच्छे और सच्चे दोस्त बनें। उनके हाथ से कुछ देर के लिए फोन छीनकर उन्हें पास के मैदान में खेलने के लिए भेजें, रात को सोने से पहले उनसे गप्पें मारें और उन्हें खुलकर हंसने का असली मौका दें। जब तक हम उनके लिए घर में एक सुरक्षित और भरोसेमंद माहौल नहीं बनाएंगे, तब तक स्क्रीन के पीछे का यह रोना कभी बंद नहीं होगा। हमारे देश का उज्ज्वल भविष्य मोबाइल की इस छोटी सी स्क्रीन में घुट-घुट कर जीने के लिए नहीं, बल्कि खुले आसमान के नीचे खुलकर जिंदगी जीने के लिए है।

कमजोर मानसून तो महंगाई का लगेगा तड़का, अर्थव्यवस्था होगी प्रभावित

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

मौसम विभाग द्वारा 29 मई को जून से सितंबर मानसून के दौरान 10 प्रतिशत कम बरसात का पूवार्नुमान बेहद चिंताजनक का कारण बन गया है। इससे पहले जारी पूवार्नुमान में 8 प्रतिशत कम बरसात की संभावना व्यक्त की गई थी। लगभग दस साल बाद देश में कमजोर मानसून के हालात रहने की संभावना है। अर्थव्यवस्था के लिए यह इसलिए और भी अधिक चिंतनीय हो जाता है कि एक और अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच सीजफायर के आसार नहीं दिख रहे हैं और इसके कारण भारत सहित दुनिया के अधिकांश देश कच्चे तेल और गैस की समस्या से दो चार हो रहे हैं और इसका सीधा असर महंगाई बढ़ना हो रहा है। दूसरी और अब अलनीनों के प्रभाव से इस साल कमजोर मानसून के कारण 10 प्रतिशत कम बरसात होने से हालात और भी गंभीर होने की संभावना बनती जा रही है। करीब दस साल बाद ऐसे हालात बनने जा रहे हैं। खास बात यह है कि उत्तर पूर्व को छोड़कर समूचे देश में कम बरसात की संभावना व्यक्त की गई है। मौसम विभाग के पूवार्नुमान को इसलिए भी नहीं नकारा जा सकता है कि पिछले सालों में भारतीय मौसम विभाग के पूवार्नुमान लगभग सटीक रहने लगे हैं। मजे की बात यह है कि इस साल गर्मी भी भीषण पड़ रही है और पिछले एक माह में ही जलाशयों में उपलब्ध पानी में तेजी से कमी आई है। एक मोटे अनुमान के अनुसार देश के प्रमुख 166 जलाशयों में कुल भराव क्षमता का 24 प्रतिशत के आसपास ही पानी रह गया है और तेजी से पानी कम होता जा रहा है। दक्षिण भारत के हालात अधिक गंभीर है और वहां लगभग 17 प्रतिशत ही पानी रह गया है। उत्तरी भारत के जलाशयों में 26 तो पश्चिमी भारत के जलाशयों में 28 प्रतिशत के आसपास ही पानी रह गया है। मानसून भी तय समय से बिलंबित हो रहा है। एक बात साफ हो जानी चाहिए कि हमारी अर्थव्यवस्था मानसूनी बरसात पर बहुत कुछ निर्भर करती है। देश में मानसून सीजन में 87 सेमी बरसात होती है। पूवार्नुमानों को माने तो 2018 में 91 प्रतिशत बरसात हुई थी उसके बाद के सालों में मानसून लगभग अच्छा ही रहा है। पिछले सालों में मानसून की स्थिति देखें तो 2023 में मानसून अवश्य कमजोर रहा है अन्यथा देश में मानसूनी वर्षा 100 प्रतिशत के आसापास व इससे अधिक ही रही है। कमजोर मानसून के कारण भूजल स्तर में गिरावट, अधिक पानी पर निर्भर धान, तिलहन और दलहन की फसल प्रभावित होगी और इस कारण से खाद्य महंगाई बढ़ने से कोई रोक नहीं सकता। इससे आम आदमी की थाली पर असर पड़ेगा और सब्जी, दाल और अनाज सभी के भाव बढ़ने का असर दिखाई देगा। इसी तरह से देश के अनेक हिस्सों में पीने के पानी की दिक्कत आम है। बांधों में तेजी से पानी की कमी और मानसून कमजोर रहने से पानी की कम आवक रहती है तो निश्चित रुप से सिंचाई व पेयजल दोनों के लिए पानी की दिक्कत होगी। जल विद्युत परियोजनाओं में विद्युत उत्पादन पर असर होगा तो कुल मिलाकर अर्थ व्यवस्था को प्रभावित होने से कोई नहीं रोक सकता।

दरअसल देश में एक समय था जब सूखा आम होता था और व्यापक स्तर पर अकाल राहत कार्य संचालित होते थे। हांलाकि देश के हालातों में काफी सुधार हुआ है और अकाल को तो लगभग भूल ही चुके हैं। पर सवाल वहीं का वहीं है कि जल संचयन के जो प्रयास होने चाहिए थे और उनका जिस तरह का प्रभाव पड़ना चाहिए था वह अभी तक सामने नहीं आया है। सरकार के सामने कमजोर मानसून के हालात से निपटने की बड़ी चुनौती आने वाली है। सबसे अधिक तो जल संग्रहण की चुनौती होगी क्योंकि प्राकृतिक जल संग्रहण के रास्ते शहरीकरण की भेंट चढ़ चुके हैं। दीर्घकालीन सोच के साथ ठोस प्रयास नहीं होने से बरसात के पानी का सही तरीके से संग्रहण भी नहीं हो पा रहा है। जितने पानी की साल भर आवश्यकता होती है उससे अधिक बरसाती पानी तो बह जाता है। इसके अलावा पानी का उपयोग और दुरुपयोग दोनों ही बढ़ गए हैं। कम पानी से तैयार होने वाली फसलों की किस्में विकसित करने में हम अभी पूरी तरह से सफल नहीं हो पायें हैं। पांच नदियों के प्रदेश पंजाब तक में पानी का संकट होने लगा है। खेती ही नहीं घरेलू जरुरतों में भी पानी का उपयोग बहुत अधिक बढ़ गया है। टायलेट और कूलरों में पानी की खपत बहुत अधिक बढ़ गई है। जल बचाओ मात्र स्लोगन ही रह गया है और इसका असर दिखाई नहीं देता। इसी तरह से वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम तैयार तो बहुत किये गये हैं पर उनके निर्माण में जिस तरह की लापरवाही बरती गई है वह किसी से छिपी नहीं हैं। क्योंकि वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम कितना सफल रहा है वह सामने हैं। बाहरमासी नदी नालें तो अब कल्पना की बात हो गए हैं बल्कि बरसाती नदियां भी बरसात में एकाध बार ही पूरे वेग से बहती दिखती है। ऐसे में गंभीरता को तो समझा ही जा सकता है।

एक बात साफ हो जानी चाहिए कि मानसून हमेशा सामान्य ही रहेगा यह सोचना अपने आप में गलत होगा। जिस तरह से वातावरण प्रदूषित हो रहा है, जंगल घटते जा रहे हैं, पेड़ पौधे कम हो रहे हैं वह किसी और की देन नहीं हमारे कारण ही हो रहा है। हालात यह हो गए हैं कि सर्दी में सर्दी नहीं और गर्मी में गर्मी को तरसने लगे हैं। यहां तक कि इस बार तो बसंत की प्रतीक्षा ही करते रह गए हैं। जनवरी फरवरी में सर्दी तो फिर मार्च अप्रेल में गर्मी का असर देखा गया। बसंत कब आया और कब गया पता ही नहीं चला। कहने का अर्थ है कि प्रकृति के साथ छेड़छाड़ का परिणाम सामने हैं। प्राकृतिक विपदाएं अधिक होने लगी है। ग्लेसियरों में तेजी से बर्फ पिघल रही है, समयपर बर्फवारी कम होने लगी है। बेमौसम आंधी ओलावृष्टि आम होती जा रही है। खैर यह विषयांतर होगा पर कहीं ना कहीं मानसून को लेकर दीर्घकालीन रणनीति बनानी ही होगी ताकि कमजोर मानसून का जनजीवन और अर्थ व्यवस्था पर व्यापक असर नहीं पड़े। सरकारी और गैरसरकारी स्तर पर इस दिशा में ठोस प्रयास करने होंगे।

भारत-बांग्लादेश सीमा पर तनाव, कथित अवैध नागरिकों को लेकर बीएसएफ और बीजीबी आमने-सामने

ढाका (एजेंसी)। भारत-बांग्लादेश सीमा पर कथित अवैध बांग्लादेशी नागरिकों को लेकर एक असामान्य स्थिति देखने को मिली, जिसके बाद सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) के बीच कई दौर की बातचीत हुई। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, पश्चिम बंगाल के पेट्रापोल सीमा क्षेत्र में कुछ लोगों को लेकर दोनों देशों की सीमा सुरक्षा एजेंसियों के बीच गतिरोध की स्थिति बन गई। रिपोर्ट के मुताबिक, उत्तरी 24 परगना जिले के पेट्रापोल क्षेत्र स्थित जयंतिपुर बॉर्डर आउटपोस्ट के पास कुछ कथित बांग्लादेशी नागरिकों को सीमा के निकट नो-मैन्स लैंड क्षेत्र में देखा गया। इनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल बताए गए। इसके बाद बांग्लादेश की सीमा सुरक्षा एजेंसी बीजीबी ने मामले पर आपत्ति जाहिर की और संबंधित व्यक्तियों की नागरिकता तथा पहचान के सत्यापन की मांग की। बताया गया कि इस मुद्दे को लेकर दोनों देशों की सीमा सुरक्षा एजेंसियों के अधिकारियों के बीच फ्लैग मीटिंग आयोजित की गई। हालांकि प्रारंभिक बातचीत में कोई स्पष्ट समाधान नहीं निकल सका और मामला कुछ समय तक लंबित रहा। बीजीबी अधिकारियों का कहना था कि किसी भी व्यक्ति को स्वीकार करने से पहले उसकी नागरिकता, पते और अन्य दस्तावेजों का उचित सत्यापन आवश्यक है। मामले के बाद सीमा क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था और सतर्कता बढ़ा दी गई। बीजीबी ने अपनी ओर निगरानी तेज कर दी, जबकि बीएसएफ ने भी सीमावर्ती इलाकों में गश्त और निगरानी बढ़ाई। रिपोर्टों के अनुसार, दोनों पक्षों ने सीमा पर किसी भी तरह की अवैध गतिविधि को रोकने के लिए अतिरिक्त कदम उठाए हैं। यह घटनाक्रम तब आया है जब भारत और बांग्लादेश के बीच अवैध प्रवासन, सीमा प्रबंधन और नागरिकता सत्यापन जैसे मुद्दे चर्चा में हैं। अधिकारियों का कहना है कि किसी भी व्यक्ति को वापस भेजने या स्वीकार करने की प्रक्रिया अंतरराष्ट्रीय नियमों और द्विपक्षीय प्रोटोकॉल के तहत ही पूरी की जाती है। विशेषज्ञों का मानना है कि सीमा से जुड़े इसतरह के मामलों में दोनों देशों के बीच समन्वय और सत्यापन प्रक्रिया बेहद महत्वपूर्ण होती है। फिलहाल संबंधित व्यक्तियों की पहचान और नागरिकता की पुष्टि को लेकर जांच और आधिकारिक प्रक्रिया जारी है, जबकि दोनों देशों की सुरक्षा एजेंसियां स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।

जापान में 5 हजार भारतीय रेस्टोरेंट बंद होने की कगार पर

टोक्यो (एजेंसी)। जापान में भारतीय रेस्टोरेंट उद्योग इन दिनों गंभीर संकट से गुजर रहा है। देशभर में संचालित करीब 5 हजार भारतीय रेस्टोरेंट बढ़ती लागत, सख्त नियमों और श्रमिकों की कमी के कारण बंद होने की कगार पर पहुंच गए हैं। जापान में लगभग 69 हजार भारतीय रहते हैं, जिनमें बड़ी संख्या रेस्टोरेंट व्यवसाय से जुड़ी हुई है। भारतीय और नेपाली समुदाय द्वारा संचालित ये रेस्टोरेंट जापानी शहरों में करी और मसालेदार व्यंजनों के लिए लोकप्रिय हैं। रिपोर्ट के अनुसार, सरकार ने विदेशी कर्मचारियों को लेकर नियम कड़े कर दिए हैं। पहले जहां कुशल विदेशी श्रमिकों को अपेक्षाकृत आसानी से वीजा मिल जाता था, वहीं अब स्थायी निवास और रोजगार संबंधी शर्तें सख्त हो गई हैं। इसके साथ ही रेस्टोरेंट मालिकों पर कर और प्रशासनिक खर्च का बोझ भी बढ़ा है। कई व्यवसायियों का कहना है कि कमाई घट रही है, जबकि किराया, वेतन और अन्य खर्च लगातार बढ़ रहे हैं। भारतीय रेस्टोरेंट उद्योग में नेपाली कर्मचारियों की भी बड़ी भूमिका रही है, लेकिन नए नियमों के कारण श्रमिकों की उपलब्धता प्रभावित हुई है। इससे छोटे और मध्यम स्तर के रेस्टोरेंट सबसे अधिक दबाव में हैं। उद्योग से जुड़े लोगों का मानना है कि यदि सरकार ने राहत नहीं दी तो आने वाले वर्षों में बड़ी संख्या में भारतीय रेस्टोरेंट बंद हो सकते हैं, जिससे हजारों लोगों की आजीविका प्रभावित होगी और जापान में भारतीय खानपान की पहचान को भी झटका लग सकता है।

पश्चिम एशिया संघर्ष में चीन द्वारा ईरान की सैन्य मदद के नहीं मिले सबूत

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने हाउस एप्रोप्रियेशन्स सबकमेटी की सुनवाई में कहा कि अमेरिका को ऐसा कोई सबूत नहीं मिला है कि मौजूदा क्षेत्रीय संकट में चीन ने ईरान को सैन्य मदद की हो। रुबियो ने बताया कि उन्होंने बीजिंग से अपील की कि वह होर्मुज स?ट्रेट में नौवहन खुलवाने के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रयासों का समर्थन करें। रुबियो ने कहा कि मैं कहूंगा कि चीन ने ईरान को किसी भी तरह की सहायता नहीं दी है और न ही उसने हमारे अभियानों या हमारी काम करने की क्षमता में कोई बाधा डाली है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक विदेश मंत्री ने माना कि ईरान के पास चीन में बने कुछ सैन्य उपकरण हैं और दोनों देशों के बीच लंबे समय से संबंध हैं, लेकिन उन्होंने कहा कि अमेरिका ने हाल के संघर्ष में चीन की ओर से ऐसी कोई गतिविधि नहीं देखी है जिससे युद्ध की स्थिति या सैन्य संतुलन पर कोई असर पड़ा हो। रुबियो ने चीन के रवैये को सावधानीपूर्ण बताया। उनका कहना था कि बीजिंग ने ईरान के साथ अपने व्यापक रणनीतिक संबंधों के बावजूद इस संकट में सीधे तौर पर शामिल होने से बचने की कोशिश की है। साथ ही रुबियो ने चीन से संयुक्त राष्ट्र में ज्यादा रचनात्मक भूमिका निभाने की अपील की, खासकर होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले समुद्री यातायात में आ रही बाधाओं को दूर करने के प्रयासों में। रुबियो के मुताबिक अमेरिका संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के एक प्रस्ताव का समर्थन कर रहा है, जिसका उद्देश्य इस अहम समुद्री मार्ग में पैदा हुई स्थिति का समाधान करना है। दुनिया के तेल व्यापार का बड़ा हिस्सा इसी जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है। रुबियो ने कहा कि अगर वास्तव में वे जलडमरूमध्य को बंद किए जाने के खिलाफ हैं, तो उन्हें इस प्रस्ताव का समर्थन करना चाहिए या कम से कम इससे दूरी बनाते हुए वीटो का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्थिरता बहाल करने के प्रयासों का समर्थन करने के लिए चीन के पास मजबूत आर्थिक कारण हैं, क्योंकि उसकी अर्थव्यवस्था वैश्विक व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति पर काफी निर्भर है।

रुबियो के नए दावे से पलटी थ्योरी, जीवित हैं मोजतबा खामेनेई!

वॉशिंगटन (एजेंसी)। वॉशिंगटन(ईएमएस)। भीषण संघर्षविराम की कोशिशों के बीच अमेरिका ने ईरानी सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई को लेकर एक ऐसा चौंकाने वाला दावा किया है, जो उसके अब तक के बयानों से बिल्कुल उलट है। अमेरिका अब तक लगातार यह कहता आया था कि मोजतबा खामेनेई अमेरिकी सैन्य हमले में मारे गए हैं या फिर वे इतने गंभीर रूप से घायल हो चुके हैं कि अब सक्रिय नहीं हैं। हालांकि, अब अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने आधिकारिक तौर पर कहा है कि मोजतबा खामेनेई न सिर्फ जीवित हैं, बल्कि सार्वजनिक रूप से नजर नहीं आने के बावजूद देश के प्रशासनिक और रणनीतिक फैसलों में पहले से कहीं ज्यादा सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

अमेरिकी सीनेट की विदेश संबंध समिति के सामने बोलते हुए रुबियो ने स्पष्ट किया कि ऐसे पुख्ता संकेत मिले हैं कि खामेनेई पर्दे के पीछे से लगातार देश की निर्णय प्रक्रिया में शामिल हैं और ईरान के सरकारी मामलों में उनकी भागीदारी लगातार बढ़ रही है। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, इस साल 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल की ओर से किए गए संयुक्त सैन्य हमलों के दौरान खामेनेई घायल हो गए थे, जिसके बाद से वे सार्वजनिक मंचों पर दिखाई नहीं दिए हैं। हालांकि, अमेरिकी प्रशासन का अब मानना है कि वे किसी सुरक्षित स्थान से एन्क्रिप्टेड संचार माध्यमों और अपने बेहद भरोसेमंद नेटवर्क के जरिये सरकारी कामकाज की बारीकी से निगरानी कर रहे हैं।

रुबियो का यह बयान ऐसे समय में आया है जब ईरान और अमेरिका के बीच युद्धविराम को स्थायी रूप देने की कूटनीतिक कोशिशें जारी हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस प्रगति नहीं हो सकी है। अमेरिकी विदेश मंत्री ने कहा कि वॉशिंगटन अब भी तेहरान के साथ किसी समझौते की संभावना देख रहा है और हालात कभी भी सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। उन्होंने स्पष्ट शर्तों का जिक्र करते हुए कहा कि अगर ईरान प्रतिबंधों में राहत चाहता है, तो उसे हॉर्मुज स्ट्रेट को पूरी तरह खोलना होगा और अंतरराष्ट्रीय जहाजों की आवाजाही पर से सभी प्रतिबंध या शुल्क हटाने होंगे। साथ ही ईरान को यह भरोसा देना होगा कि वह हॉर्मुज स्ट्रेट में बिछाई गई बारूदी सुरंगों को हटाने में सहयोग करेगा।

इसके अलावा, अमेरिका चाहता है कि ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम पर दीर्घकालिक सख्त सीमाओं को स्वीकार करे या यूरेनियम संवर्धन गतिविधियों को पूरी तरह समाप्त करे। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी संकेत दिया था कि हॉर्मुज जलडमरूमध्य को दोबारा खोलने को लेकर जल्द कोई समझौता हो सकता है। हालांकि, ईरान ने फिलहाल मध्यस्थों के जरिए चल रही वार्ताओं को रोक रखा है। तेहरान का कहना है कि जब तक लेबनान में इजरायली सैन्य कार्रवाई बंद नहीं होती, तब तक किसी नई बातचीत का कोई औचित्य नहीं है।

कनाडा में भारत-पाकिस्तान से आने वाले आवेदनों की प्रोसेसिंग अवधि में हुआ सुधार

टोरंटो। कनाडा के इमिग्रेशन, रिफ्यूजीज़ एंड सिटिजनशिप कनाडा ने नए आवेदनकर्ताओं के लिए प्रोसेसिंग टाइम की ताजा जानकारी दी है। पहले से तय समय से तुलना करने पर पता चलता है कि भारत और पाकिस्तान से आने वाले कई आवेदनों की प्रोसेसिंग अवधि में सुधार हुआ है। वहीं, नाइजीरिया और अमेरिका से जुड़े कुछ आवेदन श्रेणियों में प्रतीक्षा अवधि बढ़ी है। वर्क परमिट आवेदनों में पाकिस्तान से आवेदन करने वालों के लिए प्रोसेसिंग टाइम 6 सप्ताह और भारत के लिए 9 सप्ताह किया गया है। कनाडा के अंदर से किए गए आवेदनों की प्रोसेसिंग 212 दिनों से घटकर 206 दिन हो गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नाइजीरिया के आवेदकों को बड़ा झटका लगा है। वहां वर्क परमिट की प्रोसेसिंग अवधि 6 सप्ताह से बढ़कर 12 सप्ताह हो गई है। अमेरिका और फिलीपींस के लिए समय सीमा 5 और 8 सप्ताह है। स्टडी परमिट के मामले में भी पाकिस्तान के आवेदकों को बड़ी राहत मिली है। वहां प्रोसेसिंग टाइम 11 सप्ताह से घटकर 7 सप्ताह कर दिया गया है। भारत के लिए यह अवधि 4 सप्ताह है। कनाडा के अंदर से किए गए स्टडी परमिट आवेदनों की प्रोसेसिंग अवधि 6 सप्ताह है। वहीं, नाइजीरिया में यह समय 5 सप्ताह से बढ़कर 6 सप्ताह हो गया है। अमेरिका और फिलीपींस के लिए प्रोसेसिंग टाइम 5 सप्ताह है। विजिटर वीजा आवेदनों में ज्यादातर देशों के लिए प्रोसेसिंग टाइम में मामूली बढ़ोतरी दर्ज की गई है। भारत के लिए यह अवधि 28 दिन कर दी गई है। अमेरिका के लिए 25 और फिलीपींस के लिए 20 दिन कर दी गई है। कनाडा के अंदर से किए गए विजिटर वीजा आवेदनों का प्रोसेसिंग टाइम 11 दिनों से बढ़कर 16 दिन हो गया है। पाकिस्तान के लिए यह अवधि 50 दिनों पर स्थिर रही, जबकि नाइजीरिया में यह 47 दिनों से बढ़कर 48 दिन हो गई। सुपर वीजा श्रेणी में भारत और पाकिस्तान के आवेदकों को सबसे बड़ा फायदा मिला है। भारत के लिए प्रोसेसिंग टाइम 160 दिनों से घटकर 117 दिन कर दिया है। वहीं पाकिस्तान में यह अवधि 107 दिनों से घटकर 75 दिन कर दी है। इसके विपरीत, अमेरिका से किए गए सुपर वीजा आवेदनों की प्रोसेसिंग अवधि 103 दिनों से बढ़कर 115 दिन हो गई है। नाइजीरिया में यह समय 35 से बढ़कर 37 दिन हुआ, जबकि फिलीपींस में यह 32 दिनों पर स्थिर रहा।

आयोवा नरसंहार- आखिर सुपरपावर अमेरिका में क्यों नहीं थम रहा खूनी खेल?

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के आयोवा राज्य का मस्कटाइन शहर मंगलवार की सुबह अंधाधुंध गोलियों की तड़तड़ाहट से दहल उठा। एक ही परिवार के 7 लोगों की बेरहमी से गोली मारकर हत्या कर दी गई, जिसके बाद हमलावर ने खुद को भी उड़ा लिया। पुलिस के मुताबिक, यह खूनी खेल एक घरेलू विवाद का नतीजा था, जिसे 52 वर्षीय रायन विलिस मैकफारलैंड नामक शख्स ने अंजाम दिया। पार्क एवेन्यू के एक घर से शुरू हुआ मौत का यह सिलसिला मिल स्ट्रीट और ग्रैंडव्यू एवेन्यू तक जा पहुंचा। पुलिस ने जब संदिग्ध को घेरा, तो उसने खुद को गोली मार ली। पुलिस भले ही इसे घरेलू मामला बताकर पल्ला झाड़ ले कि अब समुदाय को कोई खतरा नहीं है, लेकिन इस भयावह घटना ने एक बार फिर दुनिया के सबसे शक्तिशाली देश पर सबसे बड़ा सवालिया निशान खड़ा कर दिया है आखिर अमेरिका में बार-बार मास शूटिंग क्यों हो रही है?

हथियारों की सनक या कानून की लाचारी?

आयोवा का यह नरसंहार कोई इकलौती घटना नहीं है। यह अमेरिकी समाज में गहरे धंस चुके गन कल्चर की उस सड़ी हुई हकीकत को बयां करता है, जहां मामूली विवादों का निपटारा भी बंदूकों से किया जाता है। आखिर ऐसा क्यों है कि अमेरिका में हर नागरिक के पास घातक हथियार रखने का अधिकार तो है, लेकिन उनकी सुरक्षा की कोई गारंटी नहीं है? हर बड़ी घटना के बाद वहां गन कंट्रोल (हथियार नियंत्रण) पर बहस तो छिड़ती है, लेकिन नतीजा सिफर रहता है। राजनीतिक नफा-नुकसान और हथियार लॉबी के दबाव के आगे अमेरिकी प्रशासन बेबस नजर आता है।

ओबामा की जिस डील पर ट्रंप भड़के थे अब उसी को अपना रहे राष्ट्रपति

-ईरान के साथ परमाणु समझौते पर चर्चा

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राजनीति में शायद ही कोई ऐसा मुद्दा रहा हो, जिस पर डोनाल्ड ट्रंप ने बराक ओबामा की उतनी तीखी आलोचना की हो, जितनी 2015 की ईरान परमाणु डील को लेकर की थी। ट्रंप ने उस समय जॉइंट कॉम्प्रिहेंसिव प्लान ऑफ एक्शन को अमेरिकी इतिहास का सबसे खराब समझौता बताया था। साल 2018 में राष्ट्रपति रहते हुए उन्होंने इस डील से अमेरिका को बाहर निकालकर इसे अपनी सबसे बड़ी विदेश नीति उपलब्धियों में गिनाया था। लेकिन अब हालात ऐसे बनते दिख रहे हैं कि ईरान के साथ नए समझौते की कोशिशों में ट्रंप को उसी पुराने मॉडल का सहारा लेना पड़ सकता है, जिसे उन्होंने कभी पूरी दुनिया के सामने नाकाम और खतरनाक करार दिया था। यही वजह है कि अमेरिका में एक नई राजनीतिक बहस छिड़ गई है कि क्या ट्रंप वास्तव में कोई नई और मजबूत डील बना रहे हैं या सिर्फ पुराने समझौते को ही नए पैकेज में पेश करने की कोशिश हो रही है।

दिलचस्प बात यह है कि ईरान के साथ चल रही मौजूदा बातचीत के कई बिंदु सीधे तौर पर ओबामा युग के जेसीपीओए की याद दिलाते हैं। प्रस्तावित समझौते में युद्धविराम बढ़ाने, होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने और ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर नई वार्ता शुरू करने जैसी शर्तें शामिल हैं। ट्रंप प्रशासन चाहता है कि ईरान अगले 20 साल तक यूरेनियम संवर्धन न करे और कभी परमाणु हथियार विकसित न करने की गारंटी दे, जिसे तेहरान फिलहाल खारिज कर रहा है। ट्रंप जब पहली बार राष्ट्रपति बने थे, तब उन्होंने दावा किया था कि ओबामा प्रशासन ने ईरान के सामने घुटने टेक दिए हैं और इस डील ने तेहरान को अरबों डॉलर दिए। लेकिन अमेरिका के पीछे हटने के बाद ईरान ने अपने परमाणु कार्यक्रम को और तेज कर दिया। जहां 2015 की डील के तहत ईरान केवल 3.67 प्रतिशत तक यूरेनियम संवर्धन कर सकता था, वहीं आज वह 60 प्रतिशत तक संवर्धित यूरेनियम जमा कर चुका है, जो हथियार-ग्रेड स्तर के बेहद करीब है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि वर्तमान वार्ता का पूरा ढांचा ओबामा युग की डील पर ही आधारित नजर आता है। दोनों में फर्क सिर्फ इतना है कि अब इसमें होर्मुज जलडमरूमध्य को दोबारा खोलने की बात जोड़ी जा रही है। जानकारों के मुताबिक, ट्रंप इस बात को लेकर बेहद चिंतित होंगे कि उनकी डील की तुलना ओबामा की डील से न की जाए, क्योंकि उस समझौते को खत्म करना उनके पहले कार्यकाल की सबसे बड़ी पहचान थी। यदि नई डील में भी ईरान को प्रतिबंधों से राहत और जमे हुए अरबों डॉलर तक पहुंच मिलती है, तो ट्रंप के लिए अपने समर्थकों को यह समझाना मुश्किल होगा कि यह समझौता पुराने समझौते से किस तरह अलग और बेहतर है।

रूस ने यूक्रेन पर किया हमला, 23 की मौत, 90 घायल

- मिसाइल संकट ने बढ़ाई जेलेंस्की की चिंता

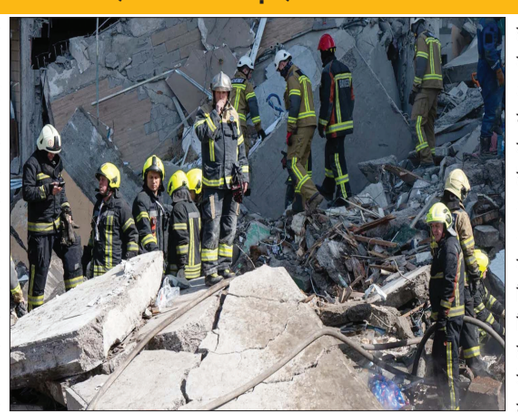

कीव (एजेंसी)। रूस ने मंगलवार देर रात यूक्रेन पर हाल के महीनों का सबसे बड़ा और विनाशकारी हवाई हमला किया है। सैकड़ों ड्रोन और दर्जनों अत्याधुनिक मिसाइलों से कीव सहित पूरे देश को निशाना बनाया गया। इस भीषण हमले में कम से कम 23 लोगों की मौत हो गई और 90 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। यूक्रेनी वायुसेना द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, रूस ने इस हमले में 656 ड्रोन और 73 मिसाइलें दागीं। हालांकि, यूक्रेनी एयर डिफेंस सिस्टम ने मुस्तैदी दिखाते हुए कई खतरों को हवा में ही नष्ट कर दिया, लेकिन इसके बावजूद 54 ड्रोन और 33 मिसाइलें सुरक्षा कवच को भेदने में कामयाब रहीं, जिससे कई इलाकों में आवासीय इमारतें जमींदोज हो गईं। इस हमले ने यूक्रेन की सबसे बड़ी सैन्य कमजोरी को एक बार फिर दुनिया के सामने उजागर कर दिया है, जो कि पैट्रियट एंटी-बैलिस्टिक मिसाइलों की भारी कमी है।

पैट्रियट सिस्टम रूस की एडवांस बैलिस्टिक मिसाइलों को रोकने में सबसे अचूक माना जाता है, लेकिन यूक्रेन के पास इसकी बेहद सीमित संख्या है। राष्ट्रपति व्लोदिमीर जेलेंस्की ने भी खुलकर स्वीकार किया कि मौजूदा हथियार आपूर्ति के सहारे वे इतनी बड़ी संख्या में मिसाइलों को रोकने में सक्षम नहीं हैं। उन्होंने अमेरिका और यूरोपीय सहयोगियों से तुरंत सैन्य मदद की गुहार लगाई है।

पैट्रियट मिसाइलों की इस किल्लत के पीछे मुख्य वजह अमेरिका की सीमित उत्पादन क्षमता है। अमेरिका इस प्रणाली का मुख्य उत्पादक है, लेकिन उसकी सालाना उत्पादन क्षमता अभी सिर्फ 650 मिसाइलों के आसपास ही है। इसके अलावा, ईरान के साथ हालिया संघर्ष में अमेरिका और इजरायल द्वारा इन मिसाइलों का भारी इस्तेमाल किए जाने से वैश्विक स्टॉक और कम हो गया है। साथ ही, ट्रंप प्रशासन की अमेरिका फर्स्ट नीति के तहत अमेरिका पहले अपनी आंतरिक सुरक्षा जरूरतें पूरी कर रहा है, जिसके कारण यूक्रेन को आपूर्ति मिलने में देरी हो रही है। बदलते हालात के बीच राष्ट्रपति जेलेंस्की ने व्हाइट हाउस और अमेरिकी कांग्रेस को पत्र लिखा है। अब तक यूक्रेन सीधे तौर पर तैयार हथियार मांग रहा था, लेकिन अमेरिका के पास घटते स्टॉक को देखते हुए अब जेलेंस्की ने मिसाइलों का प्रोडक्शन लाइसेंस मांगा है। यह कदम यूक्रेन की बढ़ती हताशा के साथ-साथ एक बड़े प्रतीकात्मक बदलाव को भी दिखाता है, जहां कभी हथियार मांगने वाला देश अब खुद निर्माण तकनीक की मांग कर रहा है। रूस इस स्थिति का फायदा उठाकर हमले तेज कर रहा है। यदि पश्चिमी देशों ने जल्द ही बड़े पैमाने पर मदद नहीं भेजी, तो यूक्रेन के शहरों पर तबाही का खतरा और गहरा सकता है।

कुवैत में अमेरिकी ठिकानों पर ईरान ने कर दिया हमला

कुवैत सिटी (एजेंसी)। अमेरिका और ईरान के बीच जारी सैन्य टकराव के कारण खाड़ी क्षेत्र में तनाव अपने चरम पर पहुंच गया है। इस बीच एक बड़े घटनाक्रम में ईरान ने कुवैत में स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले करने का दावा किया है। इस दावे के बाद पूरे खाड़ी क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था बेहद संवेदनशील हो गई है और कुवैत की सेना को हाई अलर्ट पर रख दिया गया है। बुधवार को कुवैत के कई हिस्सों में अचानक तेज धमाकों की आवाजें सुनाई देने से हड़कंप मच गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए कुवैत की सेना के जनरल स्टाफ ने एक आधिकारिक बयान जारी कर स्थिति स्पष्ट की।

सेना ने पुष्टि की कि नागरिकों द्वारा सुनी गई धमाकों की आवाजें दरअसल उसके एयर डिफेंस सिस्टम की सक्रियता के कारण थीं। कुवैती सैन्य अधिकारियों के अनुसार, देश के एयर डिफेंस सिस्टम ने मुस्तैदी दिखाते हुए आसमान में ही दुश्मन की कई मिसाइलों और ड्रोनों को इंटरसेप्ट कर उन्हें सफलतापूर्वक नष्ट कर दिया। कुवैत की सेना ने अपने बयान में कहा, हमारा एयर डिफेंस सिस्टम इस समय दुश्मन के मिसाइल और ड्रोन हमलों का कड़ा मुकाबला कर रहा है। यदि आगे भी धमाकों की आवाजें सुनाई देती हैं, तो जनता पैनिक न हो, क्योंकि वे दुश्मन के हवाई हमलों को रोकने के लिए की जा रही जवाबी सैन्य कार्रवाई का ही परिणाम हैं।

इस हवाई कार्रवाई के बाद कुवैती सैन्य अधिकारियों ने नागरिकों और वहां रह रहे प्रवासियों के लिए एक सख्त एडवायजरी जारी की है। लोगों को हिदायत दी गई है कि वे आसमान से गिरने वाले किसी भी मलबे, छर्रों या अज्ञात वस्तुओं के पास बिल्कुल न जाएं, क्योंकि ये खतरनाक और जानलेवा हो सकते हैं। रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता कर्नल सऊद अब्दुलअजीज अल-ओतैबी ने जनता से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध वस्तु के दिखने पर तुरंत 112 आपातकालीन हॉटलाइन पर सूचित करें। साथ ही, उन्होंने लोगों से अफवाहों से बचने और केवल आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा करने का आग्रह किया है। दूसरी तरफ, ईरान के सरकारी मीडिया ने इस हमले की जिम्मेदारी लेते हुए दावा किया है कि कुवैत में मौजूद अमेरिकी सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया गया है। ईरान का कहना है कि यह कार्रवाई फारस की खाड़ी, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज और केश्म द्वीप पर अमेरिका द्वारा की गई शत्रुतापूर्ण हरकतों का सीधा बदला है। हालांकि, इन हमलों में अमेरिकी ठिकानों को कितना नुकसान पहुंचा है, इसकी आधिकारिक जानकारी अभी सामने नहीं आई है। फिलहाल कुवैत की सेना पूरी स्थिति पर पैनी नजर बनाए हुए है।

700 मर्दों ने किया दुष्कर्म- ब्रिटिश सांसद ने संसद में बताया पीड़िताओं का दर्द

लंदन (एजेंसी)। ब्रिटेन में कथित तौर पर सक्रिय रहे ग्रूमिंग गैंग और बाल यौन शोषण के मामलों को लेकर एक बार फिर चौंकाने वाले और बेहद दर्दनाक खुलासे हुए हैं। ब्रिटिश सांसद रूपर्ट लोव ने संसद में दिए गए अपने संबोधन में कई पीड़िताओं की गवाहियों का हवाला देते हुए बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि वर्षों तक संगठित गिरोहों ने नाबालिग लड़कियों का बेरहमी से यौन शोषण किया और इस पूरी अवधि के दौरान प्रशासनिक व संस्थागत स्तर पर भी गंभीर लापरवाहियां और विफलताएं देखने को मिलीं।

सांसद रूपर्ट लोव ने संसद के सामने इन मामलों को रखते हुए कहा कि एक स्वतंत्र जांच के दौरान जो गवाहियां सामने आईं, वे इतनी भयावह थीं कि उन्हें सार्वजनिक रूप से सामने लाना बेहद जरूरी था। उन्होंने संसद से पूरी ईमानदारी के साथ अपील की कि इन बहादुर पीड़िताओं की आवाज को अनसुना न किया जाए और दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

सरकार की पूर्व जांच रिपोर्टों और इन गवाहियों के अनुसार, देश के विभिन्न हिस्सों में नाबालिग लड़कियों को निशाना बनाने वाले इन आपराधिक गिरोहों में मुख्य रूप से पाकिस्तानी मूल के कुछ टैक्सी ड्राइवर और दुकानदार शामिल थे। संसद में पेश की गई इन गवाहियों में गंभीर यौन शोषण, बेहद कम उम्र में जबरन प्रेगनेंसी, डराने-धमकाने और स्थानीय पुलिस के कथित दुर्व्यवहार का जिक्र किया गया है। लोव ने कहा कि दुनिया को वह सब सुनना चाहिए जो स्वतंत्र रेप गैंग जांच की दो हफ्तों की सुनवाई के दौरान सामने आया है।

संसद में जो गवाहियां रखी गईं, उनमें से एक पीड़िता ने अपनी दर्दनाक आपबीती बताते हुए कहा कि जब वह महज 12-13 साल की थी, तब उसके साथ अमानवीय तरीके से जबरदस्ती की गई। वहीं, एक अन्य पीड़िता की गवाही के अनुसार, आरोपियों द्वारा नस्लवादी टिप्पणियां भी की जाती थीं। एक अन्य दिल दहला देने वाले बयान में पीड़िता ने दावा किया कि जब वह 13 साल की थी, तब से लेकर अगले तीन सालों के दौरान सैकड़ों अलग-अलग पुरुषों ने उसका यौन उत्पीड़न किया। एक अन्य पीड़ित ने बताया कि बंधक बनाकर रखी गई लड़कियों को अमानवीय स्थितियों में पिंजरों तक में बंद करके रखा जाता था।

इस पूरे ग्रूमिंग गैंग पैटर्न की बात करें तो वर्ष 2025 में रूपर्ट लोव के नेतृत्व में हुई एक निजी जांच के दौरान पूरे यूके के कम से कम 85 इलाकों में इस तरह के गैंग आधारित बाल यौन शोषण की पहचान की गई थी। जांच रिपोर्टों के मुताबिक, इस नेटवर्क में एक खास पैटर्न और सरकारी संस्थाओं की घोर लापरवाही साफ तौर पर देखी जा सकती है। ब्रिटेन में इस तरह के ग्रूमिंग गैंग्स का इतिहास पुराना रहा है। सबसे पहले 2002 में वेस्ट यॉर्कशायर के कीथली क्षेत्र से ऐसी चेतावनी सामने आई थी। इसके बाद साल 2010 में साउथ यॉर्कशायर के रॉदरहैम में कम उम्र की लड़कियों के साथ हुए अपराधों के मामले में एक समूह को दोषी ठहराया गया था, जिसके बाद इस पूरे संगठित नेटवर्क और इसके तौर-तरीकों का देशव्यापी खुलासा हुआ था।

शिखंडी

जग्गी वासुदेव

द्रोणाचार्य अपने बचपन के मित्र महाराज द्रुपद के पास उनके राज्य का हिस्सा मांगने गए, पर द्रुपद ने उन्हें अपमानित किया था। द्रोण ने इसका बदला द्रुपद को कैदी बनाकर लिया, और तब द्रुपद ने इसका जवाब देने के लिए भगवान शिव से वरदान मांगा। उसे वरदान में एक पुत्री शिखंडी के प्राप्ति हुई। द्रोण ने कसम खाई कि वे द्रुपद के हाथों मिले अपमान का बदला जरूर लेंगे। उन्होंने परशुराम से अस्त्र प्राप्त किए और हस्तिनापुर आ कर, कौरवों और पांडवों को युद्ध कला सिखाने लगे। वे लोग अपनी शिक्षा-दीक्षा पूरी करने के बाद गुरु दक्षिणा देने के लिए उत्सुक थे। द्रोण ने उन्हें सबसे पहले यही कहा कि वे द्रुपद को उनके सामने ला कर खड़ा करें। कौरव और पांडव

राजकुमारों ने बस इसी कारण पांचाल देश की राजधानी कांपिल्य पर हमला कर दिया। हमले के लिए पहले कौरव राजकुमार गए और पांडव पीछे रुक कर देखते रहे। द्रुपद की सेना बिल्कुल तैयार नहीं थी। सभी इस हमले से चौंक गए, क्योंकि इस हमले का कोई स्पष्ट कारण वे समझ नहीं पा रहे थे। लेकिन जैसे ही उन्हें हमले का अहसास हुआ आम नागरिक भी अपने घरों से मिलने वाले चाकू, कड़छीए लाठियां और जो कुछ भी हाथ आया, उसी के साथ लड़ने आ गए। उन्होंने कौरवों से लड़ाई की और उन्हें पीट कर वापस भेज दिया। आम लोगों के हाथों परास्त कौरव अपमानित हो कर लौट गए। तब द्रोण ने अर्जुन से कहा, ''यह गुरु दक्षिणा तुम्हें देनी होगी। जाओ, जा कर द्रुपद को ले कर आओ।' भीम और अर्जुन चुपचाप शहर में प्रवेश कर गए, उन्होंने द्रुपद को पकड़ कर बांधा और उन्हें ले जाकर द्रोण के चरणों में डाल दिया। जैसे ही द्रुपद ने द्रोण को देखा तो वे जान गए कि वे युवक द्रोण के कहने से ही उन्हें बांध कर लाए हैं। एक महान योद्धा द्रोण के चरणों में कैदी बना पड़ा था। तब द्रोण ने कहा, ''अब हम आपस में कुछ बांटने की बात नहीं कर सकते क्योंकि हमारे स्तर समान नहीं रहे। तुम मेरे आगे गुलाम की तरह पड़े हो। तुम मुझे गुरु दक्षिणा के उपहार के तौर पर मिले हो। मैं तुम्हारे साथ जो जी चाहे कर सकता हूं। लेकिन मैं तुम्हारा मित्र रहा हूं इसलिए मैं तुम्हारे प्राण नहीं लूंगा।' गुस्से, जलन और लज्जा से सुलग रहे द्रुपद अपने आधे राज्य में चले गए।वे गुस्से में सुलग रहे थे। उन्होंने शिव को प्रार्थना करते हुए कहा, ''मैं एक संतान चाहता हूं जो मेरा बदला ले।' परंतु उनके यहां जिस संतान का जन्म हुआ, वह एक कन्या थी।

खबरें जरा हटके

दूसरी बार प्रेग्नेंट हुआ यह आदमी, देने वाला है बच्चे को जन्म

नई दिल्ली। प्राकृति का नियम है कि महिलाएं ही गर्भधारण करने के लिए शारीरिक रूप से सक्षम होती हैं, लेकिन यह पुरुष दूसरी बार गर्भवती है। आप सोच रहे होंगे कि पुरुष गर्भवती कैसे हो सकता है, लेकिन विज्ञान की मदद से यह संभव है। मामला अमरीका के ऑरिगन का है, जहां एक शख्स प्रेग्नेंट है और वह भी दूसरी बार।

ट्रिस्टन रीस और बिफ चाप्लॉ नाम के गे पिताओं के लिए बड़ी खुशखबरी है। दरअसल इस कपल में से ट्रिस्टन दूसरी बार प्रेग्नेंट हैं। वह अपने गे पति बिफ चाप्लॉ के बच्चे को जन्म देने वाले हैं। इससे पहले 2016 में उसका गर्भपात हो गया था। वर्ष 2016 में छह सप्ताह की प्रेग्नेंसी के बाद ट्रिस्टन का गर्भपात हो गया था। इसके बाद इस कपल ने अपने जैविक बच्चे की उम्मीद छोड़ दी थी, लेकिन अब उनकी उम्मीद फिर से जाग गई है।

ट्रिस्टन बच्चे को जन्म देने वाला है। आपको बता दें कि इस गे कपल ने 2 बच्चों को गोद भी लिया हुआ है। दरअसल साल 2011 में बिफ की बहन और उसके बॉयफ्रेंड के बीच विवाद के बाद इस गे कपल ने उनके बच्चों को गोद ले लिया था। अब ये गे कपल अपने जैविक कपल का इंतजार कर रहा है।

दोनों ही नए मेहमान के आने की खुशखबरी से बेहद खुश है और बच्चे का इंतजार कर रहे हैं। हलांकि इसके लिए उन्हें काफी सावधानी बरतनी पड़ रही है। डॉक्टरों की निगरानी में ट्रिस्टन की देखभाल की जा रही है, ताकि इस बार किसी भी तरह की कोई गड़बड़ी न हो। उन्होंने अपनी फोटो भी शेयर की है।

कैमरा देखते ही खिलखिलाकर पोज करने लगा ये जेब्रा

नई दिल्ली। कैमरा देखते ही बच्चे से लेकर बूढ़े तक हर कोई स्माइल करते हुए पोज देने लगता है, लेकिन क्या हो अगर जानवर भी कुछ ऐसा ही करने लगें। दरअसल ऐसा सच में हुआ है। यह घटना अफ्रीका में हुई। यहां एक अमरीकी टूरिस्ट केन्या के सफारी पार्क में छुट्टियां बिताने गया था। वो सफारी के दौरान जानवरों की तस्वीरें खींच रहा था, तभी उसे चार जेब्रा साथ में खड़े दिखाई दिए।

टूरिस्ट कैमरा लेकर जेब्रा के पास जाता है और जैसे ही जेब्रा से कहता है चीज तो जेब्रा भी अपने सारे दांत दिखाते हुए हंस देता है। इस तस्वीर को देखकर आप भी मुस्कुराए बिना नहीं रह पाएंगे और कहेंगे कि सचमुच फोटोग्राफर के चीज कहने पर इस जेब्रा ने हंसना शुरू कर दिया। जेब्रा की ये हंसते हुए फोटो ली है पेंसिलवेनिया में रहने वाले 46 साल के लिंक्लन हैरिस ने जो बीते दिनो छुट्टियां बिताने के लिए अफ्रीका के जंगलो में गए थे। हैरिस ने बताया कि जब मैं वहां पहुंचा तो वो सब एक लाइन में खड़े हुए थे। अचानक ही उसमें से जो सबसे किनारे खड़ा था उसने अपने दांत दिखाना शुरू कर दिया। जैसे ही ही वो हसा मैने उसकी फोटो क्लिक कर ली। हैरिस के लिए ये एक अनोखा अनुभव था। जब उन्होंने किसी जानवर की फोटो खींची हो और वो मुस्कुरा दिया हो।

सेहत

मुंह के छालों व इन रोगों के लिए रामबाण है बील, ऐसे करें इस्तेमाल

गर्मी ने बेहाल कर रखा है। ऐसे में पेट के साथ दिमाग के लिए भी ठंडक बेहद जरूरी है। इस मौसम में बील या बेल ऐसा फल है जो अपने विशेष गुणों से गर्मी में राहत देता है। जानते हैं इसके गुण-

गर्मियों में लू लगने पर इसका शर्बत पीने से आराम मिलता है। पीलिया में बील की कोपलों का 50 ग्राम रस में एक ग्राम पिसी काली मिर्च मिलाकर सुबह-शाम पिएं, इससे लाभ मिलता है। सौ ग्राम पानी में इसका थोड़ा गूदा उबालें, ठंडा होने पर कुल्ला करने से मुंह के छाले ठीक होते हैं।

सिरदर्द में बील पत्र के रस से भीगी पट्टी माथे पर रखें। पुराना सिरदर्द होने पर कुछ पत्तों का रस निकाल कर पिएं। गर्मियों में इसमें थोड़ा पानी मिला लें। मोच या अंदरुनी चोट में बील के पत्तों को पीसकर थोड़े गुड़ में पकाएं। इसे पीड़ित अंग पर बांध दें। दिन में तीन-चार बार इसे बदलें, लाभ मिलता है।

पके बील में चिपचिपापन होता है इसलिए यह डायरिया रोग में काफी लाभप्रद है और शरीर में पानी की कमी को दूर करता है। पका बील खाने से वात और कफ रोग दूर होते हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ

धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। कार्यक्षेत्र में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-2-4-6

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। हाथ में आने वाला धन भी किसी अवरोध का शिकार हो जाएगा। व्यापार में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। धार्मिक यात्रा का योग है। शुभांक-5-7-9

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा

चापलूस मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। सब्र का फल मीठा होता है अत:धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। शुभांक-4-6-8

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो

थोड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। घर-परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। सुबह-सुबह की महत्त्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। शुभ कार्यों का तत्काल फल मिलेगा। शुभांक-5-7-8

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे

पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-6-8-9

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित लाभ होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-7-8-9

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते

कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। माता-पिता के स्वास्थ्य की चिन्ता रहेगी। शुभांक-5-8-9

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू

व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-1-3-5

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रख। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। शुभांक-2-4-6

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी

रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। राजकीय कार्यों से लाभ। शुभांक-3-5-7

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा

समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-7-9

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-4-8-9

लॉफिंग ज़ोन

चिंटू- यार कल कोई मेरी बीवी से जबरदस्ती कर गया और 15,000 रूपए भी ले गया।

पिंटू- झूठे 10,000 रूपए थे।

चिंटू- पैसे को छोड कौन था ये पता कर।

▯ ▯ ▯

चिंटू- क्या तुम किसी से प्यार करते हो ?

पिंटू- हाँ यार।

चिंटू- तो उसने क्या कहा ?

पिंटू- वो बोलती है, आई लव यू टू .... पता नही ये दूसरा कौन है।

▯ ▯ ▯

चिंटू- क्या तुम किसी से प्यार करते हो ?

पिंटू- हाँ यार।

चिंटू- तो उसने क्या कहा ?

पिंटू- वो बोलती है, आई लव यू टू .... पता नही ये दूसरा कौन है।

▯ ▯ ▯

मूसलाधार बारिश हो रही थी। बिजली चमक रही थी।

तभी एक व्यक्ति भीगता हुआ आया और दुकानदार से बोला, भाई साहब एक डबलरोटी दे दीजिए।

दुकानदार ने पुछा, क्या आप शादीशुदा है। वह बोला, ओर आप क्या समझते है कि ऐसे मौसम में मेरी मां मुझे बाहर भेजेगी।

काकुरो पहेली - 4074

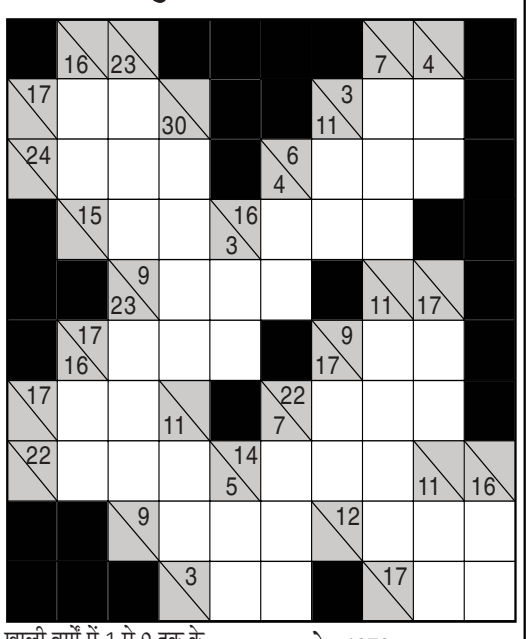

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

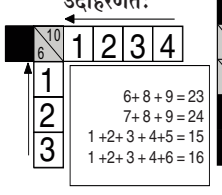

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो -4073 का हल

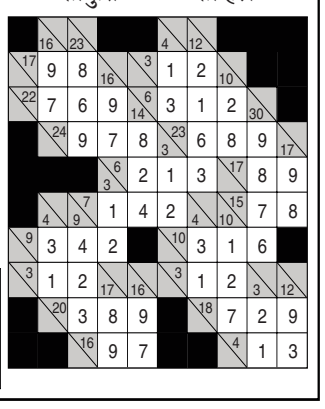

फिल्म वर्ग पहेली- 4074

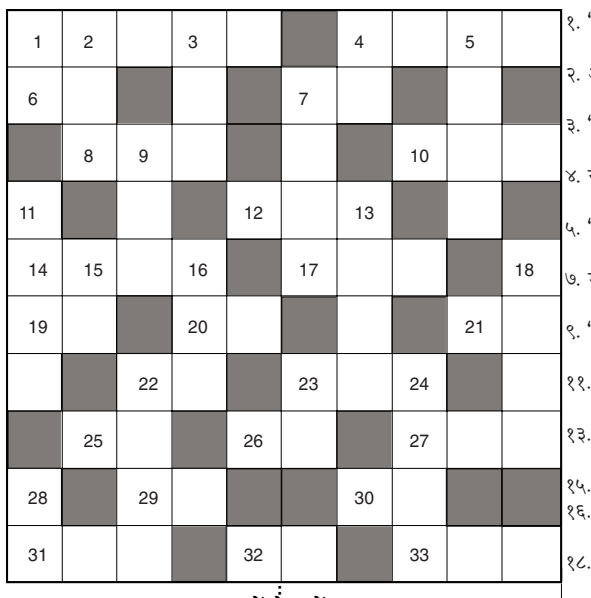

ऊपर से नीचेः-

१. 'नदिया किनारे आओ' गीत वाली संजय दत्त, आफताभ, नंदिता दास की फिल्म-२
२. अमिताभ, अमजद, नीतूसिंह की 'सारा जमाना हसीनों का' गीत वाली फिल्म-३
३. 'दो दिवाने शहर में' गीत वाली अमोल पालेकर, जरीना वहाब की फिल्म-३
४. नसीरूद्दीनशाह, जैकी श्रॉफ, नगमा की 'मैं प्यासी नदिया' गीत वाली फिल्म-२
५. 'लिखे जो खत तुझे वो तेरी' गीत वाली शशिकपूर, आशा पारेख की फिल्म-४
७. मनोजकुमार, आशा पारेख की 'लो आ गई उन की याद' गीत वाली फिल्म-१,३
९. 'दो नैनों में आँसू भरे हैं' गीत वाली जीतेंद्र, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
११. जॉय मुखर्जी, माला, शर्मिलाकी 'वो हसीन दर्द देदो' गीत वाली फिल्म-४
१३. 'इस सो पहले कि याद तू आए' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-४
१५. 'परिचय' में जीतेंद्र की नायिका ?-२
१६. करण दीवान, स्वर्णलता की 'जब तुम ही चले परदेस' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'तन मन धन सब है' गीत वाली संजीवकुमार, लीना की फिल्म-४
२२. गुरूदत्त, शकीला, श्यामा की 'बाबू जी धीरे चलना' गीत वाली फिल्म-२,२
२३. रेखा, दिलीपकुमार, ममता की फिल्म-२
२४. शाहरूख, विवेक मुशरान, जूही की 'अपुन की लाइफ' गीत वाली फिल्म-४
२८. 'तेरे प्यार का' गीत वाली आफताब शिवदासनी, युक्ता मुखी की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. 'ये जीवन है इस जीवन का यही है' गीत वाली फिल्म-२,१,२
४. राकेश रोशन, शत्रुघ्न सिन्हा, रीनाराय, रंजीता की फिल्म-४
६. फिल्म 'साया' में जॉन अब्राहम के साथ नायिका कौन थी-२
७. 'ऐसा कोई जिंदगी में' गीत वाली फिल्म-२
८. राजकिरण, जावेद खान की फिल्म-३
१०. 'है ना बोलो' गीत वाली फिल्म-३
१२. सुनीलदत्त, निम्मी की फिल्म-३
१४. 'देख सकता हूँ मैं कुछ' गीत वाली फिल्म-४
१७. अष्मित पटेल, मीरा की फिल्म-३
१९. 'आई जो तेरी याद' गीत वाली फिल्म-२
२०. फिल्म 'तक्षक' में अजय देवगन के साथ नायिका कौन थी-२
२१. शाहरूख, प्रियंका की 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीतवाली फिल्म-२
२२. अक्षयकुमार, सुनील शेट्टी, जैकी, शत्रुघ्न, रवीना, लारा की फिल्म-२
२३. धर्मेन्द्र, जीतेंद्र, हेमा की फिल्म-३
२५. 'मैं नये जमाने की' गीत वाली अजय देवगन, रवीना की फिल्म-२
२६. फिरोज, संजय, मुमताज की 'गोरी के हाथ में' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'झोंपडी में चारपाई' गीत वाली जीतेंद्र, श्रीदेवी की फिल्म-३
२९. राजकपूर (डबल रोल), नर्गिस की 'आ जाने बहार' गीतवाली फिल्म-२
३०. 'फूल मांगू ना बहार मांगू' गीत वाली फिल्म-२
३१. कमल हासन, सनी, डिम्पल की फिल्म-३
३२. फिल्म 'तपस्या' की नायिका ?-२
३३. अभिनेत्री 'मनीषा कोइराला' किस देश की रहने वाली है-३

फिल्म वर्ग पहेली- 4073

त्रि	शु	ल	■	ग	दा	र	■	धा	■
दे	■	गा	य	ब	■	ह	म	रा	ज
व	च	न	■	न	ग	मा	■	वी	रू
■	र	■	घ	■	ज	न	म	■	र
ती	स	री	मं	जि	ल	■	दा	व	त
स	■	■	डी	■	■	नू	री	■	■
रा	जा	जी	■	अ	मृ	त	■	प	■
कौ	न	■	■	प	■	न	व	रं	ग
न	■	अ	नु	रा	ग	■	■	प	■
■	जु	म्मा	■	ध	■	अ	प	रा	ध

सूडोकु -4074

	7	9	4	2		6		3
	6		8		7		2	
4	1				3	5	8	
	9	8	3					
7		4		5		8		1
					9	7	3	
	8	5	7				4	6
	2		9		1		5	
3		1		6	8	9	7	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु 4073 हल

8	9	5	1	3	7	2	4	6
7	3	2	6	5	4	1	8	9
1	6	4	8	9	2	7	5	3
5	7	3	4	2	9	6	1	8
4	2	8	5	6	1	3	9	7
6	1	9	3	7	8	5	2	4
3	5	1	9	4	6	8	7	2
2	4	6	7	8	5	9	3	1
9	8	7	2	1	3	4	6	5

शब्द पहेली -4074

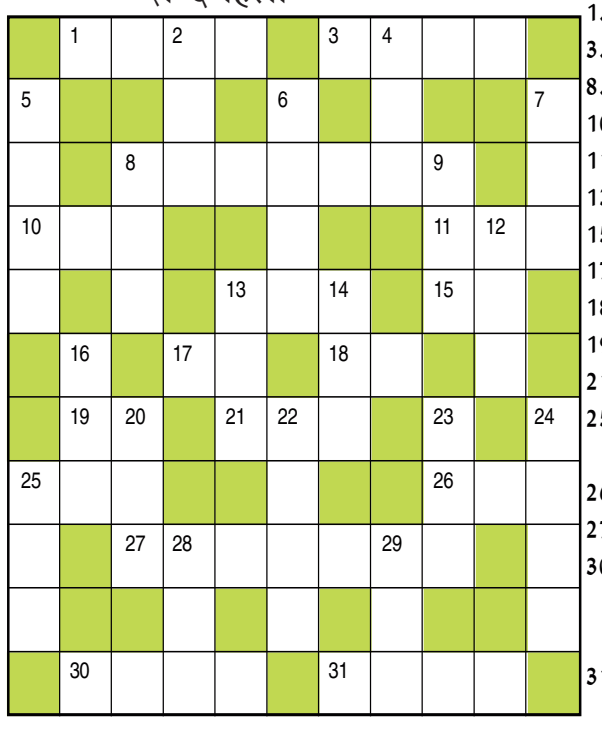

बाएँ से दाएँ

1. मरघट,कब्रिस्तान-4
3. पागल,बुद्धिहीन-4
8. भगवान,ईश्वर,खुदा-7
10. डांटना,दुत्कार-3
11. तरुण,किशोर-3
13. ओट,घूँघट-3
15. तपस्या-2
17. पराया,अजनबी-2
18. आनंद,मौज-2
19. सूर्य,भास्कर-2
21. चिंतन,सोच विचार-3
25. वेणी,फूलों की माला जो बालों में लगाते हैं-3
26. वैद्य-3
27. आभास करना-4,3
30. शिव के इस मंदिर को महमूद गजनवी ने कई बार लूटा था-2,2
31. युद्धघोष,आक्रमण, हमला-4

ऊपर से नीचे

2. कवि,गजलकार-3
4. भारत का झंडा-3
5. ईश्वर,भगवान-4
6. गुरुवार-4
7. दुर्ज,पापी,भूत-3
8. शरण,आश्रय-3
9. चांदी-3
12. उत्तराधिकारी-3
13. उत्कृष्ट,प्रधान-3
14. आंचल-3
16. कमल-3
20. रुकना,अंत, ठहराव-3
22. उत्तमता, खूबी (उर्दू-4)
23. बर्दाश्त करना, निभाना-3
24. आय, कमाई-4
25. उष्ण-3
28. पराजित करना-3
29. उपपत्नी,दूसरी पत्नी-3

शब्द पहेली 4073 का हल

रा	ऊ	ल	के	ला	■	■	क	स	क	■
ह	जां	■	श	■	श	त्रु	ता	■	न्या	य
गु	■	■	ही	र	क	■	र	■	■	म
ज	ला	व	न	■	■	गं	■	अ	नु	ज
र	■	च	■	बे	ल	गा	म	■	की	■
■	शा	न	■	क	■	ज	■	ब	ला	■
■	य	■	श	रा	र	ल	■	न्द	■	त
म	द	द	■	र	■	■	अ	र	मा	न
श	■	■	स	■	शा	य	र	■	■	ब
क	म	■	न	र	म	■	मा	■	मा	द
■	जा	न	म	■	■	म	न	मो	ह	न

पीएम राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2026 के लिए आवेदन शुरू, 31 जुलाई अंतिम तिथि

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार (पीएमआरबीपी) 2026 के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू कर दी गयी है। इसके लिए आवेदन और नामांकन की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026 है। यह पुरस्कार उन बच्चों को दिया जाता है जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में असाधारण उपलब्धियां हासिल की हैं। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने बताया कि यह पुरस्कार राष्ट्रपति द्वारा प्रदान किया जाता है। पांच से 18 वर्ष आयु वर्ग के बच्चे (31 जुलाई 2026 तक) इसके लिए पात्र हैं। किसी भी व्यक्ति या संस्था द्वारा नामांकन किया जा सकता है, जबकि बच्चे स्वयं भी आवेदन कर सकते हैं। पुरस्कार छह श्रेणियों में दिए जाएंगे जिसमें बहादुरी, समाज सेवा, पर्यावरण, खेल, कला एवं संस्कृति और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी शामिल है। आवेदन केवल ऑनलाइन माध्यम से राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल पर स्वीकार किए जाएंगे। आवेदन के लिए नाम, जन्म तिथि, आधार संख्या, मोबाइल नंबर और ई-मेल जैसी जानकारी देनी होगी। आवेदक को उपलब्ध नामांकन सूची में 'प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2026' का चयन कर संबंधित श्रेणी में आवेदन करना होगा। आवेदन पत्र के साथ उपलब्धि और उसके प्रभाव का अधिकतम 1000 शब्दों का विवरण, आवश्यक प्रमाण-पत्र तथा हाल का फोटो अपलोड करना अनिवार्य है। मंत्रालय ने अभिभावकों, शिक्षकों, सामाजिक संगठनों और नागरिकों से अपील की है कि वे योग्य और प्रतिभाशाली बच्चों को इस सम्मान के लिए आवेदन करने या नामांकित कराने में सहयोग करें।

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना में पालघर में तीसरी पर्वतीय सुरंग में आरपार खुदाई का काम पूरा

नई दिल्ली। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के तहत महाराष्ट्र के पालघर जिले में तीसरी पर्वतीय सुरंग के आर-पार खुदाई पूरी कर ली गई है। महाराष्ट्र के पालघर जिले के दहाणू तालुका के अंबेसरी गांव में स्थित 417 मीटर लंबी इस सुरंग के पूरा होने के साथ ही पिछले पांच महीनों में महाराष्ट्र में तीन पर्वतीय सुरंगों का उत्खनन कार्य पूरा हो गया। राष्ट्रीय उच्च गति रेल निगम लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) के अनुसार यह सुरंग 14.4 मीटर चौड़ी है और इसे बुलेट ट्रेन कॉरिडोर की अप तथा डाउन दोनों पटरियों को चलाने के लिए तैयार किया गया है। सुरंग की खुदाई दोनों सिरों से नियंत्रित ड्रिलिंग एवं ब्लास्टिंग तकनीक के जरिए की गई। एनएचएसआरसीएल ने बताया कि निर्माण के दौरान संरचनात्मक स्थिरता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अत्याधुनिक निगरानी प्रणालियों तथा भू-तकनीकी उपकरणों का उपयोग किया गया। खुदाई के समय कंपन, सुरंग के व्यवहार और आसपास की संरचनाओं पर प्रभाव की निगरानी के लिए सरफेस सेटलमेंट प्वाइंट, त्रि-आयामी (3डी) लक्ष्य, स्ट्रेन गेज और सीस्मोग्राफ सहित विभिन्न रियल-टाइम मॉनिटरिंग प्रणालियां स्थापित की गई थीं।

कांग्रेस विधायक शनीमोल उस्मान केरल विधानसभा की उपाध्यक्ष चुनी गईं

तिरुवनंतपुरम। कांग्रेस विधायक शानीमोल उस्मान 16वीं केरल विधानसभा की उपाध्यक्ष निर्वाचित हुईं। उपाध्यक्ष पद के लिए चुनाव में शानीमोल उस्मान को 99 मत प्राप्त हुए, जबकि वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) समर्थित भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) के उम्मीदवार मोहम्मद मोहसिन को 34 वोट मिले। संसदीय परंपरा का पालन करते हुए विधानसभा अध्यक्ष तिरुवनचूर राधाकृष्णन ने मतदान प्रक्रिया में हिस्सा नहीं लिया। वहीं, सदन में मौजूद भाजपा के तीन विधायकों ने भी मतदान से दूरी बनाए रखी।शानीमोल उस्मान का उपाध्यक्ष पद पर निर्वाचन कई दृष्टि से ऐतिहासिक माना जा रहा है। वह 35 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद इस महत्वपूर्ण संवैधानिक पद तक पहुंचने वाली पहली महिला हैं। इसके साथ ही वह केरल विधानसभा के इतिहास में उपाध्यक्ष पद संभालने वाली चौथी महिला बन गई हैं।

सभी उत्पादों पर 'कार्बन फुटप्रिंट लेबलिंग' अनिवार्य करने की मांग को लेकर प्रधानमंत्री को सौंपेंगे 'अभिनव पत्र' : अनिल जोशी

नई दिल्ली। पर्यावरण कार्यकर्ता पद्म भूषण डॉ. अनिल प्रकाश जोशी ने कहा कि वह 'नेचर नेटवर्क' के सहयोग से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जल्द ही पत्र सौंपकर बाजार के सभी उत्पादों पर 'कार्बन फुटप्रिंट लेबलिंग' अनिवार्य करने की मांग करेंगे। डॉ. अनिल जोशी ने विश्व पर्यावरण दिवस से तीन दिन पहले नई दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) में 'कार्बन फुटप्रिंट' विषय पर आयोजित गोलमेज सम्मेलन को संबोधित किया। यह सम्मेलन आईजीएनसीए और हिमालयन एनवायरनमेंटल स्टडीज़ एंड कंज़र्वेशन ऑर्गेनाइजेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। इसमें पर्यावरण संरक्षण और उपभोक्ता जागरूकता को लेकर एक अभिनव प्रस्ताव पर चर्चा की गई। डॉ. जोशी ने बढ़ते प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग पर चिंता जताते हुए कहा कि जिस तरह खाद्य पदार्थों और दवाओं पर पोषण और रासायनिक तत्वों का लेबल लगाया जाता है, उसी तरह हर उत्पाद से पर्यावरण को होने वाले नुकसान की जानकारी भी उपभोक्ताओं को मिलनी चाहिए। डॉ. जोशी ने समाचार से कहा, जिस तरह आज बाजार रंग-बिरंगे उत्पादों से भरे पड़े हैं, उसी तरह अब समय आ चुका है कि उन उत्पादों पर कार्बन फुटप्रिंट भी अनिवार्य रूप से लिखा जाए। कम कार्बन फुटप्रिंट वाले उत्पादों को चुनना ही प्रकृति में हमारा सबसे बड़ा योगदान होगा।

शिवराज-सरमा मुलाकात में कृषि, ग्रामीण विकास की योजनाओं पर चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कृषि भवन में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात की। इस बैठक में असम में कृषि और ग्रामीण विकास विभाग द्वारा संचालित विभिन्न केंद्रीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई तथा कई महत्वपूर्ण विषयों पर व्यापक चर्चा हुई। बैठक में शिवराज सिंह ने राज्य को कृषि अवसंरचना कोष, प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण, मनरेगा तथा अन्य केंद्रीय योजनाओं का अधिकतम लाभ दिलाने के लिए केंद्र सरकार के पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। ग्रामीण विकास मंत्रालय के एजेंडे पर सचिव रोहित कंसल ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण और मनरेगा प्रणाली की तकनीकी बाधाओं को

पूरी तरह दूर कर दिया गया है। मनरेगा के तहत असम सरकार की मांग के अनुरूप राशि आवंटित की जा चुकी है। आगामी एक जुलाई से देशभर में मनरेगा की जगह विकसित भारत-रोज़गार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) लागू किया जाएगा। बैठक में असम सरकार द्वारा चाय बागान (टी-गार्डन) श्रमिकों को भूमि का मालिकाना हक (पट्टा) प्रदान किए जाने के ऐतिहासिक कदम की सराहना की गई। केंद्रीय मंत्री ने निर्देश दिए कि इन श्रमिकों को प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण का लाभ देने के लिए सरकार एक विशेष सर्वे विंडो खोलेगी, ताकि पात्र लाभार्थियों के नाम डिजिटल रिकॉर्ड में दर्ज किए जा सकें। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री चौहान ने असम की विशिष्ट जलवायु और मिट्टी की विशेषताओं के आधार पर तैयार कृषि कार्ययोजना का प्रारूप मुख्यमंत्री हेमंता बिस्वा सरमा को सौंपा। बैठक में कृषि और ग्रामीण विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण निर्णयों पर सहमति बनी। ग्रामीण विकास मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि महिला सशक्तीकरण की दिशा में असम ने लक्ष्य से अधिक 9 लाख से ज्यादा 'लखपति दीदी' तैयार कर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। इन महिलाओं के उद्यमों को और सशक्त बनाने के लिए असम एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी के इनक्यूबेटर्स के साथ मिलकर कार्य को गति दी जाएगी। कृषि मंत्रालय के सचिव आतिश चंद्र ने मुख्यमंत्री को महिला किसानों को कृषि पावर वीडर उपलब्ध कराने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों से अवगत कराया। इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन-ऑयल पाम के विस्तार पर भी चर्चा हुई।

सीबीएसई अध्यक्ष और सचिव का तबादला, अनियमितताओं की जांच के लिए समिति का गठन

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) से जुड़े हाल के विवादित घटनाक्रम पर बड़ी कार्रवाई करते हुए बोर्ड के अध्यक्ष और सचिव का तबादला कर दिया है। साथ ही कथित अनियमितताओं की जांच के लिए एक सदस्यीय जांच समिति का गठन किया है जो ऑन स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) सेवाओं की खरीद की जांच करेगी। सूत्रों के अनुसार सीबीएसई के चेयरमैन राहुल सिंह और सचिव हिमांशु गुप्ता का तबादला कर दिया गया है। वहीं एक कार्यालय ज्ञापन के अनुसार क्षमता निर्माण आयोग की अध्यक्ष एस राधा चौहान की एक जांच समिति का गठन किया गया है। उन्हें एक माह के अंदर प्रोक्योरमेंट (खरीद) की जांच कर कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग को रिपोर्ट सौंपनी है। ओएसएम सीबीएसई की नई ऑन-स्क्रीन मार्किंग डिजिटल प्रणाली है, जिसको इसी साल कक्षा 12 की परीक्षाओं के लिए शुरू किया गया था। इसका उद्देश्य उत्तर पुस्तिकाओं का ऑनलाइन स्कैन और मूल्यांकन कर दक्षता में सुधार लाना था। हालांकि धुंधली स्कैनिंग, बेमेल शीट, गायब पृष्ठ और कम अंक जैसी खामियों से यह प्रणाली विवाद का केंद्र बन गई। छात्रों की शिकायतों, पोर्टल संबंधी समस्याओं और कथित तौर पर नियमों में बदलाव से चलते टीसीएस के बजाय विक्रेता 'कोएम्ट' का चुना जाना जन आक्रोश और राजनीतिक का कारण बना। सीबीएसई ने मामले में अपनी गलती स्वीकारी, हजारों शीटों को दोबारा स्कैन करना पड़ा।

अल नीनो की आशंका पर केंद्र अलर्ट, किसान हित सर्वोच्चः शिवराज

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिण-पश्चिम मानसून, संभावित अल नीनो प्रभाव, जल उपलब्धता, बीज व्यवस्था, फसल रणनीति और राज्यों की तैयारियों की कृषि भवन में विस्तृत समीक्षा की गई। इस उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सभी संबंधित केंद्रीय विभागों, राज्य सरकारों को समन्वय और अग्रिम योजना के साथ काम करने के निर्देश दिए। चौहान ने बैठक के बाद पत्रकारों से कहा कि किसानों को घबराने की जरूरत नहीं है, क्योंकि मोदी सरकार पूरी सतर्कता के साथ तैयारी कर रही है और लक्ष्य यह है कि मौसम की चुनौती का असर खेत और किसान पर न्यूनतम रहे। उन्होंने कहा कि किसानों के हित सर्वोपरि हैं और संभावित अल नीनो प्रभाव को देखते हुए सभी आवश्यक तैयारियां समय रहते पूरी की जाएं। बैठक में मौसम पूर्वानुमान, जल उपलब्धता, फसलों की स्थिति, बीज एवं अन्य कृषि आदानों की व्यवस्था, राज्यों की तैयारियों और संभावित प्रतिकूल परिस्थितियों से निपटने की कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई।

चौहान ने स्पष्ट किया कि मौसम संबंधी पूर्वानुमानों को पूरी गंभीरता से लिया जा रहा है, लेकिन किसानों को चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। केंद्र और राज्य सरकारों के समन्वित प्रयास, बेहतर जल प्रबंधन, उन्नत तकनीक, सिंचाई सुविधाओं के विस्तार और जलवायु-सहनशील कृषि उपायों के कारण संभावित चुनौतियों का प्रभाव काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। उपलब्ध आकलन के अनुसार जलाशयों का भंडारण इस अवधि के सामान्य स्तर के 127.01 प्रतिशत पर है, जिससे खरीफ मौसम में सिंचाई आवश्यकताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण सहायता मिलेगी और नमी की कमी के जोखिम को काफी हद तक कम किया जा सकेगा। केंद्रीय मंत्री चौहान ने कहा कि अब चुनौती केवल वर्षा पूर्वानुमान की नहीं, बल्कि उससे जुड़ी जमीनी तैयारी की है। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन राज्यों और जिलों में कम वर्षा, लंबा ड्राई स्पेल या अल नीनो का अपेक्षाकृत अधिक प्रभाव पड़ने की संभावना है, वहां विशेष निगरानी, सतत समीक्षा और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने जोर देकर कहा कि जिला स्तर तक आकस्मिक योजनाएं सक्रिय की जाएं और कंटिन्जेंसी प्लान को केवल कागजी कार्यवाही न माना जाए।

जलाशयों के पानी के उपयोग के विषय पर शिवराज ने कहा कि जहां पानी उपलब्ध है, वहां उसका वैज्ञानिक, संतुलित और प्राथमिकता-आधारित उपयोग सुनिश्चित किया जाना चाहिए। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि नहर प्रणाली के अंतिम छोर तक पानी पहुंच रहा है या नहीं, कमांड एरिया में जल का उपयोग किस प्रकार हो रहा है और सीमित जल से अधिकतम फसल एवं अधिकतम किसानों को किस तरह सुरक्षा दी जा सकती है, इस पर राज्यों को स्पष्ट सलाह दी जानी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि यदि दो, तीन या चार सप्ताह का वर्षा-अंतराल बनता है, तो उसके लिए भी पहले से स्पष्ट रणनीति होनी चाहिए। ऐसी स्थिति में पुनर्बुवाई, जीवनरक्षक सिंचाई, कम अवधि वाली फसलें, वैकल्पिक बुवाई योजना और जिला-विशिष्ट सलाह किसानों तक समय पर पहुंचनी चाहिए।

उत्तराखंडः गंगा नदी में समाई इनोवा कार, तीन लोगों की मौत

एजेंसी

देवप्रयाग। उत्तराखंड के देवप्रयाग में ऋषिकेश-बद्रीनाथ राजमार्ग पर गंगा दर्शन होटल के समीप एक इनोवा वाहन खाई में गंगा नदी में गिर गया। हादसे में दो पुरुष और एक महिला की मौत हो गई, जबकि एक 12 वर्षीय बालक को घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रेस्क्यू टीमें लापता अन्य चार लोगों की तलाश कर रही है। देवप्रयाग कोतवाल प्रशांत बहुगुणा के मुताबिक मंगलवार सुबह 10 बजे देवप्रयाग से पांच किमी आगे गंगा दर्शन होटल के समीप बद्रीनाथ धाम से लौट रहा ईनोवा वाहन अनियंत्रित होकर दो सौ मीटर नीचे गंगा में नदीं में गिर गया। पुलिस और राज्य आपदा प्रतिवादन बल (एसडीआरएफ) की टीम तत्काल यहां रेस्क्यू में जुट गई। टीम ने ढलान पर गम्भीर रूप से घायल मिले एक बालक को तत्काल सड़क तक लाकर श्रीनगर भेजा। वहीं नदी के निकट से दो पुरुषों और एक महिला का शव बरामद किया गया। चार अन्य लोगों की तलाश जारी है।देवप्रयाग तहसीलदार वीरम सिंह पंवार ने कार सवार लोगों की जानकारी देते हुए बताया कि कार में राजस्थान के जैसलमेर निवासी हरीश की पत्नी गुड्डी

देवी, पुत्र अवलेश, नम्बरदार, आयुष्मान, पुत्री जाह्नवी तथा डॉ दिनेश व उनकी पत्नी कमला और चालक थे। इनमें घायल 12 वर्षीय बालक का नाम आयुष्मान बताया गया है। उत्तराखंड नम्बर की कार के चालक की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उक्त दुर्घटना पर शोक व्यक्त करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि घायलों के उपचार में किसी प्रकार की कमी न रहे और उन्हें सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रभावित लोगों को हरसंभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने बताया कि हादसे की सूचना मिलते ही प्रशासन, पुलिस, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ और अन्य संबंधित एजेंसियों को तत्काल राहत एवं बचाव कार्यों में लगाया गया। दुर्घटनास्थल पर युद्धस्तर पर राहत और बचाव अभियान चलाया जा रहा है तथा सभी उपलब्ध संसाधनों का उपयोग किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि दुर्घटना में लापता लोगों की तलाश के लिए सघन खोज अभियान जारी है। अधिकारियों को राहत एवं बचाव कार्यों में तेजी लाने और प्रभावित परिवारों को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं।

जिहादी मनोवृत्ति को पूरी तरह मिटाना होगाः आलोक कुमार

एजेंसी

राजसमंद। विश्व हिंदू परिषद के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने ग़ाज़ियाबाद में नाबालिग हिंदू युवक सूर्य चौहान की ईद पर कुर्बानी के नाम पर की गई निर्मम हत्या सहित हाल के वर्षों में हिंदू समाज को लक्षित कर हुई कई हिंसक घटनाओं पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंनेकहा कि गाजियाबाद, दिल्ली और उदयपुर जैसी घटनाएं किसी सामान्य आपराधिक प्रवृत्ति का परिणाम नहीं हैं, बल्कि ऐसी जिहादी कट्टरपंथी मानसिकता की अभिव्यक्ति हैं जो हिंदुओं के प्रति घृणा और हिंसक मनोवृत्ति को दर्शाती हैं। इस मनोवृत्ति के विरुद्ध सरकार और समाज के जिम्मेदार लोगों को मिलकर पूरी तरह से मिटाना होगा।

आलोक कुमार ने राजस्थान के राजसमंद में पत्रकार वार्ता में कहा कि 28 मई को बकरीद पर मित्र के नाते बुलाकर गाजियाबाद के खोड़ा क्षेत्र में 17 वर्षीय हिंदू युवक सूर्य चौहान की निर्मम हत्या, 4 मार्च 2026 को दिल्ली के उत्तम नगर में होली के अवसर पर तरुण की हत्या, उदयपुर में विद्यालय परिसर में छात्र देवराज पर हुए प्राणघातक हमले तथा महाराष्ट्र में उमेश कोल्हे की हत्या जैसी घटनाएं केवल अलग-अलग अपराध नहीं हैं। इन

घटनाओं में एक समान प्रवृत्ति दिखाई देती है जो धार्मिक पहचान के आधार पर वैमनस्यता, असहिष्णुता और हिंसा को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि यदि किसी युवक को केवल इसलिए मार दिया जाए कि वह हिंदू है अथवा दोस्ती के रिश्ते और विद्यालय जैसे पवित्र स्थान में बच्चों के बीच भी कट्टरता और हिंसा प्रवेश कर जाए, तो यह पूरे समाज के लिए चेतावनी का विषय है। ऐसे घटनाक्रम यह संकेत देते हैं कि जिहादी कट्टरपंथी सोच का विष समाज के विभिन्न स्तरों तक पहुंच रहा है। आलोक कुमार ने कहा कि यह समझना होगा कि हिंसा, आतंक और जिहादी कट्टरवाद की अवधारणा का आधुनिक विश्व में कोई स्थान नहीं हो सकता। ऐसी गंभीर घटनाओं को केवल कानून-व्यवस्था की समस्या मानना भी पर्याप्त नहीं होगा। ये विश्व शांति और सामाजिक व्यवस्था के लिए गंभीर खतरा हैं। उन्होंने कहा कि जितने दोषी ऐसे जघन्य कृत्य करने वाले लोग हैं, उतने ही दोषी वे लोग भी हैं जो प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से उन्हें वैचारिक संरक्षण प्रदान करते हैं, उनके अपराधों पर पर्दा डालते हैं या सुविधानुसार मौन धारण कर लेते हैं। आलोक कुमार ने हिंदू समाज का आह्वान किया कि वह संगठित, सजग और आत्मरक्षार्थ पुरुषार्थी बने। उन्होंने कहा कि शांति और सद्भाव तभी सुरक्षित रह सकते हैं जब समाज हिंसा करने वालों के साथ-साथ उनके समर्थकों और मौन दर्शकों को भी कठघरे में खड़ा करे। विहिप अध्यक्ष ने राजस्थान सरकार से इसी वर्ष राज्य में समान नागरिक संहिता लागू करने तथा केंद्र सरकार से अपने पुराने प्रेसिडेंशियल आदेश में संशोधन कर अनुसूचित जनजाति के धर्मांतरित लोगों को अनुसूचित जनजाति को प्रदत्त सभी अधिकारों से वंचित करने की मांग भी की। भीम कस्बे में नाबालिग बालिका के अपहरण के मामले में पत्रकारों के सवाल पर आलोक कुमार ने कहा कि वे इंडीविजुअल मामलों में कमेंट नहीं कर सकेंगे। वहां के स्थानीय विहिप कार्यकर्ता निगरानी करेंगे, सहयोग करेंगे और आवश्यकता होगी तो आंदोलन भी करेंगे।

भाषा विचारों की अभिव्यक्ति है, लिपि उनका ठहराव है: डॉ. जोशी

एजेंसी

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसी) के सदस्य सचिव डॉ. सच्चिदानन्द जोशी ने कहा कि भाषा विचारों की अभिव्यक्ति का माध्यम है और लिपि उन विचारों को स्थायित्व प्रदान करने वाली व्यवस्था है। डॉ. जोशी ने आईजीएनसीए में 'ब्राह्मी लिपि' पर तीन दिवसीय आयोजित ग्रीष्मकालीन कार्यशाला के उद्घाटन के अवसर पर यह बात कही। उन्होंने कहा कि कार्यशाला से लोगों को भारतीय संस्कृति, इतिहास और प्राचीन लिपियों को समझने का अवसर मिलेगा। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ हेरिटेज (आईआईएच) नोएडा के 'डिपार्टमेंट ऑफ पैलियोग्राफी, एपिग्राफी एंड न्यूमिस्मैटिक्स' और आईजीएनसीए के कलाकोश प्रभाग के संयुक्त तत्वावधान में इस शैक्षणिक कार्यक्रम की शुरुआत की गयी है। यह कार्यक्रम 2-4 जून तक चलेगा। इसमें देशभर से छात्रों और अन्य लोग शामिल हुए हैं। उन्होंने कहा, 'ऐसी कार्यशालाएं विद्यार्थियों में ज्ञानार्जन की प्रवृत्ति को प्रोत्साहित करती हैं तथा उन्हें भारतीय बौद्धिक एवं सांस्कृतिक परम्पराओं के अध्ययन के लिए प्रेरित करती हैं। ' डॉ. जोशी ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य केवल ब्राह्मी लिपि का परिचय कराना नहीं, अपितु युवाओं में भारतीय लिपि-परम्परा के प्रति संवेदनशीलता, जिज्ञासा एवं बौद्धिक रुचि का विकास करना है। यह भारतीय सभ्यता, संस्कृति, विरासत तथा ज्ञान-परम्परा को समझने की एक महत्वपूर्ण आधारशिला है। प्राचीन अभिलेखों, शिलालेखों एवं पाण्डुलिपियों के अध्ययन के माध्यम से ब्राह्मी लिपि हमें अतीत से साक्षात्कार कराती है तथा हमारी सांस्कृतिक निरन्तरता को समझने का अवसर प्रदान करती है। उन्होंने उल्लेख किया कि आईजीएनसीए भारतीय ज्ञान-परम्परा के विविध आयामों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए कार्यरत है तथा सिंधु-सरस्वती सभ्यता की लिपि के अध्ययन एवं उसके संभावित पठन के क्षेत्र में भी गंभीर अनुसंधान को प्रोत्साहित कर रहा है।

आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ पर लोकतंत्र सेनानी संघ का राष्ट्रीय अभियान, पांच जून को दिल्ली विधानसभा पर उपवास आंदोलन

एजेंसी

नई दिल्ली। आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ पर लोकतंत्र सेनानी संघ ने देशव्यापी जनजागरण अभियान की घोषणा करते हुए पांच जून को दिल्ली विधानसभा के समक्ष एक दिवसीय सांकेतिक उपवास आंदोलन आयोजित करने का ऐलान किया है। संघ ने इस अभियान के माध्यम से आपातकाल की ऐतिहासिक घटनाओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाने और लोकतंत्र सेनानियों के सम्मान से जुड़ी मांगों को उठाने का संकल्प व्यक्त किया है। लोकतंत्र सेनानी संघ ने पत्रकार वार्ता में लोकतंत्र सेनानी संघ के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष राजन ढींगरा, लोकतंत्र सेनानी संघ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ओ.पी. बब्बर और वरिष्ठ लोकतंत्र सेनानियों तथा संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि वर्ष 1975 से 1977 के बीच लगाया गया आपातकाल भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का एक काला अध्याय था। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक अधिकारों के दमन की उस अवधि को देश की भावी पीढ़ियों तक सही संदर्भों में पहुंचाना आवश्यक है। संघ ने केंद्र और राज्य सरकारों के समक्ष तीन प्रमुख मांगें रखी हैं। इनमें वर्ष 1975-77 के आपातकाल के इतिहास को विद्यालयी पाठ्यक्रम में कक्षा 8 से 12 तक

अनिवार्य रूप से शामिल करना, 'संविधान हत्या दिवस' के लिए जिम्मेदार व्यक्तियों और तंत्र की पहचान हेतु न्यायिक जांच आयोग का गठन तथा दिल्ली में लोकतंत्र सेनानियों और आपातकाल पीड़ितों को सम्मान निधि एवं राजकीय मान्यता प्रदान करना शामिल है। लोकतंत्र सेनानी संघ के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष राजन ढींगरा ने कहा कि देश के 12 राज्यों में लोकतंत्र सेनानियों को सम्मान निधि और राजकीय मान्यता प्रदान की जा रही है, जबकि दिल्ली में अब तक ऐसी व्यवस्था लागू नहीं हो सकी है। उन्होंने उत्तर प्रदेश और हरियाणा सहित कई राज्यों का उदाहरण देते हुए दिल्ली सरकार से भी समान व्यवस्था लागू करने की मांग की। पत्रकार वार्ता में उपस्थित लोकतंत्र सेनानी राजकुमार सपड़ा और अशोक गुप्ता महाजन ने आपातकाल के दौरान जेल में बिताए अपने अनुभव साझा किए। राजकुमार सपड़ा तिहाड़ जेल में बंद रहे, जबकि अशोक गुप्ता महाजन ने जालंधर और फिरोजपुर जेल में लगभग नौ महीने बिताए थे।

राजन ढींगरा ने बताया कि संगठन की स्थापना वर्ष 2008 में मध्य प्रदेश में कैलाश सोनी द्वारा की गई थी। संगठन का उद्देश्य देशभर के लोकतंत्र सेनानियों और विभिन्न आंदोलनों में योगदान देने वाले लोगों को एक मंच पर लाकर उनके सम्मान और अधिकारों के लिए कार्य करना है। उन्होंने कहा कि असम से लेकर तमिलनाडु तक संगठन की इकाइयां सक्रिय हैं।पदाधिकारियों ने बताया कि उनकी मांगों के समर्थन में अब तक 10 हजार से अधिक नागरिकों के हस्ताक्षर एकत्र किए जा चुके हैं। इन हस्ताक्षरों के साथ ज्ञापन सरकार को सौंपा जाएगा। उन्होंने कहा कि आपातकाल के दौरान दिल्ली में लगभग 1,050 लोगों को गिरफ्तार किया गया था, जिनमें जनप्रतिनिधि और सामाजिक कार्यकर्ता भी शामिल थे।

मप्र के धार स्थित भोजशाला में बनेगा भव्य सरस्वती लोक और भोज शोध संस्थान : मोहन यादव

एजेंसी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि धार स्थित भोजशाला परिसर में राज्य सरकार भव्य सरस्वती लोक बनाएगी, यहां राजा भोज शोध संस्थान की स्थापना भी की जायेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि भोजशाला के लिए आंदोलन में शहादत देने वाले शहीदों के परिजन को सरकार आर्थिक सहायता देगी। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कैबिनेट की बैठक से पहले अपने संबोधन में कही। उन्होंने कहा कि राजा भोजपाल द्वारा स्थापित यह भोजशाला सदियों तक ज्ञान-विज्ञान-अनुसंधान और संस्कृत भाषा का सबसे प्रखर केन्द्र रहा है। यहां दूर-दूर से विद्यार्थी और विद्वान ज्ञान अर्जित करने और शास्त्रों पर विमर्श करने आते थे। राज्य सरकार भोजशाला के उसी गौरवशाली अतीत को पुनर्जीवित करने के लिए सभी जरूरी प्रयास करेगी। राजा भोज की कर्मस्थली धार में राजा भोज शोध संस्थान की भी स्थापना की जायेगी। भोजशाला के लिए हुए आंदोलन में शहादत देने वाले तीन शहीदों स्व. बनसिंह, स्व. अंतरसिंह एवं स्व. लक्ष्मण सिंह के निकटतम परिजन को राज्य सरकार की ओर से 5-5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जायेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 26 मई 2026 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र

मोदी के राष्ट्र सेवा के सफल 12 वर्ष पूर्ण हुए हैं। देशवासियों की आशा के प्रतीक प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में विगत 12 वर्षों में भारत ने विकास के साथ आत्मनिर्भरता, सुरक्षा, सांस्कृतिक गौरव, डिजिटल क्रांति और वैश्विक नेतृत्व के नए आयाम स्थापित किए हैं। अंत्योदय की भावना के साथ अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों की ओर से प्रधानमंत्री मोदी को बधाई दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समान नागरिकता संहिता के संबंध में सुझाव प्राप्त करने के लिए वेबसाईट निर्माण की पहल को सराहा। उन्होंने कहा कि जिलों में उच्च स्तरीय समीति द्वारा भ्रमण किया जा रहा है, जहां जन सामान्य, राजनीतिक दल, गैर शासकीय संगठन आदि इस संबंध में अपना मत प्रस्तुत करेंगे। सुझाव देने की अंतिम तिथि 15 जून 2026 निर्धारित की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रिगण को यूसीसी के लिये बनी इस उच्च स्तरीय समिति और इसके कार्यों तथा वेबसाईट का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इससे हमें अधिक से अधिक सुझाव प्राप्त हो सकेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल पार्क में विकसित हो रहा कौशल तंत्र अब युवाओं को अंतर्राष्ट्रीय रोजगार अवसरों से भी जोड़ रहा है। संस्थान के बैच-9 के तीन विद्यार्थियों का चयन हंगरी में रोजगार के लिए हुआ है। चयनित विद्यार्थी हंगरी पहुंचकर अपने पेशेवर दायित्वों का निर्वहन प्रारंभ कर चुके हैं। इस वर्ष माह अप्रैल-मई 2026 में 16 कम्पनियों में 236 बच्चों को प्लेस किया है।

भगवान बुद्ध के प्रमुख शिष्यों के पवित्र अवशेष मंगोलिया पहुंचे, श्रद्धा और सम्मान के साथ हुआ भव्य स्वागत

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश की विश्व धरोहर सांची से गत दिनों रवाना किए गए भगवान बुद्ध के दो प्रमुख शिष्यों अरहंत सारिपुत्र और अरहंत मौद्गल्यायन के पवित्र अवशेष मंगोलिया पहुंच गए हैं, जहां उनका श्रद्धा और सम्मान के साथ भव्य स्वागत हुआ। मंगोलिया के गंदन मॉनेस्ट्री में इन अवशेषों को सार्वजनिक दर्शन के लिए रखा जाएगा। दरअसल, मध्य प्रदेश के सांची में बौद्ध स्तूप परिसर स्थित मंदिर में रखे भगवान बुद्ध के दोनों शिष्यों के पवित्र अवशेषों को गत 28 मई को भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय और मप्र शासन के संस्कृति विभाग के निर्देशानुसार पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रह्लाद पटेल, महाबोधी सोसायटी श्रीलंका के प्रमुख वानगल उपतिस्स नायक थेरो तथा कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा की मौजूदगी में भोपाल से मंगोलिया के लिए रवाना किया गया था। जनसम्पर्क अधिकारी अनुराग उइके ने जानकारी देते हुए बताया कि नई दिल्ली से 31 मई को असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य भगवान बुद्ध के दोनों प्रमुख शिष्यों अरहंत सारिपुत्र एवं अरहंत मौद्गल्यायन के पवित्र अवशेषों को भारतीय वायु सेना के विशेष विमान से मंगोलिया लेकर पहुंचे। मंगोलिया पहुंचने पर हवाई अड्डे पर मंगोलिया के शिक्षा मंत्री एल.एंख-अमगलान तथा गंडनतेगचेनलिंग मठ के मुख्य महंत खाम्बा नोमुन खान गेशे ल्हारम्पा डी. जावज़ानदोरज ने उनका श्रद्धापूर्वक स्वागत किया। पवित्र अवशेषों के यात्रा मार्ग पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और उन्होंने श्रद्धा एवं भक्ति भाव से नमन कर अपनी आस्था व्यक्त की। इस अवसर पर राज्यपाल आचार्य के साथ मप्र के संस्कृति एवं पर्यटन विभाग के अपर मुख्य सचिव शिव शेखर शुक्ला, अंतरराष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (आईबीसी), भारत एवं श्रीलंका के वरिष्ठ बौद्ध भिक्षुओं सहित एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी उपस्थित रहा। मंगोलिया पहुंचने पर आयोजित समारोह में वहां के विभिन्न प्रमुख मठों के महंत, अनेक बौद्ध भिक्षु तथा मंगोलिया के पूर्व (तीसरे) राष्ट्रपति नामबारिन एंखबयार भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। गंदन मॉनेस्ट्री में इन पवित्र अवशेषों का प्रदर्शन 9 जून 2026 तक होगा जनसम्पर्क अधिकारी के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विशेष पहल पर सांची स्तूप में संरक्षित भगवान बुद्ध के परम शिष्यों अरहंत सारिपुत्र एवं अरहंत मौद्गल्यायन के पवित्र अवशेषों को सार्वजनिक दर्शन के लिए मंगोलिया भेजा गया है। गंदन मॉनेस्ट्री में इन पवित्र अवशेषों का प्रदर्शन 9 जून 2026 तक किया जाएगा।

पहली बार भारतीय टीम की मेजबानी करेगा अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड

-सितंबर में खेली जाएगी तीन मैचों की सीरीज

मुम्बई (एजेंसी)। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) अपनी घरेलू सीरीज के लिए पहली बार भारत की मेजबानी करने जा रहा है। भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की ये टी20 सीरीज इसी साल सितंबर में नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेली जाएगी। हालांकि अभी कार्यक्रम की आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है पर माना जा रहा है कि 13, 16 और 19 सितंबर को ये मुकाबले होंगे। एसीबी अपने देश में राजनीतिक अस्थिरता और सुरक्षा चिंताओं के कारण पिछले एक दशक से अपने घरेलू मुकाबले भारत और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों में आयोजित करता आ रहा है। बीसीसीआई और एसीबी के बीच अच्छे संबंध हैं, बीसीसीआई ने पूर्व में भी आयरलैंड, श्रीलंका और जिम्बाब्वे जैसे छोटे बोर्डों की वित्तीय स्थिति को मजबूत करने के लिए कई बार सीरीज खेली हैं

अफगानिस्तान की टीम अभी 6 जून से भारतीय टीम के साथ एक टेस्ट और तीन एकदिवसीय मैच खेलेगी। वहीं इसके बाद वह भारतीय टीम की मेजबानी करना चाहती है। इसको लेकर दोनों बोर्डों के बीच सहमति बन गयी है और कुछ औपचारिकताओं के पूरे होते ही इसकी आधिकारिक घोषणा कर दी जाएगी।यदि अफगानिस्तान की टीम सितंबर में अरुण जेटली स्टेडियम में टीम इंडिया की मेजबानी करती है, तो दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) के कार्यक्रम में बदलाव किया जा सकता है। बीसीसीआई ने एसीबी और दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के बीच इस सीरीज के लिए अफगानिस्तान को घरेलू मैदान की उपलब्धता को लेकर मध्यस्थता की है। वहीं डीडीसीए भी अपनी दिल्ली प्रीमियर लीग टी20 का कार्याक्रमक इसी के अनुसार तैयार कर रहा है। यह पहला अवसर नहीं होगा जब अफगानिस्तान ने भारत के किसी स्टेडियम को अपने घरेलू मैदान के रूप में इस्तेमाल किया हो। इससे पहले, अफगानिस्तान ने 2017 में ग्रेटर नोएडा में आयरलैंड की मेजबानी की थी और फिर 2018 में देहरादून में बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज की मेजबानी की थी।

इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में फ्लाप रहीं मंधाना

-तीन मैचों में केवल 40 रन बना पायीं

-स्मृति मंधाना के नाम दर्ज हुआ शर्मनाक रिकॉर्ड, पहली बार हुआ ऐसा हाल

टांटन (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की अनुभवी बल्लेबाज स्मृति मंधाना मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टी20 मुकाबले में भी असफल रहीं और 9 गेंदों में 8 रन ही बना पायी।

इसी के साथ ही मंधाना के नाम एक ऐसा अनचाहा रिकार्ड दर्ज हो गया है जिसे वह भूलना चाहेंगी। इस सीरीज में वह केवल 40 रन ही बना पायीं। यह इंग्लैंड के खिलाफ तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज में मंधाना का अब तक का सबसे कम स्कोर है। इस पूरी सीरीज में मंधाना का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा। पहले मुकाबले में वह खाता भी नहीं खोल पायीं। दूसरे टी20 में उन्होंने 32 रन जबकि तीसरे और अंतिम मैच में 8 रन बनाये। ये इंग्लैंड के खिलाफ किसी भी तीन टी20 मैचों की सीरीज में उनका अब तक का सबसे कम स्कोर है। इससे पहले उनका इंग्लैंड के खिलाफ न्यूनतम सीरीज स्कोर 57 रन था, जो उन्होंने 2021 में बनाया था।

अंतिम टी20 में मंधाना ऑफ स्पिनर चार्ली डीन का शिकार बनीं। इस विकेट के साथ ही ऑफ स्पिन गेंदबाजों के खिलाफ मंधाना की कमजोरी एक बार फिर खुलकर सामने आ गई है। चार्ली डीन के खिलाफ टी20 मैचों में मंधाना का रिकॉर्ड बेहद खराब रहा है। उन्होंने डीन के खिलाफ अब तक 59 गेंदें खेली हैं, जिनमें केवल 49 रन बनाए हैं और दो बार अपना विकेट खोया है। यह दिखाता है कि ऑफ स्पिनर मंधाना के लिए लगातार परेशानी का कारण बनी हुई हैं।

फैंचाइजी के लिए बेहद महंगे साबित हुए ऋषभ, हर रन लाखों रुपये का पड़ा

मुम्बई (एजेंसी)। लखनऊ सुपर जायंट्स क्रिकेट टीम के कप्तान ऋषभ पंत आईपीएल के 19 वें सत्र में असफल रहे। वह फैंचाइजी के लिए बेहद महंगे साबित हुए। उनके एक-एक रन के लिए उसे लाखों रुपये चुकाने पड़े। ऋषभ कप्तानी के साथ ही बल्लेबाजी में भी विफल रहे। इससे उनकी टीम लखनऊ सुपर जायंट्स का प्रदर्शन बेहद खराब रहा और टीम अंकतालिका में अंतिम स्थान पर रही। एक बल्लेबाज और कप्तान के तौर पर ऋषभ अपनी टीम को कोई लाभ नहीं पहुंचा सके। यहां तक कि उगर उनको मिलने वाली रकम का आंकलन करें तो फैंचाइजी के लिए उनका हर एक रन लाखों रुपये का पड़ा है। ये सामने आया है कि ऋषभ के एक-एक रन की कीमत लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए करीब 8.65 लाख रुपये रही। उन्हें 27 करोड़ रुपये पर रखा गया था। कप्तान ने 14 मैचों में कुल 312 रन बनाए। इस प्रकार देखा जाये तो उनका प्रति रन 8,65,384 रुपये का रहा है।

पिछले साल आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी में फैंचाइजी ने ऋषभ को 27 करोड़ रुपये में खरीदा था। उस सत्र में, उन्होंने 14 मैचों में केवल 269 रन बनाए थे। इन आंकड़ों के आधार पर, 2025 में उनके प्रत्येक रन की कीमत 10 लाख 3 हजार 717 रुपये से भी अधिक रही थी, जिसने फैंचाइजी के लिए वह काफी महंगे साबित हुए थे।

अगर हम पिछले दो सत्र के प्रदर्शन को एक साथ देखें, तो ऋषभ ने कुल 54 करोड़ रुपये की सैलरी पर 581 रन बनाए हैं। इस प्रकार, उनके हर एक रन की औसत कीमत 9 लाख 29 हजार 432 रुपये प्रति रन बैठती है। यह आंकड़ा लीग के सबसे महंगे खिलाड़ियों में से एक होने के बाद भी उनके बेहद खराब प्रदर्शन को दिखाता है।

उनकी कप्तानी में, टीम 2025 में प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाई, और 2026 में भी यही हुआ। वह अंक तालिका में सबसे निचले स्थान पर रही। 2026 में सुपर जायंट्स ने 14 में से सिर्फ 4 मैच जीते, जबकि 2025 में 6 मुकाबले। कुल 28 मैचों में से केवल 10 जीत का खराब रिकॉर्ड उनके कप्तानी छोड़ने का मुख्य कारण बताया है।

मुंबई टी20 लीग: अर्जुन तेंदुलकर ने ऑलराउंड प्रदर्शन कर अपनी टीम को जीत दिलायी

मुम्बई (एजेंसी)। यहां खेली जा रही मुंबई टी20 लीग में अर्जुन तेंदुलकर ने अपने शानदार प्रदर्शन से सभी का ध्यान खींचा है। इससे पहले आईपीएल में एक ही मैच खेल पाये अर्जुन ने यहां हुए चौथे मुकाबले में 'एआरसीएस अंधेरी' की ओर से खेलते हुए अच्छी गेंदबाजी और बल्लेबाजी कर अपनी टीम को जीत दिलायी। अर्जुन ने इस मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए छक्का जड़कर अपनी टीम को 14 ओवरों में ही जीत दिला दी। वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान श्रेयस अय्यर की सोबो मुंबई फाल्कन्स को 5 विकेट से हार का सामना करना पड़ा है। इस मैच में में फाल्कन्स की टीम 18.2 ओवर में केवल 126 रन ही बना पायी। एआरसीएस अंधेरी की ओर से शिवम दुबे ने 17 रन देकर 3 विकेट और अजय मिश्रा ने 27 रन देकर 3 विकेट लिए।

इसके बाद एआरसीएस अंधेरी ने 14 ओवर में ही 5 विकेट खोकर 127 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

इस मुकाबले में एआरसीएस अंधेरी ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करते हुए सोबो मुंबई फाल्कन्स को 18.2 ओवर में केवल 126 रनों पर ही समेट दिया। फाल्कन्स की

शुरुआत अच्छी नहीं रही।

सलामी बल्लेबाज ईशान मूलचंदानी सिर्फ 4 रन बनाकर आउट हो गये। वहीं कप्तान श्रेयस अय्यर भी केवल 5 रन ही बना पाये। आदित्य तारे ने इसके बाद 39 गेंदों में 6 चौके व 2 छक्कों की मदद से शानदार 59 रन बनाये पर अन्य बल्लेबाज विफल रहे। अर्जुन तेंदुलकर ने 3 ओवर में केवल 21 रन देकर वेदांत गोरे को 4 रनों पर ही पेवेलियन भेज दिया। सोबो मुंबई फाल्कन्स की पूरी टीम 18.2 ओवर में केवल 126 रनों पर ही आउट हो गयी।

जीत के लिए मिले 127 रनों के आसान से लक्ष्य का पीछा करने उतरी एआरसीएस अंधेरी की शुरुआत भी खराब रही। आयुष जेठवा शुन्य पर ही पेवेलियन लौट गये। इसके बाद सलामी बल्लेबाज दिव्यांश सक्सेना ने पारी संभाली और 33 गेंदों में 4 चौके व 3 छक्के लगाकर 50 रनों की अर्धशतकीय पारी खेली। वहीं प्रगनेश ने 26 रन जबकि प्रसाद पवार ने 21 रन बनाये। कप्तान शिवम दुबे 16 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद अर्जुन तेंदुलकर ने तेजी से बल्लेबाजी कर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। उन्होंने दो गेंदों में एक छक्के के साथ नाबाद 7 रन बनाकर टीम को 14 ओवर में ही 5 विकेट पर 127 रनों तक पहुंचा दिया।

पांड्या सीओई पहुंचे, रोहित का हो रहा इंतजार

बेंगलुरु। भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या और अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा को भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज से पहले रिहैब के लिए बेंगलुरु स्थित राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) पहुंचने को कहा था। प्राप्त जानकारी के अनुसार पांड्या तो यहां पहुंच गये हैं पर रोहित अब तक नहीं पहुंचे हैं।एकदिवसीय सीरीज के लिए दोनों खिलाड़ी भारतीय दल में शामिली हैं हालांकि इनकी भागीदारी का फैसला फिटनेस पर निर्भर करेगा। एक रिपोर्ट के पांड्या एक हफ्ते से अधिक समय तक अपनी रिकवरी प्रक्रिया पूरी करेंगे, जिसके बाद वह भारतीय टीम के साथ जुड़ेंगे। वहीं आईपीएल के दौरान रोहित भी हैमस्ट्रिंग इंजरी का शिकार हुए थे जबकि पांड्या भी चोट के चलते मुंबई इंडियंस के लिए कुछ मैचों में अनुपस्थित रहे थे। बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने इन दोनों खिलाड़ियों को उनकी फिटनेस का आंकलन करने और रिहैब प्रक्रिया से गुजरने के लिए सीओई में बुलाया था। वहां उनकी शारीरिक दक्षता का परीक्षण किया जाएगा। इसमें रिहैब के बाद अगर ये पूरी तरह फिट पाए जाते हैं, तो ही आगामी एकदिवसीय सीरीज में खेलेंगे।रोहित का पूरा ध्यान अगले साल होने वाले एकदिवीसय विश्व कप पर केंद्रित है। वहीं, हार्दिक भी एकदिवसीय और टी20 पर ही ध्यान दे रहे हैं। पांड्या ने पिछले साल मार्च में भारत के लिए आखिरी बार एकदिवसीय मैच खेला था, और उसके बाद से ही वह टीम से बाहर हैं। भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की वनडे श्रृंखला 13 जून से शुरू होगी। पहला वनडे धर्मशाला में 13 जून को खेला जाएगा। दूसरा मैच लखनऊ के इकाना स्टेडियम में 17 जून को और तीसरा मैच 20 जून को चेन्नई में खेला जाएगा।

नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में भारत के प्रज्ञाननंदा जीते, गुकेश हारे

ओस्लो। यहां आयोजित नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में भारत को मिली जुली सफलता मिली है। जहां भारतीय युवा ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञाननंदा ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए विश्व के नंबर एक खिलाड़ी और मेजबान देश नार्वे के मैग्नस कार्लसन को शिकस्त दी। वहीं भारत के ही डी गुकेश को फ्रांस के अलीरेज़ा फ़िरोजा के हाथों पराजय का सामना करना पड़ा है। प्रज्ञाननंदा की खिताबी उम्मीदें बनी हुई हैं पर गुकेश की समाप्त हो गयी हैं। प्रज्ञाननंदा ने कार्लसन को क्लासिकल बाजी में उन्हें दूसरी बार मात दी अब उनके इस टूर्नामेंट में पहले भारतीय चैंपियन बनने की उम्मीदें बढ़ी हैं। एलीट डबल राउंड-रॉबिन प्रतियोगिता में इसभारतीय खिलाड़ी ने पहले भी कार्लसन को क्लासिकल बाजी में शिकस्त दी थी। इस जीत से प्रज्ञाननंदा अब 12 अंक लेकर तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं दूसरी ओर इस हार से कार्लसन की आठवीं बार नॉर्वे शतरंज खिताब जीतने की उम्मीदें टूटी हैं। अब केवल दो दौर का खेल बचा हुआ है और ऐसे में मौजूदा चैंपियन कार्लसन का जीतना संभव नहीं है। वहीं दूसरी ओर गुकेश की तीसरी हार के साथ ही उनके खिताब जीतने की उम्मीदें तकरीबन खत्म हैं। गुकेश को फ्रांस के अलीरेज़ा फ़िरोजा ने क्लासिकल मुकाबले में हराया। इससे अलीरेज़ा 13 अंकों के साथ दूसरे नंबर पर पहुंच गये हैं। .गुकेश के अभी केवल आठ अंक हैं और वह अपने अगले दो मैचों में क्लासिकल में जीतने पर भी अधिकतम 14 अंक तक ही पहुंच सकते हैं।

महिला टी20 विश्व कप : ऑस्ट्रेलिया की पेरी तीन मैच खेलते ही बनाएंगी विश्व रिकार्ड

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी एलिस पेरी के पास इसी माह 13 जून से इंग्लैंड में शुरु हो रहे महिला टी20 विश्व कप क्रिकेट में एक बड़ा रिकार्ड अपने नाम करने का अवसर है। ऑलराउंडर पेरी इस टूर्नामेंट में पहले तीन मैच खेलते ही विश्वकप में 50 मैच खेलने वाली पहली खिलाड़ी बन जाएंगी। इस टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलिया टीम 13 जून को मैनचेस्टर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपना पहला मुकाबला खेलेगी। पेरी साल 2009 से ही ऑस्ट्रेलिया की हर टीम में शामिल रही हैं। पेरी ने अब तक 47 विश्व कप मैच खेले हैं। उन्हें अपने 50 मैच पूरे करने के लिए केवल तीन और मैचों की जरुरत है। ऑस्ट्रेलियाई टीम इस टूर्नामेंट में खिताबी दावेदार के तौर पर उतरेगी। टीम में तेज गेंदबाज डार्सी ब्राउन की जगह बाएं हाथ की नयी गेंदबाज लूसी हैमिल्टन को शामिल किया गया है। जो एक हैरानी भरा कदम है क्योंकि ब्राउन को दो विश्वकप का अनुभव है। ऑस्ट्रेलियाई टीम में बेथ मूनी, एश गार्डनर, ताहलिया मैकग्रा और मेगन शट जैसी अनुभवी और मैच विजेता खिलाड़ी शामिल हैं। इसके साथ ही फोबे लिचफील्ड और जॉर्जिया वोल जैसी युपा खिलाड़ियों को भी पहली बार टीम में जगह मिली है। ये युवा खिलाड़ी टीम में नई ऊर्जा और उत्साह लाएंगी। ऑस्ट्रेलियाई टीम को टी20 विश्व कप के लिए ग्रुप 1 में रखा गया है। इसमें उसे दक्षिण अफ्रीका, भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश और नीदरलैंड से मुकाबला करना है। टीम इस प्रकार है- सोफी मोलिनक्स (कप्तान), निकोला कैरी, एश गार्डनर, किम गार्थ, लूसी हैमिल्टन, ग्रेस हैरिस, अलाना किंग, फोएबे लिचफील्ड, ताहलिया मैकग्रा, बेथ मूनी, एलिस पेरी, मेगन शट, एनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल, जॉर्जिया वेयरहम। ट्रैवलिंग रिज़र्व- ताहलिया विल्सन।

फीफा विश्व कप 11 जून से , मेसी और रोनाल्डो का हो सकता है अंतिम टूर्नामेंट

-सबसे अधिक गोल का मिरोस्लाव का रिकार्ड टूटेगा या नहीं देखना होगा

सेन डियागो (एजेंसी)। 11 जून अमेरिका, कनाडा और मैक्सिकों में संयुक्त रुप से शुरु हो रहे फीफा विश्व कप फुटबॉल 2026 में अब कुछ ही दिन बचे हैं। इस टूर्नामेंट में एक बार फिर फुटबॉल प्रशंसकों को रोमांचक मुकाबला देखने को मिलेंगे। अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी और पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो जैसे स्टार खिलाड़ियों का ये अंतिम विश्वकप हो सकता है क्योंकि ये दोनो ही 40 साल के करीब पहुंच रहे हैं। है। मेसी की कप्तानी में अर्जेंटीना जहां अपने खिताब का बचाव करने उतरेगी। वहीं ब्राजील सहित अन्य टीमें भी जीत दर्ज करने का पूरा प्रयास करेंगी। फीफा विश्वकप इतिहास में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियो का रिकार्ड इस बार टूटता है कि नहीं ये देखना होगा। अब तक विश्वकप में सबसे अधिक गोल का रिकार्ड जर्मनी के महान स्ट्राइकर मिरोस्लाव क्लोस का है। मिरोस्लाव ने साल 2002 से 2014 तक चार विश्व कप में में कुल 24 मुकाबलों में 16 गोल दागे। इस फुटबॉलर ने साल 2002 और 2006 में पांच-पांच गोल किए, जबकि 2010 में चार और अपने करियर

के अंतिम विश्व कप में दो गोल किये।

ब्राजील के रोनाल्डो सबसे अधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों में दूसरे नंबर पर हैं। उन्होंने 1994 से 2006 के बीच विश्व कप में कुल 15 गोल किए। ये गोल उन्होंने केवल 19 मुकाबलों में किये, जो उनकी असाधारण प्रतिभा को दिखाता है। 2002 के विश्व कप में रोनाल्डो ने अकेले आठ गोल दागकर ब्राजील को चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई थी, और उस टूर्नामेंट में उनका प्रदर्शन असाधारण रहा था।

फ्रांस के जस्टन फोंटेन का नाम एक अद्वितीय रिकॉर्ड के साथ जुड़ा है, जिसे तोड़ना आज भी असंभव सा लगता है। उन्होंने 1958 के विश्व कप में सिर्फ छह मुकाबलों में अविश्वसनीय 13 गोल दागकर फुटबॉल जगत को हैरान कर दिया था। यह किसी एक विश्व कप में किसी खिलाड़ी द्वारा किए गए सर्वाधिक गोल का रिकॉर्ड है, जो आज तक कायम है।

आधुनिक फुटबॉल के महानतम खिलाड़ियों में से एक, अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी भी इस सूची में शामिल हैं। 2022 में अपनी कप्तानी में अर्जेंटीना को विश्व चैंपियन बनाने वाले मेसी ने 2006 से 2022 तक विश्व कप में अब तक कुल 13 गोल किए हैं। कतर में खेला गया पिछला विश्व कप बेहद यादगार रहा, जहां उन्होंने सात गोल करके अपनी टीम को खिताब दिलाया और अपने करियर की सबसे बड़ी ट्रॉफी जीती।

फ्रांस के युवा सनसनी किलियन एमबाप्पे ने वह अब तक विश्व कप के 14 मुकाबलों में 12 गोल कर चुके हैं, जिसमें पिछले विश्व कप में उनके आठ गोल शामिल हैं, जिसके लिए उन्हें गोल्डन बूट से नवाजा गया था।

अंडर-18 पुरुष एशिया कप : भारत ने चीनी ताइपे को दी करारी हार, सेमीफाइनल में पहुंचा

काकामिगाहारा (जापान)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने बुधवार को यहां अपने आखिरी पूल ए मैच में चीनी ताइपे को 13-1 से हराकर शानदार प्रदर्शन किया और अंडर-18 एशिया कप 2026 के सेमीफाइनल में जगह बनाई। भारत ने कजाखस्तान, कोरिया और चीनी ताइपे के खिलाफ जीत के साथ अपने पूल मैच खत्म किए जबकि मेजबान जापान से उसे हार का सामना करना पड़ा। इससे टीम को चार मैच में नौ अंक मिले। चीनी ताइपे के खिलाफ टीम ने आक्रामक रूख अपनाया जिसमें आशीष तानी पूर्ति ने हैट्रिक (27वें, 35वें, 42वें मिनट) करके सबसे अच्छा प्रदर्शन किया जबकि गाजी खान (40वें, 44वें), सिद्धार्थ बेन (30वें, 52वें) और राहुल यादव (20वें, 54वें) ने दो-दो गोल किए। करण गौतम (सातवें), प्रेमचंद सोय (11वें), कप्तान केतन कुशवाहा (13वें) और वरिंदर सिंह (50वें) ने भी गोल किए। भारत शुक्रवार को अपना सेमीफाइनल खेलेगा लेकिन टीम के प्रतिद्वंद्वी का फैसला बुधवार को जापान और कजाखस्तान के बीच पूल ए के आखिरी मैच के बाद होगा।

ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे एकदिवसीय में पाकिस्तान को 41 रन से हराकर सीरीज में 1-1 से वापसी की

लाहौर। जोश इंगलिस और कैमरन ग्रीन की अच्छी बल्लेबाजी से ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम ने यहां खेले गये दूसरे एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबले में मेजबान पाकिस्तान को 41 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1-1 से बराबरी कर ली है। वहीं पहले एकदिवसीय में पाक टीम जीती थी। लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में खेले गए इस दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवरों में 9 विकेट खोकर 231 रन बनाये। इंगलिस ने 51 जबकि ग्रीन ने 53 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य का पीछा करते हुए मेजबान पाक टीम 44 ओवर में केवल 190 रनों पर ही आउट हो गयी। इस मैच में टॉस जीतकर पाकिस्तान ने मेहमान टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत बेहद खराब रही, जहां पहली ही गेंद पर ओपनर एलेक्स कैरी शाहीन अफरीदी का शिकार बने और बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए। इसके बाद मैथ्यू शॉर्ट 15 और मार्नस लाबुशेन 5 रन बनाकर आउट हो गए। इससे ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 10.4 ओवर में 3 विकेट पर 51 रन हो गया। इसके बाद कप्तान जोश इंगलिस और कैमरन ग्रीन ने पारी को संभाला। इंगलिस ने 74 गेंदों में 51 रनों की कप्तानी पारी खेली, जबकि ग्रीन ने 92 गेंदों में 53 रन बनाए। मैट रेनशॉ ने तेजी से 43 गेंदों में 43 रन और ओलिवर पीक ने 32 गेंदों में 31 रनों का योगदान दिया, जिससे ऑस्ट्रेलियाई टीम निर्धारित 50 ओवरों में 9 विकेट खोकर 231 रन बनाने में सफल रही। पाकिस्तान की ओर से शाहीन अफरीदी ने 3 विकेट जबकि स्पिनर अराफात मिन्हास ने 10 ओवर में 27 रन देकर 2 अहम विकेट लिए। अबरार अहमद और हारिस रऊफ को भी 2-2 विकेट मिले। जीत के लिए 232 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की टीम की शुरुआत भी खराब रही। सलामी बल्लेबाज साहबजादा फरहान 3 और माज सदाकत 0 पर आउट हो गए। अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम भी केवल 16 रन बनाकर अपना विकेट खो बैठे। विकेटकीपर गाजी गोरी ने 37 रन बनाय पर दूसरे छोर से कोई बड़ा साथ नहीं मिल सका। सलमान आगा 7 और अब्दुल समद 2 रन बनाकर आउट हुए। अनुभवी शादाब खान और युवा अराफात मिन्हास ने मिलकर पारी को संभालने का प्रयास किया। कप्तान शादाब खान ने 104 गेंदों में 71 रन बनाए, जिसमें 3 छक्के और 1 चौका शामिल था। अराफात मिन्हास ने भी 33 रन बनाये। पाकिस्तान की पूरी टीम 44 ओवर में महज 190 रनों पर आउट हो गई। वहीं ऑस्ट्रेलिया की तरफ से तेज गेंदबाज नाथन एलिस ने 9 ओवर में 33 रन देकर 4 विकेट लिए, जबकि स्पिनर मैथ्यू शॉर्ट ने 3 विकेट लिए।

अपने डेब्यू मैच में ही स्कॉटलैंड के चार्ली ने बनाया था विश्व रिकॉर्ड

लंदन (ईएमएस)। विश्व क्रिकेट में एक से बढ़कर एक गेंदबाज हुए हैं। इन्हीं में एक एसोसिएट देश स्कॉटलैंड के एक युवा खिलाड़ी चार्ली कैसल भी हैं। चार्ली के नाम अपने डेब्यू एकदिवसीय मैच में एक ऐसा रिकार्ड है जो किसी भी अन्य गेंदबाज के नाम नहीं है। चार्ली विश्व के पहले और एकमात्र ऐसे गेंदबाज बन गए हैं, जिन्होंने अपने पहले ही एकदिवसीय मैच में सात विकेट लिए थे। साल 2024 में ओमान के खिलाफ खेले गए अपने करियर के पहले ही एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में इस तेज गेंदबाज के सामने ओमान के बल्लेबाज टिक नहीं पाये। चार्ली से पहले अपने डेब्यू मैच में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी का रिकॉर्ड संयुक्त रूप से दो तेज गेंदबाजों दक्षिण अफ्रीका के कगिसो रबाडा और वेस्टइंडीज के फिडेल एडवर्ड्स के नाम था। इन दोनो ने अपने पहले एकदिवसीय मैच में विरोधी टीम के छह-छह विकेट लिए थे। ये रिकॉर्ड कई साल तब बना रहा जिसे चार्ली ने तोड़ा। इस गेंदबाज ने न सिर्फ इन दोनों दिग्गजों का रिकॉर्ड ध्वस्त किया, बल्कि एक ऐसा नया कीर्तिमान स्थापित कर दिया जिसे छू पाना आने वाले समय में किसी भी गेंदबाज के लिए बेहद चुनौतीपूर्ण होगा।चार्ली का यह प्रदर्शन इसलिए भी खास है क्योंकि सीमित ओवरों के क्रिकेट में, जहां अक्सर नियम बल्लेबाजों के पक्ष में होते हैं और बड़े स्कोर आम बात हो गए हैं, वहां एक नए गेंदबाज द्वारा 7 विकेट लेना किसी चमत्कार से कम नहीं है। स्कॉटलैंड जैसे एसोसिएट देश के लिए यह लम्हा बेहद गर्व का था और इस रिकॉर्ड ने यह साबित कर दिया कि क्रिकेट की दुनिया में ऐसी अप्रत्याशित प्रतिभाएं भी मौजूद हैं जो बड़े मंच पर आकर वैश्विक स्तर पर अपनी छाप छोड़ सकती हैं।

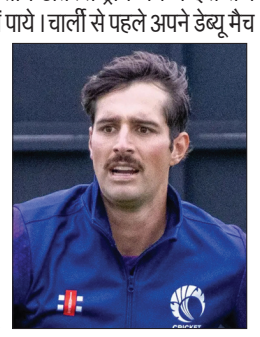

फीफा विश्वकप में खेलते नजर आयेंगे भारतीय मूल के ये चार फुटबॉलर

कोलकाता (एजेंसी)। 11 जून से अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा में शुरु हो रही फीफा विश्कपकप फुटबॉल को लेकर दुनिया भर की तरह ही भारत में भी फुटबॉल प्रशंसक उत्साहित हैं।

देश में इसके प्रसारण को लेकर गतिरोध समाप्त होने से भी फुटबॉल प्रशंसक टीवी पर मैच देखने को लेकर उत्साहित हैं। इस बार विश्वकप में भारतीय मूल के चार खिलाड़ी भी खेलते नजर आयेंगे। ये सभी अलग-अलग देशों की ओर से उतर रहे हैं। भारतीय प्रशंसक भी इन सभी को खेलते हुए देखने का इंतजार कर रहे हैं।

इस बार कुल 48 टीमें विश्व कप में हिस्सा ले रही हैं। विश्वकप में खेलने वाले भारतीय मूल के ये फुटबॉलर हैं

तहसीन जमशीद : 19 वर्षीय विंगर तहसीन जमशीद, जिनका जन्म दोहा में हुआ, लेकिन उनकी जड़ें केरल के कन्नूर जिले से जुड़ी हैं। उनके माता-पिता मलयाली हैं वह कतर टीम से खेल रहे हैं। तहसीन को कतर की प्रारंभिक टीम में शामिल किया गया है, और केरल के प्रशंसको को पूरी उम्मीद है कि वह अंतिम टीम में भी जगह बना पाएंगे। तहसीन के पिता भी पूर्व फुटबॉलर रह चुके हैं और उन्होंने कतर के लिए अंडर-17 और अंडर-19 स्तर पर खेला है।

सरप्रीत सिंह : न्यूजीलैंड के लिए खेलने वाले सरप्रीत सिंह पर भी सबकी निगाहें होंगी। 27 वर्षीय सरप्रीत एक अटैकिंग मिडफील्डर हैं, जिनके परिवार का संबंध पंजाब के जालंधर से है। वह 2018 से न्यूजीलैंड की सीनियर टीम के लिए खेल रहे हैं और अब तक तीन महत्वपूर्ण गोल दाग चुके हैं।

सैमुअल मुतुसामी : कांगो की टीम में तमिल मूल के खिलाड़ी सैमुअल मुतुसामी को जगह मिली है। 29 वर्षीय यह डिफेंसिव मिडफील्डर पेरिस में जन्मे हैं, उनकी मां कांगो की हैं जबकि पिता तमिल मूल के इंडो-गुआराडेलूपियन हैं। सैमुअल ने 2019 में कांगो के लिए अपना अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया था।

निशान वेलुपिल्ले : इस सूची में चौथा नाम निशान वेलुपिल्ले का है, जो ऑस्ट्रेलियाई टीम में शामिल हैं। एक विंगर के रूप में खेलने वाले निशान के पिता तमिलनाडु से जुड़े एक मलेशियाई नागरिक हैं, जबकि उनकी मां एंग्लो-इंडियन हैं। यह बात भारतीय फुटबॉल प्रेमियों के लिए और भी खास है क्योंकि 2006 के बाद यह पहला विश्व कप होगा, जिसमें कोई भारतीय मूल का खिलाड़ी दिखाई देगा।

गौरतलब है कि विश्वकप में अंतिम बार विकास धोरासू ने फ्रांस के लिए खेलकर भारत का नाम रोशन किया था। इन चारों खिलाड़ियों का विश्व कप में शामिल होना भारतीय फुटबॉल के लिए एक नया अध्याय खोलेगा और दुनिया भर के भारतीय फैंस को अपनी जड़ों से जुड़े इन सितारों को समर्थन देने का एक अनूठा अवसर मिलेगा।

सोहम शाह ने शेयर की तुम्बाड 2 की डिटेल्स

सोहम शाह फिल्म 'तुम्बाड 2' की तैयारियों में व्यस्त हैं। यह फिल्म साल 2018 में आई 'तुम्बाड' का सीक्वल है। 'तुम्बाड 2' को लेकर दर्शक उत्साहित हैं और बेसब्री से इसका इंतजार कर रहे हैं। इस बीच सोहम शाह ने सेट से एक बीटीएस तस्वीर शेयर करके दर्शकों का उत्साह और भी बढ़ा दिया है। मगर, उनके इस पोस्ट पर नेटिजंस को आलिया भट्ट याद आ गई हैं। सोहम शाह ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें सोहम शाह ने बीटीएस पल साझा किया है। उनके हाथ में सफेद रंग की एक चीज नजर आ रही है। इसके साथ सोहम शाह ने कैप्शन लिखा है, 'आज 'तुम्बाड 2' के सेट पर ये मिला। क्या मुझे चिंता करनी चाहिए' उन्होंने आगे लिखा है, 'प्रलय आएगी'।

सोहम शाह के इस पोस्ट पर नेटिजंस आलिया भट्ट को याद करते हुए कमेंट कर रहे हैं। वहीं, कुछ यूजर्स इसे शुभ हस्ताक्षर और आशीर्वाद बता रहे हैं। कुछ का कहना है कि ये आटे की गुड़िया लग रही है। कुछ यूजर्स लिख रहे हैं, 'आपको चिंता करनी चाहिए, लेकिन सिर्फ अच्छे के लिए'। आलिया को याद करते हुए एक यूजर ने लिखा है, 'आलिया को देखने के लिए बेसब्र हूं'। एक ने लिखा है, 'तुम्बाड-2 में आलिया हैं। अब ये सिर्फ एक फिल्म नहीं है, बल्कि पूरा सिनेमा है'।

फिल्म 'तुम्बाड 2' में आलिया भट्ट का कैमियो रोल होगा। वहीं, तीसरे पार्ट में उनका यह किरदार विस्तृत रूप में देखने को मिलेगा। साल 2018 में आई 'तुम्बाड' का निर्देशन राही अनिल बर्वे ने किया था। हालांकि, 'तुम्बाड 2' का निर्देशन वो नहीं कर रहे हैं। 'तुम्बाड 2' का निर्देशन आदेश प्रसाद कर रहे हैं। आदेश प्रसाद फिल्म के पहले पार्ट के को-राइटर और को-डायरेक्टर भी थे। फिल्म का निर्माण सोहम शाह अपने बैनर सोहम शाह फिल्म्स के तहत और पेन स्टूडियोज के सहयोग से कर रहे हैं। इस बार फिल्म में सोहम शाह के साथ नवाजुद्दीन सिद्दीकी भी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे।

जवान के बाद अब सलमान की फिल्म में एक्शन का दम दिखाएंगी नयनतारा

विशेषज्ञों की निगरानी में करेंगी स्टंट

सलमान खान इन दिनों अपनी आगामी फिल्म को लेकर चर्चा में हैं, जिसका निर्देशन वामशी पेडिपल्ली कर रहे हैं। इस फिल्म में सलमान के अपोजिट साउथ की लेडी सुपरस्टार नयनतारा नजर आएंगी। शीर्षक फाइनल नहीं होने के चलते अस्थाई रूप से इस फिल्म को स्क्वॉड59 कहा जा रहा है। फिल्म को लेकर कहा जा रहा है कि इसमें नयनतारा एक्शन पैक्ड अवतार में नजर आएंगी।

दमदार एक्शन करेंगी नयनतारा

इससे पहले नयनतारा को बॉलीवुड फिल्म 'जवान' में शाहरुख खान के साथ देखा गया था। 'जवान' में भी नयनतारा का एक्शन देखने को मिला। उन्होंने अपने स्टंट से दर्शकों को हैरान कर दिया था। अब चर्चा है कि सलमान खान की आगामी फिल्म में भी वे दमदार एक्शन करती दिखेंगी। इससे फिल्म के प्रति दर्शकों में उत्साह बढ़ गया है।

एक्सपर्ट्स की निगरानी में खुद करेंगी स्टंट

मेकर्स की तरफ से फिलहाल इस बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी गई है, लेकिन रिपोर्ट्स के मुताबिक नयनतारा इस फिल्म में एक मजबूत और दमदार किरदार निभाती हुई दिखेंगी। बॉलीवुड हंगामा के मुताबिक, नयनतारा एक्टर सलमान खान के साथ एक एक्शन से भरपूर रोल में नजर आएंगी। इसके अलावा, वे एक्सपर्ट्स की देखरेख में अपने स्टंट खुद ही करेंगी। ऐसा लगता है कि उनका किरदार काफी दमदार और अहम होने वाला है।

मनाली में चल रही शूटिंग

इस फिल्म की शूटिंग फिलहाल मनाली में चल रही है, जहां एक महत्वपूर्ण शेड्यूल पर काम हो रहा है। एक्शन सीन्स के साथ-साथ, लीड जोड़ी के बीच की केमिस्ट्री भी चर्चा का विषय बन रही है। ऐसा कहा जा रहा है कि सलमान और नयनतारा के बीच अच्छी बॉन्डिंग हो रही है। सलमान खान और नयनतारा के अलावा, रिपोर्ट्स के मुताबिक राजपाल यादव भी इस फिल्म में एक अहम भूमिका निभाएंगे।

कब रिलीज होगी फिल्म

आने वाले महीनों में इस फिल्म की कास्टिंग को लेकर अनाउंसमेंट्स होने की उम्मीद है। मेकर्स इस फिल्म को ईद 2027 के मौके पर रिलीज करने की तैयारी कर रहे हैं। सलमान खान की फिल्में अक्सर त्योहारों के सीजन में ही रिलीज होती हैं। खासतौर से ईद के मौके पर वे दर्शकों को अपनी फिल्मों की रिलीज के रूप में तोहफा देते रहे हैं। इस फिल्म के अलावा सलमान वॉर ड्रामा फिल्म 'मातृभूमि' में भी नजर आएंगे।

म्यूजिकल ड्रामा फिल्म 'सतरंगा' लाएंगे भूषण

टी-सीरीज एक बार फिर बड़े स्तर की म्यूजिकल फिल्म लेकर आने की तैयारी में है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, भूषण कुमार के नेतृत्व वाली कंपनी जल्द ही अपनी नई फिल्म 'सतरंगा' का आधिकारिक ऐलान कर सकती है। इंडस्ट्री सूत्रों के अनुसार, यह फिल्म एक भव्य म्यूजिकल ड्रामा होगी, जिसे बड़े सिनेमाई कैनवास पर तैयार किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि 'सतरंगा' सिर्फ एक पारंपरिक रोमांटिक फिल्म नहीं होगी, बल्कि इसमें संगीत कहानी की सबसे अहम कड़ी बनेगा। फिल्म को एक इमोशनल और विजुअली शानदार अनुभव के तौर पर डिजाइन किया जा रहा है, जहां गाने केवल कहानी का हिस्सा नहीं होंगे, बल्कि पूरी कहानी को आगे बढ़ाने का काम करेंगे। फिल्म की स्क्रिप्ट लगभग पूरी हो चुकी है और अब मेकर्स स्टारकास्ट को अंतिम रूप देने में जुटे हैं। हालांकि, अभी तक किसी कलाकार के नाम का खुलासा नहीं किया गया है।

शिवा ट्रिलॉजी जैसी फिल्म का हिस्सा बनना मेरा सपना

फिल्म इंडस्ट्री में कई कलाकार अब सिर्फ ग्लैमरस किरदारों तक सीमित नहीं रहना चाहते, बल्कि ऐसे प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनना चाहते हैं, जिनमें अभिनय के साथ भावनात्मक और आध्यात्मिक जुड़ाव भी हो। इसी बीच अभिनेत्री त्रिधा चौधरी ने आईएएनएस से बात करते हुए अपनी दिली इच्छा जाहिर की और कहा कि वह भविष्य में अभिनेता रणवीर सिंह के साथ काम करना चाहती हैं। अगर उन्हें 'शिवा ट्रिलॉजी' जैसी किसी पौराणिक फिल्म में काम करने का मौका मिले, तो वह उनके लिए किसी सपने के सच होने जैसा होगा। आईएएनएस ने जब त्रिधा से पूछा कि अगर उन्हें भविष्य में किसी बड़े ऐतिहासिक या पौराणिक फिल्म में काम करने का मौका मिले, तो वह किस तरह का किरदार निभाना पसंद करेंगी। इस सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि वह लेखक अमिश त्रिपाठी की मशहूर किताब 'शिवा ट्रिलॉजी' पर बनने वाली फिल्म का हिस्सा बनना चाहेंगी।

त्रिधा ने कहा, ''मैंने हाल ही में सुना है कि रणवीर सिंह ने 'शिवा ट्रिलॉजी' के फिल्मी राइट्स खरीद लिए हैं। उन्होंने आगे कहा, 'भगवान शिव के प्रति मेरी गहरी आस्था है, और यही वजह है कि 'शिवा ट्रिलॉजी' से मेरा भावनात्मक जुड़ाव भी है। मैंने इस किताब की पूरी सीरीज पढ़ी है और कहानी ने मुझे काफी प्रभावित किया। अगर मुझे किसी ऐसी पौराणिक फिल्म में अभिनय करने का मौका मिलता है, तो वह मेरे करियर का सबसे खास अनुभव होगा।' त्रिधा ने बातचीत के दौरान कहा, ''मेरे लिए सिर्फ खूबसूरत दिखना या ग्लैमरस किरदार निभाना ज्यादा मायने नहीं रखता। एक कलाकार की असली पहचान उसके अभिनय से होती है। अगर कोई कलाकार स्क्रीन पर सिर्फ अच्छा दिखे लेकिन अपने किरदार को सही तरीके से निभा न पाए, तो दर्शक उससे जुड़ नहीं पाते।''

तुषार कपूर ने अपने नए प्रोजेक्ट, सोशल मीडिया, राजनीति पर बात की

तुषार कपूर बॉलीवुड के उन कलाकारों में गिने जाते हैं, जिन्होंने कॉमेडी, ड्रामा और मल्टीस्टारर फिल्मों में अपनी अलग पहचान बनाई है। वह अपनी बेबाकी के लिए भी जाने जाते हैं। हाल ही में बातचीत के दौरान उन्होंने अपने नए प्रोजेक्ट, सोशल मीडिया, राजनीति और आज की युवा पीढ़ी को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि आज का भारत पहले से ज्यादा जागरूक हो चुका है और सोशल मीडिया ने लोगों को राजनीति और देश के मुद्दों के प्रति काफी सतर्क बनाया है। तुषार कपूर ने अपने आने वाले प्रोजेक्ट को लेकर उत्साह जाहिर किया। उन्होंने कहा, ''मैं एक बार फिर दर्शकों के सामने कुछ नया लेकर आने के लिए बेहद उत्साहित हूं। यह मेरे लिए खास अनुभव है क्योंकि मैं लंबे समय बाद फिर उसी तरह के किरदार और माहौल में लौट रहा हूं। फिल्म का लगभग 90 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है, लेकिन अभी भी 10 से 15 दिनों की शूटिंग बाकी है।'' उन्होंने निर्देशक रोहित शेट्टी की जमकर तारीफ करते हुए कहा, ''मैं खुद को बेहद खुशकिस्मत मानता हूं कि मुझे रोहित शेट्टी के साथ कई बार काम करने का मौका मिला। वह देश के सबसे सफल निर्देशकों में गिने जाते है। मैंने उनके साथ चार बार काम किया है और चारों बार फिल्मों को ब्लॉकबस्टर सफलता मिली। अब मुझे उम्मीद है कि पांचवीं बार भी दर्शकों का वैसा ही प्यार मिलेगा।''

तुषार कपूर ने सोशल मीडिया और राजनीति पर भी खुलकर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा, ''पहले हमारी पीढ़ी राजनीति को इतना करीब से नहीं समझती थी, लेकिन अब हालात बदल चुके हैं। अब मैं खुद राजनीतिक बहस और न्यूज डिबेट्स को ध्यान से देखता हूं। आज मुझे देश के अलग-अलग राज्यों की राजनीति और वहां की पार्टियों की जानकारी है। सोशल मीडिया और न्यूज प्लेटफॉर्म्स ने ज्यादा जागरूक बना दिया है। भारत में अब लोग राजनीति को गंभीरता से लेने लगे हैं। मतदान प्रतिशत लगातार बढ़ रहा है क्योंकि लोग अब वोट देने के लिए घरों से बाहर निकल रहे हैं। साल 2014 के बाद देश में राजनीति को लेकर जागरूकता और ज्यादा बढ़ी है।तुषार ने कहा, ''आज की युवा पीढ़ी का एक बड़ा हिस्सा काफी समझदार और जागरूक है।

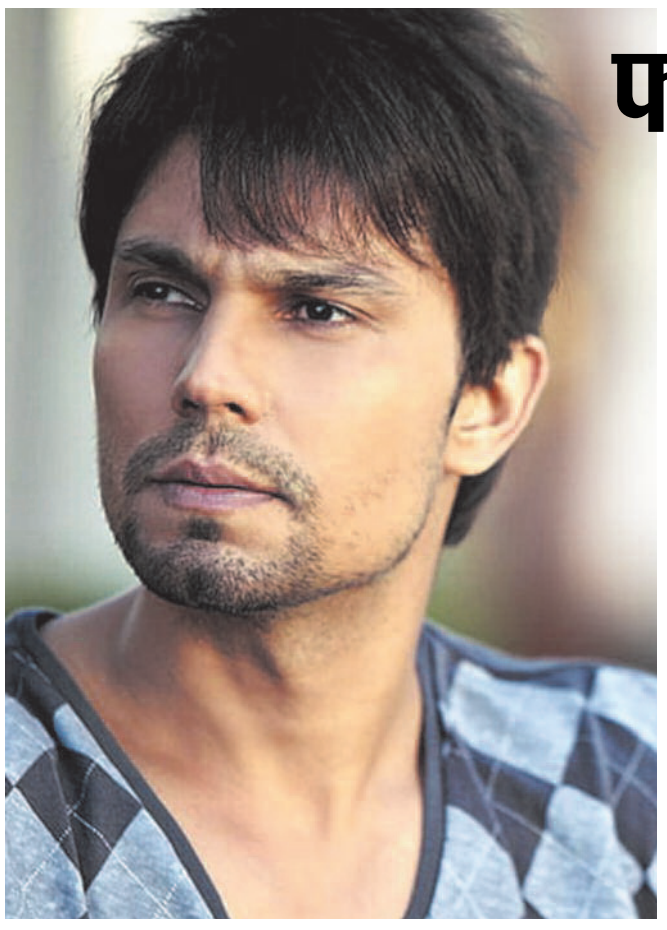

फादरहुड के बाद आए बदलाव अच्छे हैं

बात 'सरबजीत' और 'स्वातंत्र्य वीर सावरकर' जैसी फिल्मों में हैरान कर देने वाले बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन की हो या निजी जिंदगी में बेबाकी से अपनी राय रखने की, ऐक्टर रणदीप हुड्डा अपनी जिंदगी में हमेशा ही बेखौफ और रिस्क टेकर रहे हैं। कुछ हद तक अपनी हालिया सीरीज के हीरो 'इंस्पेक्टर अविनाश' की तरह, लेकिन अब यह आजाद परिंदा एक फैमिली मैन, एक नन्ही परी न्योमिका का पिता भी बन चुका है और रणदीप मानते हैं कि पिता बनने के बाद जिंदगी में काफी सारे सकारात्मक और सुखद बदलाव आते हैं।

फादरहुड के बाद खुद में आए बदलावों के बारे में रणदीप बताते हैं, 'बदलाव बिल्कुल आए हैं। लाइफ में थोड़ा ठहराव आ गया है। जिम्मेदारी का अहसास बढ़ गया है। अपने निजी स्वार्थ से ऊपर उठकर एक अनकंडीशनल लव के बारे में सोचना और वह सोच खुद आपके अंदर आ जाती है। अब काम से घर जाने की इच्छा और ज्यादा बढ़ गई है। एक विनम्रता आ गई है। दुनिया के प्रति भी सोच नरम हो गई है तो मेरे लिए बहुत ही समृद्ध करने वाला अनुभव है। हालांकि, अभी मैं वह अनुभव कर ही रहा हूं। अभी मैं नया-नया पिता बना हूं लेकिन निश्चित तौर पर काफी सारे पॉजिटिव बदलाव हैं। मैं खुद को इसके लिए बहुत ही भाग्यशाली मानता हूं।'

डिप्लोमेसी होनी चाहिए, पर मुझमें नहीं है

अपनी बेहतरीन अभिनय क्षमता और बिंदास एटीट्यूट के लिए मशहूर रहे रणदीप यह भी मानते हैं कि इंसान को जिंदगी में नाप-तौल को बोलना और बर्ताव करना यानी डिप्लोमेसी आनी चाहिए, मगर उनमें यह गुण नहीं है। बकौल रणदीप, 'आपके बेबाक और बिंदास होने के नुकसान भी होते हैं लेकिन दिक्कत यह है कि आप जो नहीं हैं, वह बनकर रहने में ज्यादा मेहनत लगती है। फूंक-फूंक कर बोलने के चक्कर में आप एक झूठ बोलते हैं, फिर हजार झूठ बोलते हैं तो उससे बेहतर है कि सच पर ही रहो। जो लोग आपके साथ काम करना चाहेंगे वे करेंगे।'

कॉप के रोल से बच रहा था

रणदीप हुड्डा इन दिनों अपनी वेब सीरीज इंस्पेक्टर अविनाश के दूसरे सीजन को लेकर चर्चा में हैं। शो में वह यूपी के चर्चित कॉप इंस्पेक्टर अविनाश की भूमिका में काफी सराहे गए, मगर शुरू में उन्होंने यह रोल करने से ही मना कर दिया था। वजह पूछने पर वह बताते हैं, 'दरअसल, मैं कॉप का रोल करने से बच रहा था। मुझे लगा था कि मैं कॉप के किरदार कुछ ज्यादा ही कर रहा हूं तो कहीं टाइपकास्ट ही ना हो जाऊं, मगर जब नीरज भाई (डायरेक्टर नीरज पाठक) ने कहानी सुनाई, तो मैं ना नहीं कर पाया।' वहीं, टाइप कास्टिंग के खतरे पर रणदीप आगे कहते हैं, 'टाइप कास्टिंग इंडस्ट्री का एक कड़वा सच है, मगर चॉइस आपके हाथ में होती है कि आप खुद को दोहराना चाहते हैं या नहीं। कोई जबरदस्ती तो आपसे कुछ करा नहीं लेगा। मैंने काफी बार ऐसे रोल मना किए हैं, जो हाल ही किए होते हैं या उसमें मुझे नयापन नहीं लगता। वैसे, काम मना करना भी आसान नहीं होता है, क्योंकि ऐक्टर का सबसे बड़ा काम ही काम पाना है। वरना उसके लिए एक बहुत बड़ी मशीनरी लगती है जो सबके बस की बात नहीं है।'

राइटिंग में मजा आ रहा है

रणदीप ने अपनी फिल्म स्वातंत्र्य वीर सावरकर में निर्माता-निर्देशक की भूमिका भी निभाई थी। उस ओर आगे का प्लान पूछने पर उन्होंने बताया, 'बहुत कुछ चल रहा है। हालांकि, जब मैं वीर सावरकर पूरी करके रिलीज कर रहा था, तब कान पकड़ लिया था कि आज के बाद कभी ऐसा नहीं करूंगा, लेकिन आपको कभी न करने वाली बात नहीं कहनी चाहिए। मैंने दो स्क्रिप्ट्स लिखी हैं। और भी लिख रहा हूं। मुझे राइटिंग में बहुत मजा आने लगा है। पहले क्या होता था कि जब बतौर ऐक्टर रोल आते थे तो हम करते थे, वरना काउच से बिस्तर और बिस्तर से काउच के बीच एक बड़ी लंबी जर्नी होती है। उसमें बहुत वक्त खाली बीतता था पर राइटिंग शुरू करने के बाद जब मैं ऐक्टिंग नहीं कर रहा होता हूं तब भी बहुत एक्साइटेड रहता है कि ऑफिस में जाकर कुछ लिख दूं, कुछ को-राइट कर लूं। कुछ फिल्म देख लूं तो बहुत कुछ करने का उत्साह रहता है जो सबसे बड़ी बात है।'

गर्मियों को कहें बाय..

खास बातें ऑयली त्वचा के लिए

गर्मियों का प्रकोप शुरू हो चुका है। तन को सहलाती धूप अब पीड़ा देने लगी है। ये तपती धूप कहीं आपकी खूबसूरती को नुकसान न पहुंचा दे। क्योंकि गर्मियों में तैलीय ग्रंथियां अधिक सक्रिय होने व पसीना आने की समस्या बढ़ जाती है। तेल और पसीना त्वचा पर जमा होकर इसे बहुत तैलीय बना देते हैं। तैलीय त्वचा पर धूल-मिट्टी के कण जमा होने के कारण त्वचा संबंधी समस्या शुरू हो जाती है। इस मौसम में तैलीय त्वचा सबसे अधिक प्रभावित होती है। अगर आपकी त्वचा ऐसी ही है तो आप उसकी देखभाल कैसे करे, बता रही है सौंदर्य ।

1. त्वचा ऑयलफ्री रहे। इसके लिए कुदरती गुणों से युक्त ऑयलफ्री फेसवॉश से नियमित सफाई करे। कभी भी ग्लिसरीन युक्त सोप का प्रयोग न करें।
2. ऑयली त्वचा की क्लींजिंग अहम होती है। क्लींजिंग से त्वचा पर जमी धूल-मिट्टी, मेकअप, मृतकोष हट जाते हैं और त्वचा के छिद्र साफ हो जाते है। इस तरह आप ब्लैक

हेड्स जैसी समस्या से बची रह सकती है। हफ्ते में एक बार लाइट स्क्रब का इस्तेमाल करें।

3. चावल के आटे में पुदीने का अर्क तथा गुलाबजल मिलाकर चेहरे पर 10 मिनट तक लगाएं। इसे हलके हाथों से गोलाई में घुमाते हुए चेहरे पर लगाएं। फिर धो लें।
5. अपने पर्स में गुलाब व लैवेंडर बेस वाला स्किन टॉनिक रखें। इसके अलावा वेट टिश्यू भी रखें। ताकि चेहरे पर जमा धूल-मिट्टी को हटा सकें।
6. रात को सोने से पहले त्वचा साफ करना न भूलें। इससे त्वचा पर मुंहासे व ब्लैक हेड्स नहीं बनेंगे।
7. ऑयली त्वचा पर एक्ने हों तो टी ट्री एंटी पिंपल जेल और जेल मॉयस्चराइजर का प्रयोग करें जो त्वचा में तेल ग्रंथियों के अतिरिक्त सिक्रीशन को कम करता है।
8. ऐसी त्वचा वालों को तनावमुक्त रहना चाहिए। क्योंकि तनाव ऑयली त्वचा को प्रभावित करता है। तनावमुक्त रहने के लिए आप योग तथा मेडिटेशन का सहारा ले सकती है।
9. त्वचा के सीबम ऑयल को नियंत्रित करने के लिए अधिक तेल-मसालेदार भोजन का त्याग करना जरूरी है।
10. तैलीय ग्रंथियों को संतुलित करने के लिए फाइबर युक्त भोजन लें। सुबह शाम एक-एक बोल सैलेड जरूर खाएं।
11. भोजन में विटामिन सी की मात्रा बढ़ाएं जैसे नीबू, संतरा और आंवला आदि का सेवन करें।
12. चाय-कॉफी का सेवन न करे। क्योंकि ये चीजें सेंट्रल नर्वस सिस्टम को भी प्रभावित करती हैं।

गर्मियों में टैनिंग की समस्या आम बात है, लेकिन बाहर जाकर होने वाले कामों को तो नहीं रोका जा सकता। इसलिए धूप से वापस घर पहुंचने पर चेहरे पर खंट्टा दही लगाएं। सूखने पर ठंडे पानी से साफ करें। नींबू और खीरे के रस को बराबर मात्रा में मिलाकर चेहरे पर पंद्रह मिनट तक लगाने के बाद ठंडे पानी से धोएं। दही के साथ एक चुटकी हल्दी मिलाकर चेहरे के अलावा दूसरे खुले अंगों पर लगाने के बाद गुनगुने पानी से धोएं। गर्मी में हाथों और पैरों का भी खास ख्याल रखने की जरूरत है। ऑलिव ऑयल, नींबू का रस और शक्कर को मिलाकर पेस्ट बनाने के बाद उसे हाथों पर लगाएं। पैरों के लिए गर्म पानी में नींबू का रस मिलाने के बाद उन्हें उसमें थोड़ी देर भीगने दें।

एक्सफॉलिएट

पसीना और धूल मिट्टी चेहरे की त्वचा को बदरंग कर उसमें संक्रमण पैदा कर सकता है, इसलिए एक्सफॉलिएशन बहुत जरूरी है। इसके लिए हरे चने का पाउडर, हल्दी और दूध को मिलाकर पेस्ट बना लें। ठंडे पानी से शॉवर लेने के पहले इसका इस्तेमाल स्क्रब के रूप में करें। अंतिम शॉवर के बाद गुलाब जल लगाएं।

क्या झुलसा देने वाली गर्मी में भी सुंदर दिखना आसान है? क्या संभव है सूरज की तपिश में भी त्वचा को खूबसूरत और चमकदार बनाए रखना? क्या बचा जा सकता है सूरज से निकलने वाली तेज किरणों से होने वाली टैनिंग, रैशेज और डिहाइड्रेशन जैसी समस्याओं से? इन सभी सवालों का जवाब है हां! इस मौसम आपकी त्वचा को दागदार न होने देंगी ये टिप्स..

गुलाब जल

गुलाब जल सूरज की किरणों से त्वचा को सुरक्षित रखने में मदद करता है, इसलिए अपनी मेकअप किट में इसे जरूर शामिल करें। रैशेज को दूरकर त्वचा को चमकदार बनाने के लिए गुलाब जल में बेबी पाउडर मिलाकर नियमित अंतराल में इसका प्रयोग त्वचा पर करती रहें। यह उन बैक्टीरिया को भी पनपने से रोकता है, जो चेहरे पर मुंहासे और ब्लैकहेड्स को जन्म देते हैं। यदि फेसपैक तैयार कर रही हैं तो पानी के बजाय गुलाब जल का प्रयोग करें। चंदन पाउडर और मुल्तानी मिट्टी को गुलाब जल के साथ मिलाकर चेहरे पर लगाने से एक सप्ताह में चेहरे की चमक को निखारा जा सकता है।

पसीना

कोशिश करें कि त्वचा हमेशा सूखी रहे। गंदगी चेहरे पर ही पसीने के साथ न सूखे, इसलिए नियमित अंतराल पर चेहरा पोछती रहें। नींबू और खीरे के रस को मिलाकर फ्रिज में जमा लें और फिर इन क्यूब्स को चेहरे पर मलें।

हेयर केयर

पसीना और सूरज की तपिश बालों को रूखा और बेजान बना देती है। इससे बचने के लिए जितना हो सके बालों को धोती रहें। माइल्ड शैंपू और अच्छे कंडीशनर का इस्तेमाल करें। चाहें तो इस घरेलू उपाय पर भी अमल कर सकती हैं। एक कप पानी में चाय की पलियां उबाल लें और ठंडा होने पर उसमें आधे नींबू का रस मिलाएं। शैंपू के बाद इस मिश्रण को बालों पर लगाएं। ठंडे पानी से साफ करें। यह बालों में चमक और उछाल पैदा करता है। इस मौसम में बालों को ड्रायर की मदद से सुखाने की कोशिश न करें।

फाउंडेशन

गर्मी के मौसम में जितना कम मेकअप किया जाए उतना ही फायदेमंद रहता है। यदि मेकअप कर ही रही हैं तो फाउंडेशन का इस्तेमाल सावधानीपूर्वक करें, क्योंकि यह चेहरे के रोमछिद्र बंद कर देता है, जिससे मुंहासों की समस्या हो सकती है। आंतरिक खूबसूरती को निखारने के लिए जितना हो सके फलों और सलाद का सेवन करें।

पानी

गर्मियों के मौसम में जितना

पानी पिएं उतना ही बेहतर है। इस मौसम में पानी ही त्वचा को हाइड्रेट करने के साथ चमकदार और कोमल बनाए रखता है। फलों के रस या दूसरे आर्टीफिशियल ड्रिंक्स इसकी भरपाई नहीं कर सकते।

स्वीमिंग

यदि स्वीमिंग करने का मन बना रही हैं तो पूल में उतरने से पहले पानी में मौजूद क्लोरीन से त्वचा को सुरक्षित रखने के लिए लैवेंडर ऑयल और वैसलीन का मिश्रण बनाकर पूरे शरीर में लगाएं।

छुटकारा चिपचिपे बालों से

बदलते मौसम का सबसे जल्दी असर बालों पर ही पड़ता है। इस मौसम में बालों में चिपचिपापन और तैलीयता ज्यादा नजर आती है। इसके लिए अपनाएं हेयर एक्सपर्ट जावेद हबीब के बताए इन आसान उपायों को।

1. रुई के टुकड़े या कॉटन बोल को गुलाबजल में भिगोकर बालों की जड़ों में लगाएं। इससे उनकी चिकनाई कम होगी। इसके बाद शैंपू कर लें।
2. हार्ड पर्मिंग और हानिकारक केमिकल के प्रयोग से बालों को दूर रखें। यह सीजन किसी भी प्रकार के प्रयोग का नहीं है। इसलिए अपने बालों की घरेलू देखभाल करें। उनकी सफाई सही तरीके से करें।

3. मुलतानी मिट्टी में हलका गर्म पानी डाल कर पेस्ट बनाएं। फिर थोड़ा सा नीबू का रस मिलाकर बालों में लगाएं। आधे घंटे बाद बाल धो लें।
4. 2 बड़े चम्मच दही, एक छोटा चम्मच शहद और एक चम्मच ग्लिसरीन मिलाकर बालों में लगाएं। इससे बालों में नई जान आ जाएगी और वे मजबूत भी बनेंगे। इसके बाद नीबू के गुणों से युक्त शैंपू करें।
5. बालों को स्वस्थ और मजबूत बनाने के लिए प्रोटीन से भरपूर डाइट लें। प्रोटीन की कमी से बालों की रंगत फीकी पड़ने लगती है। वे बेजान और चमक रहित हो जाते है। इसलिए अपने आहार में मछली, अंडा, सोयाबीन, दालें और हरी सब्जियां पर्याप्त मात्रा में शामिल करें।

ऐसे निखारे अपना रंग रूप

कुछ आसान से टिप्स जिन पर अमल करके आप अपने सौंदर्य को गर्मियों के दिनों में भी बरकरार रख सकती हैं

–गर्मियों के मौसम में आपका मेकअप देर तक टिका रहे, इसके लिए मेकअप करने से पहले चेहरे पर आइस क्यूब्स रगड़ें।

–आजकल के मौसम में दिन में बहुत हल्का मेकअप करें। मेकअप से पहले एसपीएफ युक्त टिंटेड मॉइश्चराइजर जरूर लगाएं।

–चेहरा साफ करने के लिए हमेशा ठंडे पानी का इस्तेमाल करें। इससे मुरझाई त्वचा में भी जान आ जाती है।

–सप्ताह में एक बार खासकर गर्मियों के दिनों में मक्के के आटे में दही मिलाकर उबटन की तरह इस्तेमाल करें।

–त्वचा की सफाई करने के तुरंत बाद अगर आपको बाहर जाना है तो अल्ट्रावॉयलेट किरणों से बचने के लिए किसी अच्छी कंपनी का सनब्लॉक जरूर लगाएं।

–घर से बाहर निकलने से पहले अच्छी क्वालिटी का मॉइश्चराइजर और सनब्लॉक अवश्य लगाएं। खीरे का रस भी अपने आपमें बहुत अच्छा मॉइश्चराइजर है। गर्मियों में प्रतिदिन खीरे का रस लगाने से चेहरे में चमक बनी रहती है।

–त्वचा में रौनक लाने के लिए दूध में आटे का चोकर मिलाकर कुछ देर तक हल्के हाथ से मसाज करें। हल्का सूखने पर साफ पानी से धो लें। फिर मॉइश्चराइजर लगा लें।

–महीने में एक बार फेशियल जरूर करवाएं। इससे रक्तसंचार सही होता है, जो त्वचा के कसाव को बनाए रखता है।

–चेहरे की सफाई के लिए साबुन के स्थान पर फेसवाश का प्रयोग करें।

–होंठों का रंग निखारने के लिए होंठों पर चुकंदर का रस लगाएं और करीब दस मिनट धो डालें।

–अगर आपके बाल बेजान और रूखे हैं तो सिर की अच्छी तरह ऑयल मसाज करने से फॉलिकल्स का रक्त संचार बढ़ता है।

–अगर आप स्वीमिंग की शौकीन हैं तो स्विमिंग करने से पहले शावर कैप जरूर लगाएं। कारण, स्विमिंग पूल के पानी में मौजूद क्लोरीन बालों के लिए नुकसानदेह होता है। बालों को सुरक्षित रखने के लिए थोड़े से जैतून के तेल में कुछ बूंद नींबू का रस मिलाकर बालों में लगाएं।